आर.एन.आई. नं. 013178/68, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

आज
* सरदार पटेल पुण्यतिथि

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 58 अंक 332 | उज्जैन, सोमवार 15 दिसम्बर, 2025 | पौष कृष्ण 11 संवत् 2082 | पृष्ठ-12 मूल्य-5.00 | www.awantika.com

देश विदेश

लश्कर कमांडर अब्दुल रउफ बोला- दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मौजूद लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर हाफिज अब्दुल रउफ ने भारत के खिलाफ भड़काऊ बयान दिया है। उसने कहा कि हम दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे। यह वीडियो नवंबर का है, लेकिन अभी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। रउफ ने कहा, मक्की साहब कहते थे, हम एक दिन दिल्ली को दुल्हन बनाएंगे और ये होकर रहेगा। गजवा-ए-हिंद होकर रहेगा। हम एक दिन ये निजाम बदल देंगे और इस मुल्क में शरिया की हुकूमत लेकर आएंगे। हम जीती हुई कौम हैं। रउफ ने दावा किया कि भारतीय वायुसेना पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में घुसने की हिम्मत नहीं करेगी और पाकिस्तान इस्लामी देशों में इकलौती परमाणु शक्ति है। रऊफ ने यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत अगले 50 साल तक पाकिस्तान पर हमला करने की हिम्मत नहीं करेगा।

न्याय पालिका दवाब में, मीडिया अडानी-अंबानी की : प्रियंका

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को कांग्रेस की 'वोट चोर गद्दी छोड़' रैली जारी है। पार्टी महासचिव और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने भाषण के शुरूआत में 'वोट छोड़ गद्दी छोड़' के नारे लगवाए। उन्होंने कहा कि जीवन में वोट की कीमत समझना जरूरी है। रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी भाषण देंगे। साथ ही महासचिव प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश, सचिन पायलट सहित कई वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। सोनिया गांधी ने भी रैली में भाग लिया। कांग्रेस कार्यकर्ता पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने वोट चोर गद्दी छोड़ और मोदी तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगाए। महिलाओं ने ग्रुप में और न्यूज एजेंसी आईएएनएस के साथ बातचीत में भी मोदी तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगाए हैं।

ऑस्ट्रेलिया में रहकर

हरियाणवी रैपर न्योलीवाला के गाने पर कंट्रोवर्सी

भगवाधारी को लात मारते दिखाया, बाबा बागेश्वर पर कहा-'बना-बना पर्ची ये लावै साले अर्जी'

हिसार। हरियाणवी रैपर ढांडा न्योलीवाला की नई एल्बम 'वोमिट ऑन पेपर' पर कन्ट्रोवर्सी बढ़ गई है। हिसार के आदमपुर के न्योलीवाला गांव के रहने वाले रैपर प्रवीण ढांडा की यह एल्बम हाल में रिलीज हुई है। रिलीज होते ही एल्बम विवादों में घिरती नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर हरियाणवी रैपर के पक्ष और विरोध में लोग खड़े हो रहे हैं। इस एल्बम में रैपर ने भगवाधारी बाबाओं को मारने-पीटने और बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का नाम लिए बिना उनका फोटो एल्बम में लगाकर साले कहा है, जिस पर विवाद खड़ा हो रहा है। लोगों ने सोशल मीडिया पर भी हरियाणवी रैपर को निशाने पर लिया है। साध्वी देवा ठाकुर ने आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि तू साधु-संतों को पीट नहीं सकता। मगर, अब तेरे पिटने का टाइम आ गया है। 2 महीने लग जाओ, 6 महीने लग जाओ, पिटेगा जरूर। अगर मेरी जैसी के हाथ लग गया, तो पक्का पिटेगा। वहीं, रैपर के सपोर्ट में भी कुछ लोग खड़े हो रहे हैं। प्रवीण के माता-पिता सरकारी स्कूल में टीचर हैं। उनका छोटा भाई हिसार में ही पढ़ाई कर रहा है। पत्नी आशा सहारण डिस्कस थ्रो में नेशनल चैंपियन रह चुकी हैं। 8 साल पहले ग्रेजुएशन करने के बाद पेरेंट्स ने प्रवीण ढांडा को ऑस्ट्रेलिया भेज दिया था। भगवा रंग जो मेरे राम ने नहीं पहरा होंदा, भगवान की कसम मैं फेक बाबे बहुत कूटता। बना बना पर्ची ये लावै साले अर्जी, प्राइवेट जेट लेके जावै जदे मर्जी। प्रवीण ढांडा की एल्बम 'वोमिट ऑन पेपर' पर 4 दिन में 21,52,987 से ज्यादा व्यूज आ चुके हैं।

हम जहां रहते हैं वो हिंदू घर जैसा दिखे : मोहन भागवत

श्रीविजयपुरम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि हिंदुओ को एकजुट होकर देश को आगे ले जाना होगा। इसके लिए वैसा ही आचरण करना होगा। हम जहां रहते है वो हिंदू घर की तरह सजा होना चाहिए। हमें यह तय करना होगा कि घर की दीवारों पर स्वामी विवेकानंद की तस्वीर हो या माइकल जैक्सन की। भागवत ने ये बातें अंडमान के श्रीविजयपुरम में स्थित नेताजी स्टेडियम में विराट हिंदू सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि हिंदू एकता के लिए एकरूपता को जरूरी नहीं मानता। बाकी दुनिया इसके उलट सोचती है। अगर हिंदू जागेंगे तो दुनिया जागेगी। दुनिया मानती है कि भारत ही रास्ता दिखाएगा।

पूर्व एमएलए ने फ्लाइट में अमेरिकी महिला की जान बचाई

बेंगलुरु। गोवा से नई दिल्ली जा रही इंडिगो की एक फ्लाइट में एक अमेरिकन महिला बेहोश हो गई। फ्लाइट में कर्नाटक की पूर्व विधायक और पेशे से डॉ. अंजलि निंबालकर भी मौजूद थीं। अंजलि ने तुरंत महिला को सीपाआर देकर उसकी जान बचा ली। इस मेडिकल इमर्जेंसी के दौरान प्लेन करीब 30 हजार फीट की ऊंचाई पर था। अंजलि गोवा से रामलीला मैदान में आयोजित कांग्रेस के वोट चोरी रैली में शामिल होने के लिए दिल्ली आ रही थीं। वहीं, कैलिफोर्निया की रहने वाली 34 वर्षीय जेनी नाम की यह महिला अपनी बहन के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने दिल्ली आ रही थी। दोपहर के करीब करीब डेढ़ बजे टेकऑफ के 10 मिनट बाद ही जेनी को बेचैनी और कंपकंपी होने लगी और वे बेहोश होकर गिर पड़ीं।

मावा प्रांत के 18 जिलों के जुटे किसान प्रतिनिधियों ने किया 3 घंटे मंथन

सरकार से नाराज भाकिसं का एक ही नारा 26 बारह, घेरा डालो-डेरा डालो

किसानों से छलावा पर जमकर आक्रोशित नजर आए किसान नेता

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

यह है मसला- सिंहस्थ क्षेत्र के 17 गांवों की 2378 हेक्टेयर यानिकी लगभग 12 हजार बीघा जमीन पर लैंड पुलिंग कानून के तहत नगर विकास योजना 8, 9, 10, 11 के तहत अधिग्रहण किया जाने के लिए विकास प्राधिकरण ने सूचना जारी की थी। करीब 1896 किसानों की जमीन इसके तहत अधिग्रहण की जाने की प्रक्रिया की गई। इसके तहत आपत्ति की सुनवाई में भी किसानों को दरकिनार किया गया। किसानों का आरोप है कि अपील स्वीकार नहीं करते हुए अनेकानेक बहाने बनाए गए।

बैठक में प्रमुख रूप से हुए शामिल- बैठक में प्रांत के 18 जिलों से करीब 165 प्रतिनिधि आए थे। बैठक में प्रांताध्यक्ष लक्ष्मीनारायण पटेल, महामंत्री रमेश दांगी, मंत्री धरम पटेल खंडवा, मंत्री भारतसिंह बैस, राजेन्द्र शर्मा, संगठन मंत्री अतुल माहेश्वरी, सह संगठनमंत्री दिनेश शर्मा, कोषाध्यक्ष शांतिलाल शर्मा उज्जैन जिलाध्यक्ष बहादुरसिंह आंजना सहित उज्जैन सहित मालवा प्रांत के सभी जिला अध्यक्ष, महामंत्री, प्रचार मंत्री, तहसील अध्यक्ष, महामंत्री शामिल हुए।

सिंहस्थ लैंड पुलिंग योजना टीडीएस 8, 9, 10, 11 के निरस्ती आदेश को लेकर सरकार और भारतीय किसान संघ के बीच खाई गहरा गई है। सरकार से नाराज किसान संघ ने रविवार को प्रांत के 18 जिलों के प्रतिनिधियों की बैठक के बाद एक ही नारा 26 बारह दिया है। यानिकी 26 दिसंबर से उज्जैन के विक्रमादित्य प्रशासनिक भवन पर घेरा डालो डेरा डालो। बकौल प्रदेश अध्यक्ष कमलसिंह आंजना अब जब तक निरस्ती का आदेश पत्र हाथ में नहीं तब तक कोई चर्चा नहीं।

सिंहस्थ लैंड पुलिंग टीडीएस 8, 9, 10, 11 को लेकर किसानों का विरोध था। इसे लेकर आंदोलन किया जा रहा है। पिछले एक साल से अधिक समय से यह आंदोलन जारी है। इसी को लेकर पिछले माह 17 नवंबर को किसान संघ के प्रतिनिधियों के साथ सरकार ने वार्ता रखी थी। वार्ता के उपरांत दोनों पक्षों ने लैंड पुलिंग निरस्ती के समझौते की घोषणा की थी। किसान संघ ने दूसरे दिन धन्यवाद यात्रा निकाली और सरकार की और से जारी वक्तव्य में मुख्यमंत्री ने किसानों के सम्मान में योजना निरस्त की घोषणा की थी। इसके दो दिन बाद 19 नवंबर को निरस्ती आदेश की बजाय सरकार की और से संशोधन जारी किया गया। इसे लेकर किसान संघ गुस्सा गया और सीधे तौर पर निरस्ती आदेश जारी करने की मांग दो दिन में की। इस पर भी सरकार की और से कोई ध्यान नहीं दिया गया तो संघ की और से 7 दिन का समय देते हुए निरस्त आदेश जारी की मांग की गई थी। ऐसा न होने पर प्रदेश व्यापी आंदोलन की बात कही गई थी। 10 दिसंबर को 7 दिन पूर्ण होने के बावजूद भी सरकार टस से मस नहीं हुई । इस पर किसानों में बराबर आक्रोश की स्थिति बनी हुई थी। यह आक्रोश रविवार को आयोजित बैठक में साफ तौर पर सामने आया है।

इस बार घेरा-डालो में गाय-भैंस भी लाएंगे

प्रदेशाध्यक्ष कमलसिंह आंजना के अनुसार इस बार घेरा डालो-डेरा डालो में किसान परिवार सहित तो आएंगे ही साथ में ऐसे मवेशी गाय-भैंस भी लाएंगे जो आदतन किसान एवं उसकी पत्नी के हाथ से ही दूध दोहने पर दूध देते हैं। ये मवेशी भी वहीं रखे जाएंगे जहां घेरा डालो डेरा डालो होगा। अब मवेशी आएंगे तो चारा और गौबर जैसी स्थिति भी बनेगी ही। उनके अनुसार प्रांत के 18 जिलों के 115 तहसील से किसान प्रतिनिधि एवं किसान इस आंदोलन में आएंगे। घेरा डालो-डेरा डालो की रणनीति आगे विस्तृत होती जाएगी।

देशभर में अगले हफ्ते से कड़ाके की सर्दी

उत्तराखंड-हिमाचल में बर्फबारी का अलर्ट, बिहार में घना कोहरा 7 गाड़ियां आपस में टकराई

एजेंसी ▶▶ शिमला/पटना

अगले हफ्ते से देशभर में कड़ाके की सर्दी पड़ने के आसार हैं। इस सर्दी का पहला बड़ा पश्चिमी विक्षोभ 17 दिसंबर को हिमालयी राज्यों में पहुंचेगा। इसके असर से 18 से 20 दिसंबर के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में अच्छी बर्फबारी होने की संभावना है।

21 और 22 दिसंबर को पहाड़ों से बादल हटते ही तापमान तेजी से गिरेगा। तापमान सामान्य से 5 से 6 डिग्री तक नीचे जा सकता है। उत्तर से चलने वाली ठंडी हवाएं यूपी, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और मध्य भारत तक पहुंचेंगी। इससे मैदानी इलाकों में ठंड काफी बढ़ जाएगी।

इधर, राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते सर्दी का असर कम हो गया है। न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक बढ़ोतरी हुई है। मध्य प्रदेश में भी अगले 3 दिन तक शीतलहर का अलर्ट नहीं है। हालांकि, पारा लगातार लुढ़क रहा है। शहडोल का कल्याणपुर सबसे ठंडा है। यहां शनिवार रात पारा 4.7 डिग्री सेल्सियस रहा। उधर, हिमाचल प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होने से ठंड बढ़ गई है। आज पहाड़ों पर बर्फबारी का अनुमान है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ में बारिश-बर्फबारी की संभावना जताई है, जिससे पारा 2-3 डिग्री और गिर सकता है।

नितिन बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बने

बिहार सरकार में मंत्री हैं, नए अध्यक्ष के चुनाव तक कार्यभार संभालेंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। रविवार को भाजपा के पार्लियामेंट्री बोर्ड के इस फैसले की जानकारी राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह ने दी। 2024 लोकसभा चुनाव के बाद पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया था। तब से नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की तलाश की जा रही थी। नड्डा 2020 में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए गए थे। बतौर राष्ट्रीय अध्यक्ष उनका कार्यकाल जून 2024 को खत्म हो चुका है। तब से वे एक्सटेंशन पर थे।

पीएम मोदी ने भी नितिन नबीन को बधाई दी है। उन्होंने पोस्ट में लिखा- नितिन नबीन ने एक मेहनती कार्यकर्ता के रूप में अपनी अलग पहचान बनाई है। वे एक युवा और परिश्रमी नेता हैं, जिनके पास समृद्ध संगठनात्मक अनुभव है। बिहार में वे कई कार्यकालों तक विधायक और मंत्री के रूप में अपनी प्रभावशाली सेवाएं दे चुके हैं। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर उन्हें हार्दिक बधाई।

भाजपा अध्यक्ष बनने के 8 महिला-पुरुष दावेदार

शिवराज सिंह चौहानः शिवराज सिंह चौहान 6 बार लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। 4 बार मध्यप्रदेश के सीएम रहे। सीएम रहते हुए लाड़ली बहना योजना शुरू की, जो विधानसभा चुनाव में गेमचेंजर साबित हुई। ये योजना दूसरे राज्यों के लिए रोल मॉडल बन गई। 13 साल की उम्र में आरएसएस से जुड़े और इमरजेंसी के दौरान जेल भी गए। ओबीसी कैटेगरी से हैं। 2005 में मध्य प्रदेश बीजेपी के अध्यक्ष रहे हैं। आरएसएस की लिस्ट में शिवराज सबसे ऊपर हैं।

सुनील बंसलः सुनील बंसल के पास 2014 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी और फिर 2017 में प्रभारी की जिम्मेदारी रहते हुए पार्टी को कामयाबी दिलाई। इसके अलावा ओडिशा, बंगाल और तेलंगाना के प्रभारी के रूप में मिली कामयाबी भी बड़ा प्लस पॉइंट है। सुनील बंसल को यूपी में बीजेपी का चाणक्य तक कहा गया है। संघ से नजदीकी के साथ-साथ संगठन में भी अच्छी पकड़ है।

धर्मेन्द्र प्रधानः वर्तमान में केंद्रीय शिक्षा मंत्री और भाजपा के एक अनुभवी संगठनकर्ता हैं। ओडिशा से आते हैं, जहां बीजेपी अपनी पकड़ और भी ज्यादा मजबूत करना चाहती है। मोदी और शाह की टीम के भरोसेमंद सदस्य। 40 साल का राजनीतिक अनुभव, बड़े ओबीसी नेता हैं। 14 साल की उम्र में एबीवीपी से जुड़े और 2010 में बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव बने। संगठन में मजबूत पकड़, 2 बार लोकसभा और 2 बार राज्यसभा सदस्य बने।

रघुवर दासः रघुवर दास झारखंड के पहले गैर-आदिवासी मुख्यमंत्री रहे। उन्होंने झारखंड में 5 साल का स्थिर शासन दिया, जो राज्य में पहली बार हुआ। उनकी जमीनी कार्यकर्ताओं और भाजपा संगठन में मजबूत पकड़ है। ओबीसी समुदाय से आने के कारण भाजपा को सामाजिक समीकरण में नई बढ़त मिल सकती है। उनकी वजह से पूर्वोत्तर में भाजपा को विस्तार मिल सकता है।

वानति श्रीनिवासनः वर्तमान में भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। ऐसे में संगठनात्मक कार्यों में उनका अनुभव है। 1993 से भाजपा से जुड़ी हुई हैं। तमिलनाडु में कोयंबटूर दक्षिण सीट से कमल हासन जैसे बड़े नेता को हराया था। तमिलनाडु में भाजपा को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पति श्रीनिवासन विश्व हिंदू परिषद के प्रदेश मंत्री रह चुके हैं। ऐसे में परिवार संघ और बीजेपी के काफी करीबी हैं।

तमिलिसाई सौंदर्यराजनः 1999 से भाजपा से जुड़ी हुई हैं। राष्ट्रीय सचिव समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। तमिलनाडु में भाजपा की प्रदेश अध्यक्ष (2014-2019) रह चुकी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के करीबी नेताओं में गिनी जाती हैं। तमिलनाडु में भाजपा को विपक्ष में रहते हुए भी पार्टी के विस्तार में इनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

डी. पुरंदेश्वरीः पूर्व मुख्यमंत्री और टीडीपी संस्थापक एन.टी. रामाराव की बेटी हैं। उन्होंने पहले कांग्रेस में रहकर केंद्रीय मंत्री के रूप में काम किया, फिर बीजेपी में शामिल हुईं। फिलहाल आंध्र प्रदेश की भाजपा अध्यक्ष हैं। इनको राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने से पार्टी को तेलुगु राज्यों (आंध्र प्रदेश और तेलंगाना) के जनाधार में फायदा मिल सकता है।

ऑस्ट्रेलिया में समुद्र किनारे त्योहार मना रहे

यहूदियों पर फायरिंग में 10 लोगों की मौत

पुलिस ने हमलावर को मारी गोली, बॉन्डी बीच पर लाशें बिखरी दिखीं

एजेंसी ▶▶ सिडनी

ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर हनुक्का त्योहार मना रहे यहूदियों पर दो हमलवारों ने फायरिंग की इसमें 10 लोगों की मौत हो गई।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में रविवार दोपहर नॉर्थ बॉन्डी बीच पर बड़ी संख्या में लोग रेत पर दौड़ते हुए नजर आए। इसी दौरान तेज गोलियों की आवाजें भी सुनाई दीं। एक दूसरे वीडियो में काले कपड़े पहने दो युवक दिखाई दिए, जो सड़क पर खड़े होकर राइफल जैसे हथियारों से फायरिंग कर रहे थे। पुलिस ने हमलावर माने जा रहे एक शख्स को गोली मार दी, जबकि दूसरे हमलावर माने जा रहे व्यक्ति को पकड़ लिया गया। फिलहाल दोनों पुलिस की हिरासत में हैं।

इजराइली सेना का दावा

हमास के नंबर-2 चीफ राएद को मारा

गाजा में कार पर एयरस्ट्राइक की, नेतन्याहू बोले- इजराइली सैनिकों की मौत का बदला लिया

एजेंसी ▶▶ गाजा

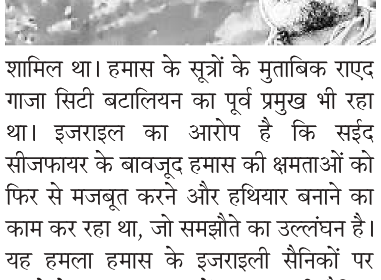

गाजा सिटी में इजराइली हमले में हमास के सेकेंड-इन-कमांड राएद सईद की मौत हो गई है। इजराइली सेना ने यह दावा किया कि उसने गाजा सिटी में एक कार को निशाना बनाकर यह हमला किया। हालांकि, हमास ने अब तक राएद सईद की मौत की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

राएद, हमास अल-कासिम ब्रिगेड का प्रमुख कमांडर था। अल जजीरा की रिपोर्ट्स के अनुसार इजराइली सेना ने कहा कि सईद हमास के हथियार बनाने वाले नेटवर्क का प्रमुख था और अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हुए हमलों की साजिश बनाने वालों में भी शामिल था। हमास के सूत्रों के मुताबिक राएद गाजा सिटी बटालियन का पूर्व प्रमुख भी रहा था। इजराइल का आरोप है कि सईद सीजफायर के बावजूद हमास की क्षमताओं को फिर से मजबूत करने और हथियार बनाने का काम कर रहा था, जो समझौते का उल्लंघन है। यह हमला हमास के इजराइली सैनिकों पर हमले के बाद हुआ। इसमें 2 इजराइली सैनिक घायल हो गए थे। इसके बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने सईद को निशाना बनाने का आदेश दिया था। अब नेतन्याहू ने कहा कि उन्होंने सैनिकों की मौत का बदला ले लिया।

48 छात्रों से भरी स्कूल बस नदी में गिरी

दैनिक अवन्तिका ▶▶ विदिशा

मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के नटेरन थाना क्षेत्र अंतर्गत जोहद गांव में रविवार की सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। बंगला चौराहा स्थित एक निजी स्कूल की बस, जिसमें करीब 48 छात्र सवार थे, सगड़ नदी पुल पार करते समय अनियंत्रित होकर पुल से नीचे जा गिरी। बस नीचे पत्थरों पर गिरी, जिससे लगभग 28 छात्र घायल हो गए। इनमें कुछ छात्रों को मामूली चोटें आईं, जबकि कुछ गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए राजीव गांधी शासकीय जन चिकित्सालय, गंजबासौदा लाया गया।

रविवार का महाकाल श्रृंगार

जानकारी एक तरफा, 3 सी का पालन नहीं

वर्तमान तंत्र की व्यवस्था एक तरफा ही संचालित हो रही है। न तो इनका जन से सीधा संपर्क हो रहा है और न ही जन से उन्हें जुडना आ रहा है। जन के प्रतिनिधियों को साधने की कला में माहिर तंत्र अपने तईं एक तरफा सब कुछ चला रहा है। इससे विकृतियों की स्थिति सामने आ रही है। चौथा स्तंभ ऐसे मामलों में जन की बात रखता है तो उसे तंत्र फिर अपने तरीके से एक तरफा अपने लिए स्थापित साधन का उपयोग करते हुए झुठलाने के काम में लग जाता है। जब तक जन की बात को झुठला नहीं लेता है तब तक उसे चैन नहीं आता है। हाल यह है कि तंत्र में जन के साथ ही नही चौथा स्तंभ के पंजीबद्धों के साथ भी थ्री सी के पालन की व्यवस्था नहीं है। तंत्र का पीआर ऐसा है कि उसे एक तरफा ही कहा जाएगा। अपने मायने की बात को वायरल करवाने में वह कोई कसर नहीं छोड रहा और जन के मायने की बात को सामने आने से ही रोक रहा है। जन का छोटा सा मामला भी हो या चाहे छोटी सी समस्या भी हो तो आवेदन पर नहीं ज्ञापन पर ही सुनवाई होने लगी है।संवाद,संपर्क,समन्वय के तंत्र के आधारों को ताक पर रखकर ही काम किया जा रहा है। चौथा स्तंभ में जन को प्राथमिकता देने वाले दोयम दर्जे पर हैं और तंत्र के किस्सों को कहानी बनाने वाले जन से पहले प्राथमिकता पर हैं। ऐसा एक स्थान पर ही नहीं संभाग के अधिकांश जिलों में हो रहा है। तंत्र को हाथ में लेकर सीधे तौर पर अपनी ही चलाई जा रही है।खुसूर-फुसूर है कि जन-तंत्र में जन धीरे झधीरे गौण होता जा रहा है और तंत्र उस पर हावी होता जा रहा है। तंत्र को जन के अनुसार काम करना होता है लेकिन यहां तंत्र के अनुसार जन को विचार एवं कार्य व्यवहार बनाने पर मजबूर होना पड रहा है।

53 किलो भार वर्ग में मप्र को दिलाया कांस्य पदक

उज्जैन। राष्ट्रीय शालेय कुश्ती प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश बनारस में अवंतिका रेसलिंग सेंटर उज्जैन की महिला पहलवान यशस्वी भाटी ने 53 किलो वर्ग में कांस्य पदक मध्यप्रदेश को दिलाया। इस उपलब्धि पर मध्यप्रदेश कुश्ती संघ के ने बधाई दी।

गायों को चारा खिला कर रक्षा का संकल्प लिया

उज्जैन। वर्ल्ड हिंदू फेडरेशन इंडिया ने रिंग रोड स्थित तिलकेश्वर गोशाला में गो सेवा की। मप्र की डॉ. मोहन यादव सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर किए आयोजन के अतिथि समाजसेवी नारायण यादव और निशान यादव थे। संगठन के प्रदेश महामंत्री रोहित मित्तल ने बताया कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने गायों को चारा खिला कर उनकी रक्षा और सेवा का संकल्प लिया।

प्रशासन की बदइंतजामी के चलते आमजन हो रहे परेशान

चक्रतीर्थ पर पर्याप्त इंतजाम नहीं, गीली लकडी बन रही मुसीबत

पं राहुल शुक्ल ▸▸ उज्जैन

ऐसी धार्मिक मान्यता है कि मरने के बाद चिरशांति की पुरसुकून नींद प्राप्त हो जाती है किन्तु शहर के श्मशानघाट चक्रतीर्थ की कहानी कुछ और ही बयां कर रही है। गीली लकडी की चिता पर लेटा मृतशरीर आसानी से पंचतत्व मे लीन नहीं हो पा रहा है जो एक गंभीर समस्या है।

तीर्थनगरी मे चक्रतीर्थ की अनदेखी

मोक्षदायिनी नगरी मे शुमार उज्जैन सनातन धर्म का पवित्र स्थल है । सिंहस्थ मेले के कारण यहां विकास का चक्र भी चलता रहता है किन्तु ऐसा नजर आ रहा है कि विकास ,मेला क्षेत्र और उसके पहुंच मार्गो तक ही सिमट के रह जाता है और जीवन के अंतिम पड़ाव स्थल की अनदेखी हो रही है।

लकडी का स्टाक रिजर्व रखा जाए

ऐसा नहीं है कि वर्षा व मावठे का अनुमान नहीं होता। हर वर्ष ही तीन मास वषार्काल होता है और फिर विगत कुछ वर्षो से मावठा भी गिर रहा है ऐसे मे सूखी लकडी का स्टाक रिजर्व करके क्यों नहीं रखा जाता है। प्रथमदृष्टया ये जिम्मेदारी चक्रतीर्थ ट्रस्ट की है और यदि कोई लापरवाही होती है तो जवाबदेह भी ट्रस्टी को ही माना जाना तय है।

मूलभूत समस्या बरकरार

नगरनिगम द्वारा चक्रतीर्थ पर भी विकास कार्य तो हुए पर वे सभी निर्माण व रखरखाव के रहे और जो मूलभूत समस्या है वो यथावत बनी हुई है यानी शव को जलाने के लिए अच्छी सूखी लकडी व कण्डों का अभाव। काफी समय से चक्रतीर्थ पर मृत व्यक्ति के परिजन इस गंभीर समस्या से जूझ रहे हैं। न तो सूखी लकडी मिल पा रही है और न ही अच्छी झाल पकडने वाले कण्डे ही उपलब्ध हो रहे हैं। परिणामस्वरूप मृत शरीर को पंचतत्व मे विलिन करने के लिए काफी जद्दोजहद करना पडती है। चिता को सही ढंग से प्रज्जवलित करने हेतु परिजनों को ढेर सारी राल व कपूर आसपास से झौंकना पडते हैं।

बकायदा तीन- चार सदस्य

चक्रतीर्थ पर लकडी व कंडे की व्यवस्था हेतु बकायदा एक ट्रस्ट है जिसमे तीन चार पदाधिकारी हैं किन्तु सूखी लकडी उपलब्ध न होने की स्थिति मे जवाबदेही किसकी बनती है ये यक्ष प्रश्न बना हुआ है। ट्रस्ट के पदाधिकारी सूखी लकडी का स्टाक रिजर्व मे क्यों नही रखते?

दो तरह की लकडी व दोहरा मापदंड

बहुत समय से दैनिक अवंतिका को शिकायत मिल रही है कि चक्रतीर्थ पर दो तरह की लकडी , गीली व सूखी रहती है। यदि वहां मौजूद पेशेवर लकडी जमानेवालो की सेवा चिता को सजाने हेतु ली जाती है तो वे सूखी लकडी से चिता सजाते हैं पर यदि इन पेशेवर लकडी जमानेवालो की सेवा न ली जाए तो गीली लकडी दी जाती है। गौरतलब है कि ये पेशेवर कारींदे लकडी जमाने के पैसे मृतक के परिजनो से लेते हैं।

मावठे के कारण गीली लकडी

ढोस धरातल पर लकडी व कंडे की व्यवस्था करना एक कठिन काम है। वैसे तो लकडी का स्टाक रखा जाता है जिससे लकडी सूख जाती है और कोई परेशानी नहीं होती किन्तु इस साल दिपावली के आसपास जो मावढा गिरा उससे लकडी पानी से गीली हो गई और सूखी लकडी का एक सीमित स्टाक ही था इससे दिक्कत पैदा हुई जो जल्दी ही सुधार ली जाएगी।

-अशोक प्रजापत, ट्रस्टी चक्रतीर्थ

ग्राम पंचायतों से लकडी ली जाए

उज्जैन जिले मे बहुत से गांव हैं और ग्रामीण क्षेत्रों मे बबूल और अन्य वृक्षो की बहुतायत है । ऐसे मे ट्रस्ट को गांव की पंचायतो से संपर्क करके सूखी लकडी का बंदोबस्त कर स्टोर रखना चाहिए । कण्डे के लिए बडी गोशाला से अनुबन्ध करना चाहिए।

-पं मनोज शर्मा , समाजसेवी

उज्जैन आरपीएफ की मदद से महिला को सुरक्षित मिले बैग

यात्री से ट्रेन में छूटे 8.25 लाख के आभूषण, ट्रेन चार्ट देखकर पता किया यात्री का नाम

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सतर्कता से एक महिला यात्री को बड़ी राहत मिली। चेन्नई से जयपुर एक्सप्रेस में सफर कर रही महिला के दो ट्रॉली बैग, जिनमें करीब 8.25 लाख रुपए के आभूषण और कीमती सामान था, सुरक्षित लौटा दिए गए।

रेलवे पुलिस के मुताबिक अर्चना जॉर्ज नाम की यात्री ट्रेन नंबर 12975 चेन्नई से जयपुर एक्सप्रेस में यात्रा कर रही थीं। उन्हें नागपुर में एक शादी समारोह में शामिल होना था। सफर के दौरान उन्होंने अपने दो ट्रॉली बैग ए-1 और ए-2 कोच में रखे थे।

नागपुर स्टेशन पर जल्दबाजी में उतरते वक्त अर्चना अपने बैग ट्रेन में ही भूल गईं। इसी दौरान ट्रेन में गश्त कर रहे आरपीएफ के एसआई शिवसिंह बघेल और कॉन्स्टेबल प्रदीप कुमार की नजर लावारिस पड़े बैगों पर पड़ी। दोनों ने तुरंत बैग को सुरक्षित कर उनके मालिक की तलाश शुरू की।

ट्रेन चार्ट देखकर पता चला कि संबंधित सीट पर अर्चना जॉर्ज बैठी थीं। इसके बाद उनसे फोन पर संपर्क किया गया। अर्चना ने अपने बैग होने की पुष्टि की और राहत की सांस ली।

इसके बाद अर्चना ने इंदौर में रहने वाली अपनी परिजन अर्पणा साहू को बैग लेने के लिए उज्जैन भेजा। जरूरी जांच और पहचान के बाद फ्ढक्र ने दोनों ट्रॉली बैग उन्हें सौंप दिए।

बैग में सोने की दो चेन, सात ईयर रिंग, एक नीलम की अंगूठी, एक चांदी की अंगूठी, दो मोतियों की माला, महंगी साड़ियां और उपहार सहित करीब 8.25 लाख रुपए का कीमती सामान रखा था। आरपीएफ की इस ईमानदारी और तत्परता की यात्रियों ने जमकर सराहना की।

महाकाल मंदिर में 25 से लागू होगी नए साल की दर्शन व्यवस्था

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में 25 दिसंबर से नए साल की दर्शन व्यवस्था लागू हो जाएगी, जो पांच जनवरी तक यथावत रहेगी। इस दौरान सामान्य दर्शनार्थियों को त्रिवेणी संग्रहालय से महाकाल महालोक के रास्ते मंदिर में प्रवेश दिया जाएगा। भस्म आरती के दर्शन चलायमान व्यवस्था से होंगे। मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक के अनुसार, पिछले वर्ष भी इस अवधि में भक्तों की संख्या सर्वाधिक रही है।

इसलिए इस बार 25 दिसंबर से पांच जनवरी तक सामान्य दर्शनार्थियों को त्रिवेणी संग्रहालय द्वार से श्री महाकाल महालोक, मानसरोवर फैसिलिटी सेंटर, महाकाल टनल के रास्ते कार्तिकेय व गणेश मंडपम से भगवान महाकाल के दर्शन कराने का निर्णय लिया गया है। महाकाल दर्शन के बाद वह टनल के निर्गम मार्ग से बड़ा गणेश मंदिर की ओर बाहर निकलेंगे।

पुलिस में उप निरीक्षक सूबेदार और आरक्षक के पद पर

चयन की तैयारी कर रहे युवाओं का अगले वर्ष नियुक्ति होने का खत्म होगा इंतजार...

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन। पूरे प्रदेश के साथ ही उज्जैन जिले में भी पुलिस में उप निरीक्षक या सब इंस्पेक्टर (एसआई), सूबेदार और आरक्षक के पद पर चयन की तैयारी कर रहे युवाओं में से चयनित प्रत्याशियों को अगले साल नियुक्ति दी जाएगी।

इसके लिए तैयारियां शुरू हो गई हैं। गौरतलब है कि पुलिस 2025 में की जाने वाली 7500 आरक्षकों, 500 सब इंस्पेक्टरों और 500 लिपिकीय संवर्ग के पदों की परीक्षा और उनके परिणामों का इंतजार कर रही है। मप्र कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) इन पदों पर लिखित परीक्षाएं आयोजित कर रही है। परिणाम और अन्य प्रक्रियाएं अगले साल मार्च तक आने की संभावना है। अधिकारियों का मानना है कि जैसे ही वर्तमान भर्ती का परिणाम घोषित होता है उसके तुरंत बाद अप्रैल में नई भर्ती (8000 पदों पर) की अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। जानकारी के अनुसार, पुलिस मुख्यालय की चयन एवं भर्ती शाखा साल 2026 में होने वाली 7500 आरक्षकों और 500 सब इंस्पेक्टर की नियुक्ति की तैयारी में जुट गई है। शाखा मे इन दिनों अगले साल के लिए रोस्टर तय करने का काम जारी है।

पुलिस महकमे में फिलहाल 1 लाख 6 हजार पुलिस कर्मी कार्यरत हैं। आवश्यकता के हिसाब से देखा जाए तो अब भी 30 हजार से अधिक पद रिक्त हैं। पिछले दिनों प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इन सभी पदों को अगले तीन साल के भीतर भरने की घोषणा की थी। ऐसे में अब प्रदेश सरकार की मंजूरी मिलने के बाद पीएचक्यू ने तय कर लिया है कि खाली पदों में से 25500 पद सीधी भर्ती जबकि शेष पद 4500 पद नियमानुसार प्रमोशन से भरे जाएंगे। साल 2026 की सीधी भर्ती के 8000 पदों के लिए आरक्षण का रोस्टर तैयार किया गया है। इनमें से ओबीसी के 13 प्रतिशत पद (लगभग 1000) रिजर्व रखे जाएंगे और कोर्ट के आदेश के बंधनकारी होंगे। फिलहाल एमपी सरकार द्वारा ओबीसी को 14 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है जबकि शासन की तरफ से इसे बढ़ाकर 27 फीसदी करने की याचिका अदालत में विचाराधीन है। ऐसे में इन 1000 पदों का फैसला कोर्ट के दिशा निर्देश आने के बाद होगा।

कलेक्टर का सिंहस्थ के कामों में गुणवत्ता व डेडलाइन पर जोर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ 2028 की तैयारियों से जुड़े सभी कार्य गुणवत्तापूर्वक व डेडलाइन में पूरे किए जाएं। यह निर्देश कलेक्टर रोशनकुमार सिंह ने दिए। वे शनिवार को मेला कार्यालय में निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक ले रहे थे। मुख्य रूप से उन्होंने स्मार्ट सिटी के तहत महाकाल मंदिर से 24 खंभा मार्ग, विक्रम कीर्ति मंदिर, नृसिंह घाट से रामघाट तिराहा मार्ग, वीर भारत संग्रहालय, नगर पालिका निगम के अंतर्गत जंतर-मंतर मार्ग, मकोड़िया आम से कानीपुरा मार्ग, रीगल टॉकीज रिनोवेशन, देवास रोड से हामूखेड़ी मार्ग, यूडीए के यूनिटी मॉल, भक्त निवास, भैरवगढ़ चौराहा से पीपलीनाका मार्ग निर्माण और जूना सोमवारिया से पीपलीनाका मार्ग निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रेयांस कुमट, नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा आदि मौजूद रहे।

आज से धनुर्मास शुरू, नहीं होंगे शुभ कार्य, ग्रह-नक्षत्र भी बदलेंगे राशि

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सूर्य 15 दिसंबर को सुबह 7:20 बजे वृश्चिक राशि छोड़कर धनु राशि में प्रवेश करेगा। इसके साथ ही धनुर्मास का आरंभ हो जाएगा, जो अगले एक महीने तक चलेगा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सूर्य की धनु संक्रांति विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है और इस अवधि में सभी प्रकार के शुभ कार्य वर्जित रहेंगे।

धनु राशि के स्वामी बृहस्पति हैं और सूर्य का बृहस्पति से सम संबंध माना जाता है। सूर्य के धनु राशि में गोचर के दौरान गृह वास्तु, गृह प्रवेश, विवाह, मुंडन और यज्ञोपवित जैसे संस्कार नहीं किए जाते हैं।

ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला के अनुसार, 12 मास में होने वाली संक्रांति में धनु संक्रांति मानव जीवन को रोग, दोष और ताप से मुक्त करने के लिए साधना, उपासना और नियमन का संदेश देती है। सूर्यनारायण की आराधना से पराक्रम और प्रतिष्ठा में वृद्धि होती है, साथ ही पूर्व के ज्ञात-अज्ञात दोषों से निवृत्ति मिलती है।

कई ग्रहों और नक्षत्रों का राशि परिवर्तन भी होगा

इस कालखंड में अधिक से अधिक धर्म और आध्यात्म की ओर बढ़ना चाहिए। अग्नि पुराण भी सूर्य की उपासना और सूर्य की उत्पत्ति के संबंध में विशेषता को प्रकट करती है।

धनु संक्रांति के इस कालखंड में कई ग्रहों और नक्षत्रों का राशि परिवर्तन भी होगा। 19 दिसंबर को बुध ग्रह ज्येष्ठा नक्षत्र में प्रवेश करेगा, जबकि 20 दिसंबर को शुक्र मूल नक्षत्र में धनु राशि में आएगा।

इसके बाद, 25 दिसंबर को मंगल पूवार्षाढ़ा नक्षत्र में प्रवेश करेगा। 28 दिसंबर को सूर्य का पूवार्षाढ़ा में प्रवेश होगा और इसी दिन बुध ग्रह अस्त भी होगा। 4 जनवरी को वक्री गुरु पुनर्वसु के दूसरे चरण में आएंगे और 11 जनवरी को सूर्य उत्तराषाढ़ा नक्षत्र में प्रवेश करेगा।

धनुर्मास के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए एक माह तक धर्म उपासना करनी चाहिए और सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए। रविवार को बिना नमक का उपवास रखने से पुत्र-पौत्र की वृद्धि होती है और संतान को दीघार्यु प्राप्त होती है।

शिप्रा को अशुद्ध बताने पर पुजारी महासंघ नाराज, कहा- मां शिप्रा राजनीति चमकाने का हथियार नहीं

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

अपनी राजनीति चमकाने और सरकार पर दबाव डालने के लिए कोई भी मां शिप्रा के जल को अशुद्ध और अपवित्र बताता है, लेकिन ऐसे लोग यह नहीं जानते कि इससे मां शिप्रा में आस्था रखने वाले करोड़ों धर्मावलंबियों की आस्था को आखिर किस प्रकार ठेस पहुंचती है। पुजारी महासंघ ने इसी भ्रांति को दूर करने के लिए आज रामघाट मां शिप्रा के तट पर न सिर्फ मां शिप्रा का पूजन अर्चन किया, बल्कि इस जल का आचमन कर यह संदेश भी दिया कि मां शिप्रा का जल पवित्र है। इसका आचमन करने से मन के विकार व स्नान करने से दूषित पुंज दूर होते हैं। जिसका उल्लेख शास्त्रों में भी है। यह बात पुजारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मीडिया से कही।

शिप्रा तट पर पुजारी महासंघ द्वारा रविवार सुबह पूजा अर्चना किए जाने के साथ ही यह संदेश दिया गया कि हमारे सभी तीर्थ पावन और पवित्र हैं। कुछ लोग पवित्र स्थलों को बदनाम करने का काम कर रहे हैं और वह क्षिप्रा, प्रयाग, हरिद्वार की गंगा, नासिक की गोदावरी नदी की शुद्धता और पवित्रता पर प्रश्न चिन्ह लगाते हैं। जो अशोभनीय है और सनातन धर्म की पवित्र नदियों का अपमान हैं। यह अपमान सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि सिंहस्थ के दौरान शिप्रा के 29 किलोमीटर के क्षेत्र में घाटों का पक्का निर्माण किया जा रहा है। सिंहस्थ में सभी अखाड़ों को अलग-अलग घाटों पर स्नान करवाना चाहिए जिससे कि इस उत्सव की भव्यता और दिव्यता बढ़ जाए।

पहले किया पूजन फिर किया घाटों का निरीक्षण

सनातन धर्मावलंबियों को क्षिप्रा नदी के पौराणिक महत्व और पवित्रता को बताने के लिए अखिल भारतीय पुजारी महासंघ द्वारा आज सुबह मां क्षिप्रा का दुग्धधारा से भव्य अभिषेक पूजन किया गया। इस पूजन पश्चात क्षिप्रा के पवित्र जल का आचमन किया गया। पूजा महाआरती के पश्चात कर्कराज घाट, भूखी माता घाट, गुरुद्वारा घाट, दत्त अखाड़ा घाट के बाद चक्रतीर्थ तक भ्रमण किया गया। पुजारी महासंघ ने घाटों का निरीक्षण कर ऐसे अव्यवस्थाओ को निकाला जिसे सरकार को अवगत करवाया जाएगा। जिस पर ध्यान देने से सिंहस्थ में भक्तो को सुविधा प्राप्त हो सकेगी।

13 अखाड़ों का अलग-अलग 13 स्थानों पर हो स्नान

पुजारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बताया कि सिंहस्थ में ऐसी कार्ययोजना बनाई जाए जिससे सरकार की मंशा अनुरूप सिंहस्थ दिव्य और भव्य रूप से निर्विघ्न संपन्न हो सके। इन दिनों मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 29 किलोमीटर के जो घाट स्थापित किए जा रहे हैं, वहां सिंहस्थ महापर्व को देखते हुए सभी 13 अखाड़ों को अलग-अलग 13 स्थानों पर स्नान की व्यवस्था हो, जैसे शैव दल के अखाड़ों को दत्त अखाड़ा क्षेत्र से लेकर त्रिवेणी तक के घाटों पर और रामादल दल के अखाड़ों को मंगलनाथ क्षेत्र के घाटों पर स्नान की व्यवस्था की जाए, जिससे भीड़ नियंत्रण में सरकार को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होगी, रामघाट पर केवल शंकराचार्य जी के स्नान की व्यवस्था की जाए।

वैभव से नहीं श्रद्धा के साथ हो शाही स्नान

सिंहस्थ महापर्व के दौरान साधु संत शाही स्नान करते हैं, लेकिन उस समय वह अपने वैभव का प्रदर्शन जोर शोर से करते हैं। शाही स्नान का अर्थ अपने श्रद्धा भाव और लक्ष्य के साथ इस प्रकार से स्नान करना कि सनातन धर्म को इससे कोई संदेश मिल सके लेकिन इस प्रकार के वैभव को दिखाने से सनातन व्यवस्था को कुठाराघात पहुंचता है। साधु संतों से यही निवेदन है कि वह शांति के साथ स्नान करें।

आपकी खबरें ...

केन्द्रीय जेल उज्जैन में नेत्रों की जांच एवं चश्में वितरित

उज्जैन। केन्द्रीय जेल अधीक्षक श्री मनोज कुमार साहू द्वारा बताया गया कि गत दिवस संस्था सर्व धर्म कौमी एकता समिति द्वारा जाँच एवं परीक्षण में चिकित्सक परामर्श अनुसार परिरूद्ध / निरूद्ध बंदियों को नम्बर के चश्में वितरण किये गए। संस्था द्वारा 14 पुरूष 01 महिला कुल 15 बंदियों को निःशुल्क नम्बर के चश्में वितरित किये गए। समिति अध्यक्ष श्री फहीम सिकन्दर द्वारा जेल अधीक्षक श्री मनोज कुमार साहू का साफा बांधकर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया एवं जेल प्रशासन द्वारा चलाई जा रही सुधारात्मक गतिविधियों की प्रशंसा व्यक्त कर भविष्य में जरूरतमंद बंदियों के लिए सदैव निःशुल्क चश्में प्रदाय करने की बात कही।

जिले में उर्वरक पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है-कृषि विभाग

उज्जैन। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जानकारी दी कि उज्जैन जिले में विगत 01 अक्टूबर से आज दिनांक तक 1,20,587 मै.टन खाद का वितरण हो चुका है। इसमें यूरिया 57,339 मै.टन, डीएपी 12,917 मै.टन और एनपीके 18,739 मैं.टन, एसएसपी 29,550 मै.टन और एमओपी 2,042 मै.टन है।

वर्तमान में जिले में यूरिया की सहकारी केंद्रों पर उपलब्धता 4178 मै.टन और निजी उर्वरक विक्रेता केद्रों पर उपलब्धता 770 मै.टन है। इसी प्रकार डीएपी की सहकारी केद्रों पर उपलब्धता 1,338 मै.टन और निजी उर्वरक विक्रेता केद्रों पर उपलब्धता 280 मै.टन है। एनपीके की सहकारी केद्रों पर उपलब्धता 2,384 मै.टन और निजी उर्वरक विक्रेता केद्रों पर उपलब्धता 2,140 मै.टन है। एसएसपी की सहकारी केद्रों पर उपलब्धता 3,608 मै.टन और निजी उर्वरक विक्रेता केद्रों पर उपलब्धता 7,314 मै.टन है।

बैरवा दिवस को लेकर बैरवा समाज की बैठक

उज्जैन। बैरवा समाज द्वारा 31 दिसंबर को बैरवा दिवस पर निकाली जाने वाली वाहन रैली और सामाजिक कार्यक्रम को लेकर बैरवा समाज उज्जैन की आवश्यक बैठक रविवार को हुई।

श्री संत बालीनाथ मंदिर, बागपुरा पर लवका जोन अध्यक्ष सुरेंद्र मेहर के अनुसार बैठक में समाज के अखाड़ों के उस्ताद, खलीफाओं सहित समाज के वरिष्ठजन के मार्गदर्शन में बैरवा दिवस के कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई और तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए कि पृथक-पृथक जिम्मेदारियां समाजजनों को दी गई।

अभिरंग नाट्य गृह में संगीत संध्या का मंचन

उज्जैन। कालिदास अकादमी के अभिरंग नाट्य गृह में रविवार शाम 7 बजे सारेगामा समूह की ओर से संगीत संध्या का आयोजन किया ।

ग्रुप निर्देशक ने बताया संगीत संध्या में बतौर मुख्य अतिथि डॉ. सतविंदर कौर सलूजा और विशेष सहयोगी आशु नागर उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर गायक विनय, अशोक, भारती, प्रशांत, शेफाली, सपना, पुनीत, जयेश, कपिल, संजय नामजोशी, राजेश आदि सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी गई।

पदाधिकारी पता कर रहे कि क्या दस्तावेज गायब हुए

उज्जैन। दीनदयाल परस्पर सहकारी शाख संस्था मर्यादित के पदाधिकारी यह पता लगाने में जुटे हुए हैं कि उनके कार्यालय से क्या-क्या रिकॉर्ड गायब हुआ है। इसकी सूची बनाने के बाद वे पुलिस को सौपेंगे।

दरअसल शहीद पार्क स्थित पेढ़ी के 30 साल पुराने कार्यालय के ताले टूटने और रिकॉर्ड गायब होने की घटना हुई है। मामले में पेढ़ी के प्रबंधक माधवनगर थाने में शिकायती आवेदन दे रखा है। घटना का पता तब चला था, जब 9 दिसंबर 25 की शाम करीब पांच बजे संस्था का कर्मचारी सचिन बैस रिकॉर्ड लेने कार्यालय पहुंचा था। माधवनगर थाने के टीआई राकेश भारती घटना को लेकर स्पष्ट कर चुके हैं कि यह पूरा मामला कब्जे के विवाद से जुड़ा है। दो पक्ष है, दोनों ही उक्त कार्यालय पर अपना कब्जा रखना चाहते हैं। रिकॉर्ड भी गायब हुआ तो उसकी जांच जारी है।

हर शनिवार लटक रहा संदेश,उपभोक्ता परेशान, बैंक सेवा की उपभोक्ताओं को मानसिक प्रताडना

एटीएम मशीन बंद है ...असुविधा के लिए खेद है!

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

बैंक की हाईटेक सेवा से उपभोंक्ताओं को अब मानसिक प्रताडना के दौर से गुजरना पड रहा है। खासकर उन उपभोक्ताओं को यह प्रताडना मिल रही है जो मोबाईल फोन से लेन-देन न करते हुए एटीएम से लेन देन करते हैं। हर शनिवार को प्रमुख सरकारी बैंक की एटीएम मशीनों एवं केंद्रों पर लटके संदेश को लेकर उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं। उनकी परेशानी को कोई देखने सूनने वाला नहीं है।

प्रमुख सरकारी बैंक के हाल भी सरकारी कामकाज के होते जा रहे हैं। उपभोक्ताओं को दी जाने वाली सभी सेवाओं का शुल्क लेने के बाद भी सेवाओं में त्रुटि आम बात हो गई है। हाल यह हैं कि पिछले तीन शनिवार से शहर की अधिकांश स्थानों की एटीएम मशीनों के उपर मशीन बंद है,असुविधा के लिए खेद है की सूचना लगाकर बैंक वाले अपने कर्म की इतिश्री कर रहे हैं। इसके बाद आम उम्रदराज उपभोक्ताओं को पैसों की जरूरत होने पर भटकना पड रहा है और यहां तक की खाते में पैसा होने के बाद भी उन्हें उधारी के लिए हाथ फैलाना पड रहा है।उपभोक्ताओं का कहना है कि 13/12, 18:26] रइक की हर ब्रांच में शनिवार को ऐसा ही बोर्ड लगा देते हैं। आम जनता को कितनी परेशानी होती है, यह वही जानती है। माधवनगर, मण्डी, फ्रीगंज, बुधवारिया, देवासरोड तक एक जैसे हाल रहते हैं। भटक-भटक कर उपभोक्ता परेशान होता रहता है और संदेश की तख्ती देखकर लौट जाता है। ऐसे हालात में लोग आते हैं, बोर्ड देखकर बैंक वालों को दो चार आशीर्वाद वचन देकर चले जाते हैं।

एक नहीं अनेक काउंटर एक संदेश

उपभोक्ता राकेश सिंह के अनुसार वे पिछले तीन सप्ताह से इस समस्या से परेशान हैं। प्रति शनिवार को एक दो नहीं बैंक के अलग-अलग एटीएम पर एक जैसा ही संदेश मिलता है। इससे यह सवाल खडा हो रहा है कि यह समस्या एक मशीन की है या फिर बैंक की ही समस्या है।

आनलाईन पैसा निकलवाने पर लग रहा चार्ज

उम्रदराज ऐसे उपभोक्ता जो मोबाईल से लेनदेन नहीं करते हैं उनको ऐसी स्थिति में बेवजह ही पैसा खर्च कर नकदी हासिल करना पड रहा है। इसके लिए उन्हें आनलाईन वालों के यहां जाकर अपना पैसा निकलवाने के लिए 20-40 रूपए खर्च करने पड रहे हैं।

बैंक का संदेश कुछ, वसूली भी

एटीएम खराब की सूचना लगाने वाला बैंक दुसरे बैंक के एटीएम से पैसा निकालने पर मोबाईल पर तत्काल ही एक संदेश देता है कि आप अपनी ही बैंक के एटीएम का उपयोग करें। संदेश का पैसा भी बराबर काटा जा रहा है। 4 बार से अधिक एटीएम उपयोग के बाद बैंक पैसा काट रहा है। उसके बाद भी उसकी सेवाओं में कमी के हाल सार्वजनिक हैं।

पुलिस को देख भागने लगा, घेराबंदी के बाद पकड़ाया

पिस्टल लेकर गर्ल्स हॉस्टल के पास खड़ा था बदमाश

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

पिस्टल लेकर गर्ल्स हॉस्टल के पास खड़े बदमाश की खबर मिलते ही पुलिस घेराबंदी की। बदमाश ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पकड़ा गया। उसके पास से पिस्टल बरामद की गई है। बदमाश अपराधिक प्रवति का है। जिसके खिलाफ पूर्व में भी अपराध दर्ज होना सामने आए हैं।

माधवनगर थाना एएसआई लक्ष्मीकांत गौतम ने बताया कि शनिवार रविवार रात 11.50 बजे के लगभग खबर मिली कि दशहरा मैदान के पीछे गर्ल्स हॉस्टल के पास बदमाश सफेद शर्ट एवं नीली जींस पहने पिस्टल लेकर घूम रहा है वह किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। तत्काल आरक्षक अविनाश और देवराज के साथ गर्ल्स हॉस्टल के पास दबिश दी गई। बदमाश ने भागने का प्रयास किया जिसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। उसके पास से पिस्टल बरामद की गई, जिसका ट्रिगर और फायर पिन चालू अवस्था में थे। बदमाश को थाने लाया गया जहां पूछताछ में नाम यश उर्फ दक्ष पिता चन्द्रशेखर मरमट 21 वर्ष निवासी जाल कम्पाउण्ड, मक्सी रोड होना सामने आया। एएसआई गौतम के अनुसार बदमाशी का पूर्व में आपराधिक प्रकरण दर्ज होना सामने आए हैं। पिस्टल मिलने पर आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया है। बदमाश से इस बात का पता लगाया जा रहा है कि वह पिस्टल कहां से लेकर आया है और गर्ल्स हॉस्टल के पास किस मकसद के साथ खड़ा था। संभावना है कि अवैध हथियार के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ सकती है।

बाबा महाकाल के दरबार पहुंचीं धुरंधर की अभिनेत्री सारा अर्जुन

पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने परिवार सहित लिया आशीर्वाद

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार शाम अभिनेत्री सारा अर्जुन, अभिनेता राज अर्जुन, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा और कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने सपरिवार बाबा महाकाल के दर्शन और संध्या आरती में सहभागिता कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

उज्जैन का विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार शाम धार्मिक आस्था और श्रद्धा का विशेष दृश्य देखने को मिला, जब फिल्म अभिनेता राज अर्जुन और अभिनेत्री सारा अर्जुन ने ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसी अवसर पर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा और उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने भी सपरिवार बाबा महाकाल की संध्या कालीन आरती में सहभागिता की।

श्री महाकालेश्वर मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि संध्या कालीन आरती के दौरान उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा और कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने अपने परिवार के साथ ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन लाभ लिए। उनके साथ फिल्म अभिनेता राज अर्जुन और अभिनेत्री सारा अर्जुन भी मंदिर पहुंचे और बाबा महाकाल की पूजा-अर्चना की।

दर्शन के दौरान श्री महाकालेश्वर मंदिर समिति की ओर से विजय बहुगुणा, सौरभ बहुगुणा और अभिनेत्री सारा अर्जुन का स्वागत एवं सत्कार किया गया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की मौजूदगी के बीच सभी अतिथियों ने विधिवत दर्शन कर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त की।

मेला अधिकारी सिंह और कलेक्टर ने ली सिंहस्थ निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने शनिवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभाकक्ष में आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 के अंतर्गत विभिन्न विभागों द्वारा करवाए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट, नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में स्मार्ट सिटी के अंतर्गत महाकाल मंदिर से 24 खंबा मार्ग, विक्रम कीर्ति मंदिर, नरसिंह घाट से राम घाट तिराहा मार्ग, वीर भारत संग्रहालय, नगर पालिका निगम के अंतर्गत जंतर-मंतर मार्ग, मकोड़िया आम से कानीपुरा मार्ग, रीगल टाकीज रेनोवेशन, देवास रोड से हामुखेड़ी मार्ग, उज्जैन विकास प्राधिकरण के अंतर्गत यूनिटी माल, भक्त निवास, भेरूगढ़ चौराहे से पीपली नाका मार्ग निर्माण, जूना सोमवारिया से पीपली नाका मार्ग निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर ध्यान देते हुए उन्हें समय सीमा में करने के निर्देश दिए गए।

पिछले पाँच सालों में ढाई हजार लोग हुए लापता

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

सरकारी रिकार्ड के मुताबिक उज्जैन में पिछले पाँच सालों करीब 2500 लोग गायब हो चुके हैं। यानी, हर माह में औसतन 69 लोग लापता हुए। इनमें मिलने वालों की संख्या बहुत कम है। पुलिस रिकॉर्ड में 200 लापता ऐसे हैं जिनका कोई पता नहीं चला और पुलिस ने इन मामलों का एक तरह से खात्मा कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि उज्जैन में लापता महिलाएँ और पुरुषों को लेकर दर्ज गुमशुदगियों का आंकड़ा हर साल बढ़ रहा हैं। आंकड़ों के मुताबिक उज्जैन जिले में इस साल के शुरूआती 5 महीनों में कुल करीब 493 मामले सामने आए हैं। इसमें 161 पुरुष और 332 महिलाएँ हैं। कुल गायब महिलाओं में से 214 महिलाओं को बरामद कर लिया गया है। 118 महिलाएँ आज भी गायब हैं। वहीं लापता 161 पुरुष में से 107 पुरुष ही मिले हैं। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से इस साल अभी तक करीब सैकड़ों लोग अचानक गायब हुए। इनमें पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक हैं। सभी मामलों में परिजनों ने संबंधित थानों में गुमशुदगी व अपहरण का केस दर्ज करवाया है। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर सभी की तलाश शुरू कर दी है। चिंता की बात यह हैं कि हर साल यह आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा हैं। बड़ा सवाल यह है कि आखिर गायब लोग भूले-भटके भी मिलते क्यों नहीं है? इसी सवाल का जवाब खोजने के लिए अग्निबाण ने पड़ताल की तो पता चला कि पुलिस थानों में किसी की भी गुमशुदगी दर्ज होने के बाद उसकी खोजबीन के नाम पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। शहरी क्षेत्र हो या देहात पुलिस का रवैया एक जैसा रहता है। यही कारण है कि जिले में लापता होने वालों की संख्या दिनोदिन बढ़ती जा रही है। आम तौर पर पुलिस गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद परिजनों को ही खोजबीन करने में लगा देती है। कहने को पुलिस उन्हें आश्वासन तो देती है कि उनकी खोजबीन जारी है, लेकिन वे परिजनों से यह हमेशा कहते हैं कि आपको कहीं कोई सुराग मिल जाए तो हमें जरूर बताना। मिलने वालों में अधिकांश गुमशुदा ऐसे हैं, जो गलती से चले गए थे और खुद-ब-खुद ही लौट आए हैं। सच तो यह है कि पुलिस ऐसे मामलों में सुस्त नजर आती है। यही कारण है कि गुमशुदा लोगों का आंकड़ा उज्जैन सहित प्रदेश में तेजी से बढ़ता जा रहा है। इधर, पुलिस अफसरों का दावा है कि थाना स्तर पर पुलिस बल गुमशुदा की तलाश के लिए हर संभव प्रयास करता है, बावजूद, पुलिस रिकार्ड में गुमशुदा की संख्या कम क्यों नहीं हो रही है? इसका जवाब किसी के पास नहीं है। उल्लेखनीय है कि बच्चा चोरी की घटनाएँ समय-समय पर होती रहती है और यह भी खबरें आती रहती है कि लड़कियों को चुराकर बाहर के देशों में भेजकर उनसे गलत काम कराए जाते हैं। ऐसे में परिवारों को चाहिए कि वे अपने बच्चों की विशेष सुरक्षा पर ध्यान दें। पुलिस द्वारा तो इसके लिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी कर चेतावनी दी जाती है।

ऐतिहासिक और आध्यात्मिक मिलन

सोमनाथ के पुरातात्विक अवशेषों से निर्मित दिव्य शिवलिंगों का हुआ महाकाल मंदिर में आगमन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

आर्ट ऑफ लिविंग मुख्यालय (बेंगलुरु) से भगवान सोमनाथ के पुरातात्विक 11 अवशेषों (बाण लिंग) से निर्मित दो विशेष शिवलिंग आज श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकालेश्वर जी की भोग आरती में लाए गये आरती के पश्चात दोनो शिवलिंग का गर्भगृह में पूजन किया गया जिसके पश्चात दोनों शिवलिंगों को जूना महाकाल मंदिर परिसर में कुछ समय के लिए दर्शनाथीयों के दर्शन लाभ हेतु रखा गया।

आर्ट ऑफ लिविंग के डायरेक्टर श्री दर्शक हाथी एवं श्री मध्यप्रदेश यात्रा प्रभारी श्री मनीष सोनी के द्वारा बताया गया की धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सतयुग में चन्द्रदेव द्वारा निर्मित सोमनाथ मंदिर का शिवलिंग को महमूद गजनी के आक्रमण के पश्चात पवित्र ज्योतिर्लिंग खंडित हो गया। अग्रिहोत्री पुरोहितों ने खंडित अवशेषों से 11 छोटे वाण शिवलिंग बनाकर पीढ़ियों तक गुप्त रूप से उनकी पूजा की।

वर्ष 1924 में कांची शंकराचार्य के निदेर्शानुसार, सौ वर्ष पश्चात संरक्षक पुरोहित श्री सीताराम शास्त्री जी ने ये शिवलिंग आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक श्री श्री रविशंकर जी गुरुदेव को सौंप दिए। इसी क्रम में सभी शिवलिंगों का भारत भ्रमण किया जा रहा है। इनमें से दो शिवलिंग मध्यप्रदेश में दर्शन एवं भ्रमण हेतु लाए गए हैं, जिनके भ्रमण की शुरूआत श्री महाकालेश्वर मंदिर से की गई

श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से महानिवार्णी अखाड़ा श्री महाकालेश्वर मंदिर के महंत श्री विनीत गिरी जी महाराज एवं सहायक प्रशासक श्री आशीष फलवाडिया द्वारा यात्रा में सम्मिलित सभी सदस्यों का स्वागत एवं सत्कार किया गया।

आपकी खबरें...

महापौर ने स्टैचू ऑफ यूनिटी पहुंचकर पुष्प अर्पित किये

उज्जैन। अखिल भारतीय महापौर परिषद कार्यकारिणी की 116 वीं बैठक रविवार 14 दिसंबर 2025 को सूरत में सम्पन्न हुई बैठक में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में महापौर मुकेश टटवाल सम्मिलित हुए साथ ही कार्यकारिणी की बैठक में 51 से अधिक की संख्या में महापौर सम्मिलित हुए बैठक के पश्चात महापौर मुकेश टटवाल स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचे जो गुजरात राज्य में स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा (182 मीटर) है, यह नर्मदा नदी के तट पर बनी है और भारत की एकता व अखंडता का प्रतीक है। यह एक प्रमुख पर्यटन स्थल है जहाँ व्यूइंग गैलरी, म्यूजियम और अन्य सुविधाएं उपलब्ध हैं तथा यह गुजरात के केवड़िया के पास स्थित है जहां महापौर मुकेश टटवाल द्वारा पहुंच कर सरदार वल्लभभाई पटेल की विशाल प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए।

श्री महाकालेश्वर मंदिर के गर्भगृह में नवीन रजत द्वार स्थापित

उज्जैन। श्री महाकालेश्वर मंदिर में कलकत्ता निवासी निभा प्रकाश द्वारा पंडित भूषण व्यास की प्रेरणा से भगवान श्री महाकालेश्वर जी के गर्भगृह में नवीन रजत द्वार स्थापित किए गए ये नवीन चांदी के दो पल्ले लकड़ी पर रजत मंडित द्वार के रूप में निर्मित हैं, जिनमें कुल 25 किलोग्राम चांदी का उपयोग किया गया है। इस अवसर पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया द्वारा निभा प्रकाश का स्वागत एवं सत्कार किया गया।

आयुक्त के मार्गदर्शन में 5 .32 करोड़ का सम्पत्तिकर प्राप्त किया

उज्जैन। शनिवार को साल की अंतिम नेशनल लोक अदालत में नगर निगम द्वारा आयुक्त अभिलाष मिश्रा के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में कार्य करते हुए रात्रि 12 बजे तक 5.32 करोड़ से अधिक का सम्पत्तिकर एवं 45.91 लाख का जलकर प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। नगर निगम संपत्तिकर एवं जलकर अमले द्वारा आयुक्त अभिलाष मिश्रा के मार्गदर्शन एवं अपर आयुक्त संतोष टैगोर, पवन कुमार सिंह, संदीप शिवा, पुनीत शुक्ला, उपायुक्त योगेंद्र पटेल, मनोज मौर्य, संजेश गुप्ता के नियंत्रण कार्य करते हुए यह कीर्तिमान स्थापित किया गया। इसी का परिणाम है के रात 12 बजे तक जोन कार्यालयों में कार्य कर कर्मचारियों का हौसला बढ़ाने आयुक्त अभिलाष मिश्रा स्वयं जोन कार्यालय पहुंचे तथा समस्त अधिकारियों कर्मचारियों के बधाई दी।

महाकाल मंदिर की तरफ जाने वाले मार्गों की नहीं सुधर रही यातायात व्यवस्था

रविवार को महाकाल क्षेत्र में थोड़ी-थोड़ी देर में लगता रहा वाहनों का लंबा जाम, श्रद्धालु होते रहे परेशान

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

महाकाल मंदिर की तरफ जाने वाले मार्गों की यातायात व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हो पा रहा है। कल रविवार को महाकाल की तरफ जाने वाले अधिकतर मार्गो पर वाहनों का लंबा जाम लगता रहा । इसी तरह हरी फाटक व महाकाल लोक की तरफ भी वाहनों की लंबी कतार लग रही थी। इस वजह कई देर तक बाहर से आए लोग वाहन के साथ जाम में फंसे रहे। लेकिन यहां की व्यवस्था को सुधारने के लिए कोई भी यातायात का जवान मौजूद नहीं था। अवकाश के दिन महाकाल की तरफ जाने वाले सभी मार्गों पर वाहनों का दबाव अधिक रहता है। इस कारण महाकाल की तरफ जाने वाले सभी मार्गों की यातायात व्यवस्था बिगड़ी रहती है लेकिन यहां की यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कोई मौजूद नहीं रहता है। इस कारण कई देर तक लोग जाम में फंसे रहते हैं। शहर के लोगों को भी जाम से छुटकारा नहीं मिल रहा है।

इसके अलावा बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महाकाल की तरफ जाने वाले मार्गों पर अगर कोई वाहन लेकर जाता है तो वह बड़ी मुश्किल से निकल पाता है। यही हाल रविवार को देखने को मिला हरिफाटक पुल पर थोड़ी-थोड़ी देर में जाम लग रहा था। इसके अलावा गुदरी चौराहा चौबीस खंभा माताजी की तरफ वाले मार्ग पर भी यही हाल थे। लेकिन यहां की व्यवस्था को सुधारने के लिए कोई मौजूद नहीं थे। रविवार को वाहनों का दबाव अधिक होने के बाद भी हरि फाटक पुल के नीचे की गई बेरीकेटिंग खोल रखी थी और लोग बेधड़क अपने वाहन लेकर पुल से होते हुए महाकाल लोक की तरफ बढ़ रहे थे। ऐसे में शाम को महाकाल लोक की तरफ पुल की भुजा पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। ऐसे में यहां की व्यवस्था सुधारने के लिए कोई नहीं था और बाहर से आने वाले श्रद्धालु कई देर तक जाम की वजह से परेशान होते रहते हैं।

ई-रिक्शे रेंगते हुए चल रहे और सवारी के लिए चालक कहीं भी खड़ा कर रहे

महाकाल क्षेत्र में जाम लगने की सबसे बड़ी वजह यह है कि यहां पर ई रिक्शे रेंगते हुए चलते हैं। इनकी चाल धीमी होने के कारण इन ई-रिक्शा के पिछे चलने वाले वाहनों की गति भी धीमी रहती है इस कारण पीछे एक के बाद एक वाहनों की लंबी लाइन लगा शुरू हो जाती है और ई-रिक्शा की गति के अनुसार ही अन्य वाहन भी उसके पीछे चलते हैं। जिससे अन्य वाहन भी जल्दी नहीं निकाल पाते हैं ऐसे में जाम लगता रहता है। साथ ही ई रिक्शा सवारी के लिए सड़क पर कहीं भी ई-रिक्शा खड़ा कर देते हैं।

सड़कों पर फिर लगने लगा मवेशियों का जमघट, हादसों का कारण भी बन रहे

शहर की यातायात व्यवस्था भी बिगाड़ रहे मवेशी

नगर निगम के दफ्तर के बाहर भी आवारा मवेशी घूमते नजर आ रहे

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

शहर की मुख्य सड़कों पर आवारा मवेशियों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। प्रशासन द्वारा इन्हें पकड़ने के आदेश भले ही कई बार जारी किए गए हों, लेकिन अमल के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की जा रही है। इस कारण इनकी संख्या घटने के बजाय और बढ़ती जा रही है।

अब तो स्थिति यह है कि नगर निगम के दफ्तर के आसपास भी आवारा मवेशी झुंड बनाकर घूमते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा शहर के कई क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में आवारा मवेशी इधर-उधर मंडरा रहे हैं। और नगर निगम के अधिकारियों को ठेंगा दिखा रहे हैं। शहर की सड़कों पर आवारा मवेशियों की मौजूदगी को लेकर कोई विशेष कार्रवाई नहीं की जा रही है। बाजार, चौराहों और रहवासी इलाकों में मवेशी खुलेआम घूमते नजर आते हैं। इनमें से कई मवेशी पालतू होते हुए भी दिनभर सड़कों पर आवारा घूमते हैं, जिससे ट्रैफिक बाधित रहता है और खासकर दोपहिया वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। कई लोग आवारा मवेशियों से टकराकर घायल भी हो चुके हैं, लेकिन नगर निगम प्रशासन की ओर से इन्हें हटाने को लेकर कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है।

मवेशियों की संख्या फिर बढ़ने लगी

आवारा मवेशियों को सड़कों से हटाने के लिए नगर निगम द्वारा कई बार अभियान चलाए गए, लेकिन हालात यह हैं कि फ्रीगंज, शहीद पार्क, नई सड़क, गोपाल मंदिर, नानाखेड़ा, कोयला फाटक चौराहा, गाड़ी अड्डा चौराहा, देवास गेट, रेलवे स्टेशन, मालीपुरा, दौलतगंज, फव्वारा चौक सहित अन्य मार्गों पर मवेशियों की संख्या पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है।

झुंड में बैठे या सड़क पर चलते ये मवेशी वाहन चालकों के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। बता दें कि रात के समय यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि अंधेरे में मवेशी नजर नहीं आते और इससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

हाईवे से हर रोज हजारों वाहन गुजरते हैं, लेकिन प्रशासनिक कार्रवाई के अभाव में स्थिति बेकाबू होती जा रही है। स्थानीय नागरिक राजेश व्यास, संदीप सोनी, संजय श्रीवास्तव ने मांग की है कि हाईवे और मुख्य मार्गों पर विशेष अभियान चलाकर मवेशियों को हटाया जाए।

मुख्यमंत्री ने 551 जोड़ों को वीसी के माध्यम से शुभकामनाएं दीं

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विधायक मधु गहलोत के पुत्र मोहित सिंह गहलोत और उनकी पुत्रवधू सहित आगर मंडी प्रांगण में सात फेरों के बंधन में बंधने वाले सभी 551 जोड़ों को ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र अनुरूप सामूहिक विवाह कार्यक्रम सभी अभिभावकों के विवाह आयोजन के स्वप्न को साकार करने में सहायक है।

मुख्यमंत्री ने यह जानकर खुशी व्यक्त की कि विधायक मधु गहलोत अब तक 10 हजार बेटियों के विवाह में सहयोग कर चुके हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विधायक श्री गहलोत के पुत्र मोहित सिंह गहलोत से अपेक्षा जताई कि वे अपने पिता के समाजसेवा कार्य को आगे बढ़ाएंगे।

उन्होंने इस आयोजन के लिए दादा नर्सिंग फाउंडेशन के प्रयासों की सराहना की और बाबा बैद्यनाथ की धरती पर आयोजित इस मंगल कार्य के लिए शुभकामनाएं दीं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट सहित अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अमर शहीद अरविन्द सिंह तोमर के बलिदान दिवस पर स्मृति सम्मान समारोह आयोजित

निगम अध्यक्ष कलावती यादव द्वारा किया गया परिजनों का सम्मान

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

अमर शहीद अरविन्द सिंह तोमर के 24 वें बलिदान दिवस पर नगर पालिक निगम द्वारा रविवार को गणेश नगर आगर रोड पर स्मृति सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें शहिद अरविंद सिंह तोमर के परिजनों का निगम अध्यक्ष कलावती यादव द्वारा एमआईसी सदस्य शिवेंद्र तिवारी,क्षेत्रीय पार्षद दिलीप परमार, महामंत्री जगदीश पांचाल, पार्षद पंकज चौधरी की उपस्थिति में सम्मान किया गया तथा शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम का आयोजन सर्वप्रथम वीर शहीद अरविंद सिंह तोमर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित करते हुए किया गया तत्पश्चात अरविंद सिंह तोमर की माता श्रीमती मुन्नी देवी तोमर का सम्मान उपस्थित अतिथियों द्वारा शाल,श्रीफल,पुष्पमाला पहनाकर किया गया,साथ ही इस अवसर पर शहीद जितेंद्र सिंह चौहान के परिजनों का सम्मान भी उपस्थित अतिथियों द्वारा किया गया

इस अवसर पर सर्व अंगद सिंह भदौरिया, धर्मेंद्र सिंह परिहार, कमल सोनी, एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे,स्मृति सम्मान समारोह में ज्वलंत शर्मा द्वारा देश भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई।

निगम अध्यक्ष ने किया सीसी रोड एवं नाली निर्माण के कार्य का भूमिपूजन

वार्ड 42 में 3 लाख 50 हजार की लागत से होगा विकास कार्य

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

वार्ड क्रमांक 42 अंतर्गत 36 क्वार्टर में क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती अंजलि बालकृष्ण पटेल के प्रयासों से क्षेत्र में सीमेंट कांक्रीट रोड एवं नाली निर्माण कार्य नगर निगम द्वारा पार्षद मद से करवाया जा रहा है उक्त कार्य का भूमि पूजन रविवार को निगम अध्यक्ष कलावती यादव द्वारा नगर भाजपा अध्यक्ष संजय अग्रवाल, नगर महामंत्री आनंद सिंह खिंची, कमल बैरवा, मंडल अध्यक्ष मुकेश पोरवाल की उपस्थिति ने किया गया। उल्लेखनीय है कि राशि रुपए लगभग 3 लाख 50 हजार की लागत से 36 क्वार्टर में सीमेंट कांक्रीट रोड एवं नाली निर्माण का कार्य निगम द्वारा किया जाएगा, बारिश के दिनों में क्षेत्र में पानी भरने की समस्या बनी रहती थी जिसको लेकर काफी लंबे समय से रहवासी क्षेत्र में सीमेंट कांक्रीट रोड एवं नाली निर्माण की मांग कर रहे थे इसी का समाधान करते हुए उक्त कार्य का भूमिपूजन किया गया।

इस दौरान सर्वश्री महेश खंडेलवाल, कुलदीप पांचाल, राजेंद्र शर्मा, अमित पंड्या, प्रियंका सेंगर, पार्षद प्रतिनिधि बालकृष्ण पटेल, नरेश सिंह भदोरिया, महेश यादव, कैलाश वेद, आरसी सेंगर, प्रेमनारायण उपाध्याय, प्रमोद देशपांडे, हरिनारायण पाटीदार, लक्ष्य शर्मा, राजकुमार टेलर, संजय शर्मा, हेमंत डोडिया, अनवेश यादव, प्रशांत सिकरवार एवं क्षेत्र के सम्माननीय नागरिक उपस्थित रहे।

खेलों के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है : विधायक कालूहेड़ा

माधव कॉलेज में राज्य स्तरीय महिला खो खो प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में खेलों को बहुत महत्व दिया गया है। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव खेलों के विकास के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं। खो खो हमारा परम्परागत खेल है। इस कॉलेज के विद्यार्थियों को खेल के लिए सर्व सुविधायुक्त वातावरण मिले, यह हमारी सरकार की प्राथमिकता है। हमारी सरकार खेलों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हम खेल के विकास के लिए इस कॉलेज में डोम बनाने के लिए मुख्यमंत्रीजी से अनुरोध करेंगे।

ये उद्गार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस माधव महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय महिला खो खो प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने व्यक्त किए। कार्यक्रम अध्यक्षता अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग डॉ एच एल अनिजवाल ने कहा कि इस कॉलेज में बहुत परिवर्तन हो रहे हैं। इस कॉलेज के विकास में जो भी कठिनाई आ रही है, उसे दूर करने का वे प्रयास उच्च शिक्षा विभाग करेगा। प्राचार्य डॉ कल्पना सिंह ने कहा कि आप सभी खिलाड़ियों का महाकाल और श्रीकृष्णजी की शिक्षा स्थली में बहुत बहुत स्वागत है।

कार्यक्रम में शासकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ प्रशान्त पुराणिक ने खो खो खेल के इतिहास पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारते हैं, उन्हें आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। संचालन डॉ जफर महमूद ने किया। क्रीड़ा अधिकारी नवीन कोरट ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय, के प्राचार्य डॉ हरीश व्यास, क्रीड़ा अधिकारी संगीता कारलेकर, आर के कौरव, संजीत राय, प्रशान्त सूर्यवंशी, श्वेता भल्ला, डॉ नमन सारस्वत, ऋषि वर्मा, दीपक भाया का सरस्वती सम्मान किया गया। खरगोन और ग्वालियर संभाग के मध्य हुआ जिसमें ग्वालियर ने दो पॉइंट से विजय प्राप्त की। दूसरा मैच शेड्यूल और छतरपुर के मध्य हुआ जिसमें शहडोल संभाग में विजय प्राप्त की। प्रतियोगिता के सेमी फाइनल और फाइनल मैच 12 दिसंबर को खेले जाएंगे।

आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ ब्राह्मण समाज ने किया प्रदर्शन

दैनिक अवन्तिका ▶▶ उज्जैन

ब्राम्हण बेटियों के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के विरुद्ध एफआईआर करने तथा सेवा से बर्खास्त करने के लिए विरोधस्वरूप मध्य प्रदेश संयुक्त ब्राम्हण मोर्चा द्वारा मध्य प्रदेश के राजधानी भोपाल में रविवार को रोशन पूरा चौराहा से मध्य प्रदेश मुख्यमंत्री निवास घेराव करने हेतु मार्च निकाला गया। न्यू मार्केट घाटी पर विरोध मार्च को रोककर वाटर केनन का इस्तेमाल कर भीड़ को तितर बितर किया गया। सभी प्रदर्शन कार्यो की गिरफ्तारी की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ अभिभाषक अनिल मिश्रा, पूर्व आईएएस हीरालाल त्रिवेदी, अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं.सुरेंद्र चतुर्वेदी, प्रदेश महामंत्री रमाकांत शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार द्विवेदी, अभिभाषक पवन व्यास भोपाल, प्रफुल्ल दुबे सागर ,अवधेश उरमलिया ,कटनी सहित प्रदेश से हजारों कि संख्या में ब्राह्मण जन उपस्थित रहे। सरकार समर्थक कुछ ब्राह्मण संगठनों का आंदोलन स्थगित किए जाने का आव्हान लगभग बेअसर रहा।

खास न्यूज

इंदौर से शराब बेचने आया उज्जैन आया था युवक

उज्जैन। चिंतामण थाना पुलिस ने जवासिया ब्रिज के नीचे रेलवे पटरी के पास शनिवार-रविवार रात घेराबंदी कर बाइक सवार युवक को हिरासत में लिया। युवक के पास से देशी शराब के 325 क्वार्टर बरामद किये है। पूछताछ में युवक का नाम दीपक उर्फ दीपराजसिंह निवासी श्रीराम कालोनी धरमपुरी सामने आया। एएसआई विक्रम वर्मा ने बताया कि दीपक शराब इंदौर से बेचने के लिये उज्जैन लेकर आया था। उसका कहना था कि वह ढाबों और शादी समारोह वालों को शराब बेचने का काम करता है। मामले में आबकारी अधिनियम का प्रकरण दर्ज कर रविवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेजा गया है। जप्त शराब की कीमत 30 हजार से अधिक है। अवैध शराब परिवहन के मामले में उन्हेल पुलिस ने भी स्कार्पियों सवार को घेराबंदी कर पकड़ा और प्लास्टिक की 2 केन में भरी 60 लीटर कच्ची शराब जप्त की। एसआई राजेश कलमी ने बताया कि स्कार्पियों चालक हुकम पिता छीतूलाल निवासी दुपाडा शाजापुर का रहने वाला है। वह स्कार्पियों किराये से चलता है। कच्ची शराब जावरा से लेकर आया था। मामले में प्रकरण दर्ज कर उसे कोर्ट में पेश कर खाचरौद उपजेल भेजा गया है।

बाइक में उलझा स्ट्रीट डॉग, छात्र हुआ घायल

उज्जैन। तराना तहसील के ग्राम छडावद में रहने वाला भानु पिता दरबारसिंह 18 साल को घायल हालत में परिजन उपचार के लिये चरक अस्पताल लेकर आये है। परिजनों ने बताया कि भानु कक्षा 11 वीं का छात्र है। गांव से प्रतिदिन कोचिंग के लिये तराना आता है। शाम को वापस लौटते समय बाइक के सामने स्ट्रीट डॉग आ गया और पहिये में उलझ गया। भानु का संतुलन बिगड़ गया और वह गिरकर घायल हो गया। उसे लोगों की मदद से तराना अस्पताल पहुंचाया गया था, लेकिन चोंट अधिक होने पर डॉक्टरों ने उज्जैन रैफर किया है। पूरे जिले में स्ट्रीट डॉग से प्रतिदिन कई घटना होना सामने आ रहे है। डॉग किसी पर हमला कर नोंच रहे थे तो वाहन चालकों के लिये दुर्घटना का सबब बन रहे है। लगातार सामने आ रही घटनाओं के बाद भी स्ट्रीट डॉग को लेकर शासन-प्रशासन, नगर निगम गंभीर दिखाई नहीं दे रहा है।

मोटर चालू करते समय किसान को लगा करंट

उज्जैन। घट्टिया थाना क्षे के ग्राम बनड़ा में रविवार सुबह किसान श्याम पिता मेहरबान को करंट लगा गया। उसे परिजन उज्जैन अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख उपचार के लिये भर्ती किया। परिजनों ने बताया कि श्याम सुबह खेत पर पाणत करने गया था। मोटर चालू करते समय उसे करंट लगा और बेहोश हो गया। कुछ देर बाद आसपास के ग्रामीणों ने उसे देखा तो परिजनों को सूचना दी। मामले में घट्टिया थाना पुलिस ने बताया कि खेत में किसान को करंट लगने की जानकारी मिली है। घटना की जांच के लिये बयान दर्ज किये जायेगें।

अलाव ताप रहे युवक पर शराबी ने किया हमला

उज्जैन। झारड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम बोलाखेड़ा में रहने वाला श्याम पिता रघुसिंह 25 साल रात में माता मंदिर के पास अलाव ताप रहा था। उसी दौरान गांव का रहने वाला गोविंद शराब के नशे में आया और डंडे से हमला कर दिया। श्याम सिर में चोंट लगने पर लहूलुहान हो गया। गांव वालों ने श्याम के घायल होने की खबर परिजनों को दी। परिजन उपचार के लिये उज्जैन चरक अस्पताल लेकर पहुंचे। झारड़ा पुलिस घायल के बयान दर्ज कर मामले में हमला करने वाले के खिलाफ प्रकरण दर्ज करेगी।

पुलिस ने निकाला जुलूस, सरगना की तलाश जारी

खूनी डोर (चाइना) के 48 गट्टे बेचने निकले थे युवक

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

उज्जैन। प्रतिबंधित खूनी डोर (चाइना) बेचने निकले 4 युवको को रविवार शाम पुलिस ने घेराबंदी कर हिरासत में लिया। उनके पास झोले से 48 गट्टे मिले है। चारों से पूछताछ में खूनी डोर उपलब्ध कराने वाले का नाम सामने आया है। जिसकी तलाश जारी है।

नीलगंगा थाना पुलिस को खबर मिली थी कि बालाजी परिसर के पास शिवांश ऐलिगेंस मार्ग पर 4 युवक प्रतिबंधित डोर चाइना बेचने के लिये आने वाले है। प्रधान आरक्षक मंगल टेगौर, कपिल राठौर, विरेन्द्र शर्मा और आरक्षक पुष्पराज ने तीनों को पकड़ने के लिये घेराबंदी की। कुछ देर की तलाश के बाद झोला लेकर 3 युवक आते दिखाई दिये, जिन्हे संदेह के आधार पर हिरासत में लिया और झोले की तलाशी ली तो उसमें खूनी डोर (चाइना) के गट्टे भरे होना सामने आ गये। तीनों को थाने लाया गया, जहां पूछताछ में उनके नाम प्रताप पिता किशोरसिंह तोमार देसाईनगर, हर्ष पिता आलोक बारोड रामीनगर और निखिल पिता प्रेम चंदानी निवासी महाकाल सिंधी कालोनी सामने आये। उनके पास से प्रतिबंधित डोर के 48 गट्टे जप्त किये गये है। तीनों मुनाफा कमाने के उद्देश्य से खूनी डोर ठिकाने लगाने के लिये निकले थे। थाना प्रभारी तरूण कुरील ने बताया कि मामले में जिलाधीश के आदेश का उल्लंघन करने के साथ प्रतिबंधात्मक और अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया जा रहा है। खूनी डोर के साथ हिरासत में आये युवको का पुलिस ने क्षेत्र में जुलूस भी निकाला, इस दौरान युवक कान पकड़कर चाइना डोर नहीं बेचने की बात कहते सुनाई दिये। पुलिस ने सबसे पहले मनीष पिता ओमप्रकाश कुकरेजा निवासी भार्गव नगर और एक नाबालिग को पकड़ा था। दोनों ने प्रताप, हर्ष और निखिल के नाम बताये थे।

आरोपितों से पूछताछ में सामने आया है कि चाइना डोर नागझिरी क्षेत्र में रहने वाले कुलदीप ने उपलब्ध कराई थी। खूनी डोर का मुख्य सरगना वहीं होना सामने आ रहा है। जिसकी तलाश पुलिस ने शुरू कर दी है। उसके हिरासत में आने पर प्रतिबंधित डोर के मामले में कई खुलासे हो सकते है।

कलेक्टर ने 2 माह का लगाया है प्रतिबंध

इस बार मकर संक्राति और उससे पहले घातक चाइना डोर से कोई हादसा ना हो इसको रोकने के लिये कलेक्टर ने दिसम्बर माह के प्रथम सप्ताह में प्रतिबंध के आदेश जारी कर दिये थे। 2 माह तक चाइना डोर का उपयोग, बेचना, भंडारण करना प्रतिबंधित किया गया। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के बाद से पुलिस लगातार जिले में तलाशी अभियान चला रही है। चाइना डोर से अधिकांश हादसे हरिफाटक ब्रिज की भुजाओं पर होना सामने आते है। जिसे रोकने के लिये पुलिस ने ब्रिज के दोनों ओर लोहे के तार बिजली के पोल पर बांधे है।

प्रतिबंध के बावजूद सामने आई 2 घटना

प्रतिबंध लगा होने के बाद भी दिसंबर माह के प्रथम सप्ताह में हरिफाटक ब्रिज पर स्कूटी सवार महिला का गला कट गया था, वहीं जीरो पाइंट ब्रिज पर भी बाइक सवार युवक के गले में चाइना डोर उलझ गई थी। जिसके चलते युवक के गले में डॉक्टरों को टांके लगाना पड़ गये थे। वर्ष 2022 में जीरो पाइंट ब्रिज पर छात्रा नेहा आंजना की चाइना डोर से गला कटने पर मौत हो गई थी। जिसके बाद से प्रशासन और पुलिस चाइना डोर को लेकर काफी सख्त दिखाई दे रहा है। एसपी प्रदीप शर्मा निर्देश जारी कर चुके है कि चाइना डोर का उपयोग करने वालों को जेल भेजा जायेगा।

महाकाल क्षेत्र में छतों पर की गई सर्चिंग

मकर संक्रांति से पहले चाइना डोर पर लगे प्रतिबंधि के बाद से पुलिस पूरे शहर में सर्चिंग अभियान चला रही है। पतंग के मुख्य बाजार तोपखाना में पुलिस लगातार नजरे जमाये हुए है। वहीं रविवार को आसमान में काफी संख्या में पतंग उड़ान भरती दिखाई दे रही थी। जिसे देख महाकाल थाना एएसआई चंद्रभानसिंह चौहान टीम के साथ घरों की छतों पर चाइना डोर की तलाश में चढ़ गये। महाकाल क्षेत्र में दर्जनों मकानों की छत पर टीम ने पतंगबाजी करने वालों की डोर को परखा और हिदायत दी कि चाइना से पतंगबाजी की गई तो उन्हे गिरफ्तार किया जायेगा। छतों के साथ क्षेत्र की दुकानों पर भी सर्चिंग की गई।

भोपाल ट्रेन में होना था सवार रतलाम ट्रेन में चढ़ा वृद्ध

हड़बड़ाहट में उतरते समय गिरने से हुआ घायल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर 5 पर शनिवार-रविवार रात चलती ट्रेन से गिरने पर वृद्ध गंभीर घायल हो गया। जीआरपी ने उपचार के लिये अस्पताल पहुंचाया। वृद्ध को भोपाल जाना था, वह रतलाम जाने वाली ट्रेन में चढ़ गया था।

विनोद मिल की चाल में रहने वाले 65 वर्षीय विमल पिता मानकचंद जैन को रात 12 बजे जीआरपी ने प्लेटफार्म नम्बर 5 से रतलाम जाने वाली चलती ट्रेन से गिरने पर घायल होने के चलते चरक अस्पताल में भर्ती कराया था।

विमल जैन के घायल होने की खबर मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंच गये थे। इस दौरान सामने आया कि रिश्तेदारी में गमी होने पर विमल जैन रात को भोपाल जाने के लिये स्टेशन पहुंचे थे, लेकिन वह रतलाम जाने वाली ट्रेन में चढ़ गये। ट्रेन के चलने पर उन्होने यात्रियों से भोपाल जाने के संबंध में पूछा तो सामने आया कि ट्रेन रतलाम जा रही है। इतना सुनते ही विमल जैन चलती ट्रेन से उतरने लगे, तभी संतुलन बिगड़ गया था। जीआरपी ने बयान दर्ज किये है।

जहरीला पदार्थ खाने वाले युवक की अस्पताल में मौत

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

माकडोन के ग्राम चितावलिया में रहने वाले विजेन्द्र पिता सुरेशसिंह 26 वर्ष को जहरीला पदार्थ खाने के बाद शनिवार रात उज्जैन चरक अस्पताल लाया गया था। रविवार तड़के विजेन्द्र की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया। परिजनों का कहना था कि कुछ दिनों पहले विजेन्द्र सड़क दुर्घटना के घायल हो गया था, जिसके बाद उसकी दिमागी हालत बिगड़ गई थी। घर के समीप भाई ईश्वर ने उसे उल्टियां करते देखा तो पूछा। विजेन्द्र ने कीटनाशक पीना बताया था, जिसके बाद उसे उपचार के लिये अस्पताल लाया गया था। माकडोन पुलिस परिजनों के बयान दर्ज कर विजेन्द्र के जहरीला पदार्थ खाने की वजह का पता लगायेगी।

दिन का तापमान 30 डिग्री पार, रात का 10 डिग्री से नीचे

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

दिसंबर माह आधा बीत चुका है, इस बीच रात का तापमान 10 डिग्री से नीचे बना हुआ है। रविवार को दिन का तापमान 30 डिग्री पार पहुंच गया था, लेकिन मौसम में ठंडक बनी हुई थी।

12 दिसंबर को दिन का तापमान 28 डिग्री के करीब आ गया था, लेकिन 2 दिन से अधिकतम तापमान में तेजी दर्ज कर जा रही है। हवा की 4 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल रही है। रविवार को अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री दर्ज किया गया। लेकिन मौसम में ठंडक महसूस हो रही थी। तेज धूप होने पर भी लोग छतों और आंगन में बैठे दिखाई दे रहे थे। स्थानीय मौसम पर्यवक्षक के अनुसार हवा की रफ्तार कम है, लेकिन ठंडक बनी हुई है। जिसके चलते धूप अच्छी लग रही है। दिन के तापमान में 2 दिन से तेजी आ रही है, लेकिन रात का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे बना हुआ है। शाम ढलने के बाद ठंड बढ़ ही है, जिसका असर सुबह सूर्योदय होने से पहले तक बना हुआ है। एक-दो दिन में हवा की गति तेज हो सकती है, जिसके चलते 20 दिसंबर बाद दिन-रात के तापमान में गिरावट दर्ज होगी। घना कोहरा भी छा सकता है और शीत लहर चल सकती है। इस बार जनवरी माह भी ठंड के बीच पूरी तरह से गुजरने के आसार दिखाई दे रहे है।

शाम को बाजारों में दिख रहा सन्नाटा

शाम को ठंड बढ़ने पर बाजारों में आवाजाही कम दिखाई देने लगी है। कई दुकानदार तो 8 बजे बाद दुकाने भी बंद करने गले है। पॉश कालोनियों में भी 8 बजे बाद सन्नाटा छा रहा है। रात में ठंड से बचाव के लिये लोगों द्वारा अलाव भी जलाये जा रहे है। प्रदेश सरकार द्वारा शीतकालीन अवकाश 31 दिसंबर से 4 जनवरी का घोषित किया है। इससे पहले तापमान में गिरावट आई और शीतलहर चली तो पहले भी स्थानीय स्तर पर अवकाश घोषित किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश को बनाएंगे मिल्क कैपिटल - मुख्यमंत्री यादव

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि पशुपालकों/दुग्ध उत्पादकों को हर संभव तरीके से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाया जाएगा। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इसी मंशा के मद्देनजर राज्य सरकार ने प्रदेश में एक कारगर नवाचार प्रारंभ किया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने सहित वर्तमान डेयरी उद्योग को सुनियोजित, सुव्यवस्थित, व्यावसायिक और लाभकारी बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने इसी साल 'डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना' आरंभ की है। यह योजना खासतौर पर उन जरूरतमंद युवाओं, किसानों और पशुपालकों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी है, जो आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित कर अपनी आय का स्थायी साधन विकसित करना चाहते हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नये-नये अवसर सृजित करना और पशुपालकों की आय में वृद्धि करना है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में योजना के लिए एक करोड़ रुपए से अधिक (कुल 100.72 लाख रुपए) का बजट प्रावधान किया है। विभाग ने इस वित्त वर्ष में 828 से अधिक हितग्राहियों को योजना का लाभ देने का लक्ष्य रखा है।

बाइक-कार में भिड़ंत, पति की मौत पत्नी-बेटा घायल

उज्जैन। बड़नगर मार्ग पर इंगोरिया क्षेत्र में बाइक-कार में भिड़ंत हो गई। बाइक पर सवार युवक ने मौके पर दम तोड़ दिया। उसकी पत्नी और बेटा गंभीर घायल हुए है। दुर्घटना के बाद चालक कार छोड़कर भाग निकला था।

इंगोरिया थाना पुलिस ने बताया कि बड़नगर मार्ग पर ग्राम पाटियाखेड़ी में बाइक और कार के बीच भिड़ंत हो गई थी। बाइक पर पति-पत्नी और बच्चा सवार थे। दुर्घटना की खबर मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी और बाइक सवार तीनों को अस्पताल पहुंचाया गया था। उज्जैन पहुंचने पर तीनों को नानाखेड़ा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती किया गया। जहां कुछ देर बाद युवक की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद घायलों की जानकारी जुटाने पर पता चला था कि मृतक युवक कमलेश पिता शंकरलाल अग्रवाल 32 वर्ष निवासी ग्राम सुरजना आलोट का रहने वाला है। घायल उसकी पत्नी सुलोचना अग्रवाल और 3 साल का पुत्र हरीश है। परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। रात में ही परिजन उज्जैन पहुंच गये थे। निजी अस्पताल में मौत होने पर नानाखेड़ा पुलिस द्वारा मृतक का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों ने बताया कि कमलेश खेती का काम करता था और रिश्तेदारी में इंदौर गया था। वापस लौटते समय दुर्घटना हुई है। इंगोरिया पुलिस के अनुसार कार नम्बर के आधार पर चालक का पता लगाया जा रहा है। नानाखेड़ा थाना पुलिस द्वारा मर्ग डायरी भेजी जाने के बाद ममाले में प्रकरण दर्ज किया जायेगा।

मुख्यमंत्री यादव के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियों का स्वर्णिम अध्याय: तोमर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व और सतत मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश का ऊर्जा क्षेत्र आज अभूतपूर्व परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। राज्य सरकार ने ऊर्जा के क्षेत्र में ऐसे निर्णय लिए हैं, जो न केवल वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, बल्कि आने वाले दशकों की बढ़ती मांगों के अनुरूप मजबूत आधारशिला तैयार करते हैं। उनका लक्ष्य स्पष्ट है–हर घर, हर खेत और हर उद्योग को गुणवत्तापूर्ण, निर्बाध और किफायती बिजली उपलब्ध कराना। इसी भावना को केंद्रीय तत्व मानते हुए ऊर्जा विभाग ने बीते वर्षों में योजनाओं, संरचनात्मक सुधारों, तकनीकी उन्नयन, निवेश संवर्धन और उपभोक्ता हित को केंद्र में रखते हुए कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं।

राज्य में दीर्घकालिक और सतत विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 4000 मेगावॉट ताप विद्युत क्षमता हेतु निविदा प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया है। यह संयंत्र DBFOO (Design, Build, Finance, Own, Operate) मॉडल के अंतर्गत स्थापित किए जा रहे हैं, जिनके लिए कोयला आपूर्ति शक्ति नीति के तहत सुनिश्चित की गई है। इस कदम से प्रदेश में लगभग 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की संभावनाएँ बनी हैं, जिससे 5 से 7 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त होगा और अनेक सहायक उद्योग भी गति पकड़ेंगे।

51711 नवीन नियमित पद स्वीकृत

प्रदेश में विद्युत कंपनियों की संगठनात्मक संरचना का पुनर्गठन कर 51,711 नवीन नियमित पदों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इससे कंपनियों की कार्यक्षमता, क्षेत्रीय उपस्थिति तथा उपभोक्ता सेवाओं का प्रभावी विस्तार संभव हो सकेगा। स्वीकृत पदों में पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के लिये 17402, मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के लिये 16165, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के लिये 15690, पावर ट्रांसमिशन कम्पनी के लिये 1431 और पॉवर जनरेटिंग कम्पनी के लिये 1017 पद हैं। इनमें भर्ती प्रक्रिया जारी है।

वर्ष 2025-26 से 2029-30 तक पारेषण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण हेतु 5163 करोड़ रुपये के कार्य तथा सारनी व चचाई में 23,000 करोड़ रुपये लागत की 2660 मेगावॉट की नई ताप विद्युत इकाइयों की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की गई है। गांधीसागर तथा राणा प्रताप सागर जल विद्युत गृह के नवीनीकरण और आधुनिकीकरण की संयुक्त परियोजना को भी अनुमोदन किया गया है, जिससे जल विद्युत उत्पादन की क्षमता आने वाले वर्षों में और अधिक मजबूत होगी।

उपभोक्ताओं को राहत

ऊर्जा उपभोक्ताओं को राहत देने के उद्देश्य से अटल गृह ज्योति योजना, अटल कृषि ज्योति योजना और निःशुल्क विद्युत प्रदाय योजना के माध्यम से लाखों परिवारों और किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। वर्ष 2025-26 में इन योजनाओं पर हजारों करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है, जो राज्य सरकार की जनहितकारी सोच को परिलक्षित करता है। अटल ज्योति योजना में इस वित्तीय वर्ष में 7131 करोड़, अटल कृषि ज्योति योजना में 13909 करोड़ और निःशुल्क विद्युत प्रदाय योजना में 5299 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। आरडीएसएस योजना अंतर्गत उपकेन्द्रों, लाइनों, कृषि फीडरों के विभक्तिकरण तथा नए ट्रांसफॉर्मरों की स्थापना जैसे कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया गया है। स्मार्ट मीटरिंग के क्षेत्र में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है और राज्य में 26 लाख से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। प्री-पेड स्मार्ट मीटर को बढ़ावा देने के लिए उपभोक्ताओं को ऊर्जा प्रभार में 20 प्रतिशत की छूट भी प्रदान की जा रही है।

समाधान योजना 2025-26: ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विभिन्न श्रेणी के उपभोक्ता, जो किन्हीं कारणों से बिल नहीं जमा कर पाते, उनके लंबित बिलों पर सरचार्ज लगाया जाता है। साथ ही उनके बिजली कनेक्शन विच्छेदित कर दिये जाते हैं। ऐसे उपभोक्ताओं को सुविधा प्रदान करने के लिये समाधान योजना 2025-26 लागू की गयी है। योजना 2 चरणों में लागू की गयी है। इसका प्रथम चरण 3 नवम्बर से 31 दिसम्बर तक लागू रहेगा। दूसरा एवं अंतिम चरण एक जनवरी, 2026 से 28 फरवरी, 2026 तक रहेगा। योजना में उपभोक्ता को प्रथम चरण में एकमुश्त मूल राशि का भुगतान करने पर सर्वाधिक लाभ होगा। योजना में 6 आसानी किश्तों में भुगतान की सुविधा प्राप्त करने वाले उपभोक्ताओं को प्रथम चरण में सरचार्ज में 60 से 100 प्रतिशत तक की छूट एवं द्वितीय चरण में 50 से 90 प्रतिशत तक की छूट प्राप्त हो सकेगी। योजना में प्रदेश के सभी घरेलू, गैर घरेलू, औद्योगिक एवं कृषि श्रेणी के सभी अशासकीय उपभोक्ताओं को उनके विगत 3 माह अथवा अधिक अवधि के देयक लंबित होने की स्थिति में सरचार्ज में छूट प्राप्त कर एकमुश्त अथवा किश्तों में भुगतान की सुविधा दी गयी है।

मुख्यमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (PM-JANMAN) अंतर्गत भारिया, बैगा और सहरिया जैसे पीवीटीजी समुदायों के लगभग 27 हजार घरों को बिजली से जोड़ने की कार्ययोजना को भारत सरकार द्वारा स्वीकृति दी गई है। इसमें से सितंबर 2025 तक 25,362 घरों का विद्युतीकरण पूरा कर लिया गया है।

जाहिर सूचना का खंडन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 07/12/2025 को प्रकाशित जाहिर सूचना, जो कि ग्राम नरवर, तहसील एवं जिला उज्जैन (म.प्र.) स्थित भूमि सर्वे नंबर 1328/2/3, रकबा 0.55 हेक्टेयर के संबंध में प्रकाशित की गई है, उस पर मुझे/हमारी पार्टी को आपत्ति है।

यह कि उक्त भूमि के संबंध में पूर्व में ही विधिवत एग्रीमेंट/अनुबंध संपादित किया जा चुका है, तथा संबंधित पक्ष द्वारा अधिकतम बयाना राशि का भुगतान भी किया जा चुका है। अतः उक्त भूमि को किसी अन्य व्यक्ति के पक्ष में विक्रय, हस्तांतरण अथवा किसी प्रकार का अधिकार सृजित करना कानूनन अवैध एवं अनुबंध के विरुद्ध है।

यह जाहिर सूचना तथ्यों को छिपाकर एवं पूर्व अनुबंध की अनदेखी कर प्रकाशित करवाई गई है, जिससे हमारी पार्टी के वैधानिक अधिकार प्रभावित हो रहे हैं।

अतः समस्त संबंधित व्यक्तियों/खरीदारों को सूचित किया जाता है कि वे उक्त भूमि के संबंध में कोई भी लेन-देन करने से पूर्व पूर्ण जांच कर लें, अन्यथा भविष्य में उत्पन्न होने वाले समस्त विवाद, हानि व कानूनी परिणामों के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।

यह आपत्ति अखबार के माध्यम से सार्वजनिक रूप से दर्ज कराई जा रही है।

दिनांक : 13/12/2025

स्थान : उज्जैन

गौरव गोदावत जैन, एडवोकेट, office address- DF-7, 1st floor भरतपुरी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, आरटीओ के पीछे, उज्जैन, मो. 9926068606

वर्तमान से प्यारा कुछ नहीं आज में जियें

यूनान की प्रसिद्ध कथा है। एक बहुत बड़ा ज्योतिषी तारों का अध्ययन करता हुआ कुएं में गिर पड़ा। उसकी पुकार सुन पास की झोंपड़ी में सोई एक बूढ़ी औरत आई और बड़ी मुश्किल से उसे बाहर निकाला। ज्योतिषी ने बूढ़ी महिला को बहुत धन्यवाद दिया और आग्रह किया कि वह उसके घर आए। उसने बताया, मैं यूनान का सबसे बड़ा ज्योतिषी हूं। सितारों और इनके जरिए इंसान के भविष्य के बारे में की गई मेरी भविष्यवाणी कभी गलत नहीं हुई। बडे-बडे सम्राट अपना भविष्य जानने मेरे पास आते हैं और बदले में बेशकीमती आभूषण दे जाते हैं। लेकिन मैं मुफ्त में तुम्हारा भविष्य बताऊंगा। जरूर आना। बूढ़ी महिला बोली- तुम्हें एक कदम आगे का कुआं तो दिखाई नहीं पड़ता, तुम भविष्य बताओगे? बेटे, सितारों की ओर नहीं, जमीन पर और सामने देखकर चला करो। आशय यह है कि हमेशा वर्तमान में जीना चाहिए। पहले सामने देखना चाहिए, दूरी की चीजें बाद में।

हम सब उस ज्योतिषी की तरह हैं, जो वर्तमान को देखते नहीं और भविष्य के बारे में ज्ञान टटोलते रहते हैं। प्रैक्टिसिंग द पावर ऑफ नाउ के लेखक और आधुनिक युग के बडे.दार्शनिकों में एक एकहार्ट टाल्ल कहते हैं, अगर सुखमय जीवन जीना है, तो वर्तमान से प्रतिरोध की पुरानी शैली छोड़ देनी चाहिए। ऐसा अभ्यास करना चाहिए कि ध्यान को भूत और भविष्य से वापस लाया जाए, खासतौर पर जब उसकी जरूरत न हो। वह कहते हैं, भविष्य को अक्सर वर्तमान से अच्छा या बुरा सोचा जाता है। यदि कल्पित भविष्य अच्छा है, तो आशा बंधती है, मगर यदि वह बुरा दिखता है, तो चिंता होती है। पर दोनों ही भ्रामक हैं।

सम्पादकीय

मोदी-ट्रंप बातचीत

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर चल रही वार्ता के बीच पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप में बातचीत होना एक अच्छा संकेत है। यह दिखाता है कि दोनों देश द्विपक्षीय रिश्तों को लेकर प्रतिबद्ध हैं और इसमें जो बाधा आई है, उसे जल्द से जल्द हटाकर आगे बढ़ना चाहते हैं। ट्रेड डील को लेकर दोनों देशों के बीच विभिन्न स्तरों पर कई दौर की वार्ता हो चुकी है। इसी हफ्ते व्यापार, निवेश और रक्षा सहयोग समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। मार्च में बातचीत शुरू होने से लेकर अभी तक, रिश्तों में उतार-चढ़ाव के कई दौर आए हैं। इसी दौरान अमेरिका ने भारत पर 50% टैरिफ थोप दिया। अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका होने के बावजूद इस पर तल्खी दिखाने के बजाय भारत ने दृढ़ता और संयम का परिचय दिया।

रूसी तेल खरीद पर रोक और दूसरी अमेरिकी मांगों के जवाब में भारत का रुख यही रहा है कि उसका फैसला अपने लोगों के हितों की रक्षा करने वाला होगा। और अब तो अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर भी मान चुके हैं कि भारत ने अब तक का सबसे अच्छा प्रस्ताव दिया है। हालांकि इसके बावजूद अभी तक ट्रंप प्रशासन की तरफ से टैरिफ में छूट देने या डील फाइनल करने के संबंध में कोई संकेत नहीं मिले हैं। अमेरिका की अनिश्चितता: केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का कहना कि अगर अमेरिका प्रस्ताव से संतुष्ट है, तो साइन कर दे - दरअसल अमेरिकी रुख की इसी अनिश्चितता को दर्शाता है। यह अनिश्चितता कई अन्य स्तरों पर भी प्रकट हो रही है। मसलन- एक तरफ द्विपक्षीय बातचीत में सहयोग बढ़ाने की बात हो रही थी, तो दूसरी तरफ ट्रंप भारतीय चावल पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे थे।

भारत और अमेरिका के बीच बातचीत में हालिया प्रगति के दौरान की एक बड़ी घटना रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन का भारत दौरा है। इस यात्रा की टाइमिंग ने सबका ध्यान खींचा। नई दिल्ली ने इससे यह संदेश तो पश्चिम तक पहुंचा ही दिया कि उसके लिए राष्ट्रीय हित सबसे पहले है और यह भी कि अपनी स्वतंत्र और संतुलित विदेश नीति पर कोई समझौता उसे मंजूर नहीं। भारत ने रूस के साथ पुरानी दोस्ती निभाई है, लेकिन अमेरिका को भी नहीं छोड़ा। अब इसी संतुलन की उम्मीद ट्रंप प्रशासन से भी है। उसे भारत जैसे सहयोगी देश की जरूरतों और चिंता को समझना चाहिए। यह डील जितनी जल्दी अंजाम तक पहुंचेगी, दोनों देशों को उतना फायदा होगा।

दीपावली पर्व को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर सूची में मिला स्थान

भारत को मिला गौरव विश्व क्षितिज पर सम्मान

देश की विशिष्ट पहचान लाल किले से बुधवार को हुई घोषणा ने उत्साह का संचार किया है क्योंकि दीपोत्सव ज्योति पर्व हमारे देश भर में ओर हर वर्ग हर स्तर पर हर समाज द्वारा मनाया जाता है और इसके लिए समाज और परिवार द्वारा पूर्व तैयारी भी की जाती है , एक सौ चालीस करोड़ देशवासियों के त्यौहार दीपावली पर्व अब विश्व के आठ सौ करोड़ से अधिक नागरिकों के लिए भी भारत की संस्कृति सामाजिकता ओर समरसता का प्रतीक प्रस्तुत करेगा । युनेस्को की घोषणा का व्यापक रूप से स्वागत हुआ है ।

डा. घनश्याम बटवाल
(दैनिक अवन्तिका)

एक ऐतिहासिक मान्यता

दीपावली, जिसे 'प्रकाश का त्योहार' के रूप में जाना जाता है, को अब वैश्विक स्तर पर एक अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर का दर्जा प्राप्त हो गया है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने 10 दिसंबर 2025 को दीपावली को अपनी 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर की प्रतिनिधि सूची' में शामिल कर लिया। यह मान्यता भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई है, जो अब योग, कुंभ मेला और दुर्गा पूजा जैसे अन्य भारतीय तत्वों के साथ सूची में स्थान पा चुकी है। यह भारत का 16वां अमूर्त धरोहर तत्व है जो इस प्रतिष्ठित सूची में दर्ज किया गया।

प्रकाश, आनंद और विजय का प्रतीक

दीपावली, जिसे दीवाली या दीपोत्सव भी कहा जाता है, हिंदू धर्म का सबसे प्रमुख और उत्सवपूर्ण पर्व है। यह कार्तिक मास की अमावस्या की रात को मनाया जाता है, जो आमतौर पर अक्टूबर या नवंबर में पड़ता है। दीपावली का शाब्दिक अर्थ है 'दीपों की माला', जो अंधकार पर प्रकाश की, बुराई पर अच्छाई की, और अन्याय पर न्याय की विजय का प्रतीक है।

ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व

दीपावली की जड़ें प्राचीन भारतीय ग्रंथों जैसे रामायण और महाभारत में निहित हैं। मुख्य रूप से यह भगवान राम की 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटने की खुशी में मनाया जाता है। जब राम लौटे, तो अयोध्यावासियों ने दीपों से शहर को सजाया, जो आज भी इस पर्व की परंपरा का आधार है। जैन धर्म में यह भगवान महावीर के निर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है, जबकि सिख परंपरा में गुरु हरगोबिंद जी की अमृतसर से मुक्ति के रूप में। इसके अलावा, यह लक्ष्मी पूजा का भी पर्व है, जहां धन-समृद्धि की देवी की आराधना की जाती है। भारत के अलावा, नेपाल, श्रीलंका, मलेशिया, इंडोनेशिया, फिजी और मॉरीशस जैसे देशों में भी दीपावली का उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है, जो इसकी वैश्विक अपील को दशार्ता है।

उत्सव की परंपराएं और रीति-रिवाज

दीपावली का उत्सव पांच दिनों तक चलता है: धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली (अमावस्या), अन्नकूट (गोवर्धन पूजा) और भाई दूज। मुख्य दिन पर घरों को साफ-सुथरा कर रंगोली से सजाया जाता है, दीये जलाए जाते हैं, और पटाखों से आकाश जगमगाया जाता है। मिठाइयां, फलाहार और पारंपरिक व्यंजन जैसे लड्डू, काजू कतली, और हलवा साझा किए जाते हैं। यह पर्व परिवारिक एकता, दान-पुण्य और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देता है। आधुनिक समय में दीपावली पर्यावरण संरक्षण के साथ जुड़ गई है, जहां इको-फ्रेंडली पटाखों और प्लास्टिक-मुक्त उत्सव पर जोर दिया जाता है। यह न केवल धार्मिक बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व रखता है, क्योंकि इस दौरान बाजारों में खरीदारी और हस्तशिल्प की बिक्री बढ़ जाती है।

यूनेस्को: वैश्विक सांस्कृतिक संरक्षक

यूनेस्को संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है, जिसकी स्थापना 16 नवंबर 1945 को पेरिस में हुई थी। इसका मुख्यालय पेरिस में स्थित है और इसका उद्देश्य शिक्षा, विज्ञान, संस्कृति और संचार के माध्यम से शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देना है। विश्व में 194 सदस्य देशों के साथ, यूनेस्को की भूमिका सांस्कृतिक विविधता को संरक्षित करने, वैज्ञानिक सहयोग को प्रोत्साहित करने और शिक्षा के प्रसार में महत्वपूर्ण है।

भारत यूनेस्को का संस्थापक सदस्य है और इसके तहत ताजमहल, कोंकण के चालुक्य स्मारक जैसे स्थलों को विश्व धरोहर सूची में स्थान मिला है। अमूर्त धरोहर के क्षेत्र में भी भारत सक्रिय रहा है, जहां रामलीला, चरक संहिता जैसी परंपराओं को मान्यता मिली है। यूनेस्को की ये पहलें न केवल सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करती हैं, बल्कि वैश्विक समझ को भी बढ़ाती हैं।

अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर: अदृश्य लेकिन जीवंत विरासत

अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर का विचार 2003 में यूनेस्को द्वारा अपनाए गए कन्वेंशन से उभरा, जिसका पूरा नाम 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण पर संधि' है। क्छल वे जीवंत परंपराएं हैं जो भौतिक रूप में नहीं दिखतीं, लेकिन समुदायों की पहचान, इतिहास और सामाजिक बंधनों को बनाए रखती हैं। इसमें शामिल हैं: मौखिक परंपराएं और अभिव्यक्तियां: लोककथाएं, गीत, महाकाव्य। कला और प्रदर्शन: नृत्य, संगीत, नाटक। सामाजिक प्रथाएं, रीति-रिवाज और उत्सव: जैसे दीपावली, जो सामाजिक एकता को मजबूत करती हैं। प्रकृति और ब्रह्मांड से संबंधित ज्ञान: पारंपरिक कृषि, चिकित्सा। हस्तशिल्प और परंपरागत कौशल: मिट्टी के बर्तन बनाना, कपड़ा बुनाई। यूनेस्को की प्रतिनिधि सूची में विश्व भर से लगभग 700 तत्व शामिल हैं, जो इनकी वैश्विक महत्व को मान्यता देते हैं। यह सूची न केवल संरक्षण को प्रोत्साहित करती है, बल्कि सतत विकास लक्ष्यों जैसे लिंग समानता, शिक्षा और सामुदायिक कल्याण से जोड़ती है। दीपावली के संदर्भ में, यूनेस्को ने इसे सामाजिक बंधनों को मजबूत करने, पारंपरिक शिल्प को समर्थन देने और उदारता व कल्याण की मूल्यों को बढ़ावा देने वाली धरोहर के रूप में वर्णित किया है।

दीपावली की मान्यता का वैश्विक महत्व

यह मान्यता नई दिल्ली के लाल किले में आयोजित यूनेस्को की 20वीं अंतर-सरकारी समिति की बैठक के दौरान दी गई, जहां 79 देशों के 67 नामांकनों की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे 'भारत के लिए ऐतिहासिक दिन' बताते हुए कहा कि दीपावली हमारी सभ्यता की आत्मा है, जो प्रकाश और धर्म का प्रतीक है।

खर मास, मल मास में अंतर ?

खर मास किसे कहते हैं? खर मास और मल मास में क्या अंतर है? मार्कण्डेय पुराण के अनुसार सूर्य अपने सात घोड़ों के रथ पर बैठ कर पूरे ब्रह्मांड की परिक्रमा करते हैं। इस परिक्रमा के दौरान सूर्य का रथ एक क्षण के लिए भी नहीं रुकता। निरंतर चलने और सूर्य के तेज से घोड़े प्यास तथा थकान से व्याकुल होने लगे। घोड़ों की यह दयनीय दशा देखकर सूर्य देव उन्हें विश्राम देने के लिए और उनकी प्यास बुझाने के उद्देश्य से रथ रुकवाने का विचार करते हैं। इस कार्य में रुकावट उनकी प्रतिज्ञा थी कि वे अपनी इस अनवरत चलने वाली यात्रा में कभी विश्राम नहीं लेंगे। यह विचार करते हुए सूर्यदेव का रथ आगे बढ़ रहा था।कुछ आगे बढ़ने पर सूर्य को एक तालाब के पास दो खर (गधे) दिखाई दिए। उनके मन में विचार आया कि जब तक उनके रथ के घोड़े पानी पीकर विश्राम करते हैं, तब तक इन दोनों खरों को रथ में जोतकर आगे की यात्रा जारी रखी जाए।ऐसा विचार कर सूर्य ने अपने सारथि अरुण को उन दोनों खरों को घोड़ों के स्थान पर जोतने की आज्ञा दी। सूर्य के आदेश पर उनके सारथि ने खरों को रथ में जोत दिया। खर अपनी मंद गति से सूर्य के रथ को लेकर परिक्रमा पथ पर आगे बढ़ गए।मंद गति से रथ चलने के कारण सूर्य का तेज भी मंद होने लगा। सूर्य के रथ को खरों द्वारा खींचने के कारण ही इसे 'खर' मास (16 दिसंबर से आरंभ) कहा गया है। खर मास वर्ष में दो बार आता है। एक, जब सूर्य धनु राशि में होते हैं। दूसरा, जब सूर्य मीन राशि में आते हैं। इस दौरान सूर्य का पूरा प्रभाव यानी तेज पृथ्वी के उत्तरी गोलार्द्ध पर नहीं पड़ता। सूर्य की इस कमजोर स्थिति के कारण ही पृथ्वी पर इस दौरान गृह-प्रवेश, नया घर बनाने, नया वाहन खरीदने, मुंडन, विवाह आदि मांगलिक कार्य वर्जित माने जाते हैं। इस मास में किसी नए कार्य को शुरू नहीं किया जाता।इस मास में सूर्य और बृहस्पति की आराधना विशेष फलदायी होती है। गरुड़ पुराण के अनुसार खर मास में प्राण त्यागने पर सद्गति नहीं मिलती, इसलिए महाभारत के युद्ध में भीष्म पितामह ने अपने प्राण खर मास में नहीं त्यागे थे। उन्होंने सूर्य के उत्तरायण होने का इंतजार किया था। ध्यान देने की बात है कि खर मास और मल मास में अंतर है। सूर्य के धनु और मीन राशि में आने पर खर मास होता है। यह साल में दो बार आता है।मल मास तीन साल में एक बार आता है।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 15 दिसंबर 2025 सोमवार
सूर्योदय - 07:04 सूर्यास्त 17:41
पौष मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 07:30 से 09:00 तक
तिथि - एकादशी 21:21 उपरांत द्वादशी
नक्षत्र - चित्रा 11:09 उपरांत स्वाति
योग - शोभन 12:31 उपरांत अतिगंड
करण - बव
चन्द्रमा - दिन पूर्ण तुला में रहेगा।
मुस्लिम मास - जमादि उस्मानी मास 23 तारिख

मेष- व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। किसी के व्यवहार से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृषभ- नौकरी में अनुकूलता रहेगी। व्यापार में वृद्धि होगी। कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा।

मिथुन- जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

कर्क- किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

सिंह- लेन-देन में सावधानी रखें। शत्रुओं का पराभव होगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

कन्या- भय रहेगा। प्रमाद न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

तुला- व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक- पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें।

धनु- विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। मान-सम्मान मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी।

मकर- जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

कुंभ- रुके हुए कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर सभी अपेक्षित कार्य पूर्ण होंगे। दूसरों के कार्य की जवाबदारी न लें।

मीन- पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। विवाद न करें। कुबुद्धि हावी रहेगी।

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा
(भरदीवाले) 9926034545

समसामयिक

'श्रम संहिता मे बदलाव के मायने और भविष्य की संभावनाएं'

निर्लेश तिवारी
(दैनिक अवन्तिका)

श्रम संहिता लागू होने से सबसे प्रत्यक्ष लाभ सकता है ग्रेच्युटी का। पहले यह एक ही संस्थान मे सतत पांच वर्षो के कार्यकाल के बाद मान्य होती थी। अनेक वर्षो से तीन वर्ष की मांग जारी रही अब यह एक वर्ष की नौकरी पर पर लागू होगी। आमुमन पूर्व मे कर्मचारीयो / श्रमिकों के नौकरी मे पांचवे वर्ष की शुरूआत से ही कंपनी / कॉर्पोरेट्स नियोक्ता ऐसे लक्ष्य और परिस्थितियाँ निर्मित करते रहे की वह स्वयं ही सेवाओ से इस्तीफा देवे या बगैर चार्जशीट उन्हे बर्खास्त / रद्द कर दिया जावे। दवा उद्योग के विपणन विभाग मे दशकों से इसकी अधिकता देखी जाती रही है। अब यह नही होगा चूंकि प्रोबेशन पीरियड एवं नियुक्ति पत्र मिलने तक ही एक वर्ष के लगभग नौकरी हो चुकी रहेगी तो ग्रेच्युटी का नियम कारगर हो सकेगा। सरकारी एजेंसियों की सतर्कता भी जरूरी होगी। नियोक्ता अगर आउटसोर्सिंग के माध्यम से रोजगार मुहैय्या करवाता है तो ठेकेदार के गायब/ ब्लैकलिस्टेड होने पर कर्मचारी को ग्रेच्युटी कैसे मिलेगी। अर्नेस्ट मनी को यहाँ तरलता मे लिया जा सकता है ताकि ग्रेच्युटी राशि का भुगतान कर खाते चुकता हो सके। वर्तमान मे श्रम न्यायलय मे औध्योगिक विवाद अधिनियम (आई. डी .एक्ट) मे आवेदक/कर्मचारी स्वयं प्रस्तुत होकर वाद में पैरवी करने हेतु अधिकृत है । देशभर मे लाखों मामले लंबित है। अब ये सभी मामले सिविल कोर्ट मे जायेंगे जहाँ अदालतो का बोझ और श्रमिकों का वकील खर्च बढ़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता । हालांकि सभी नियम 1 अप्रेल 2026 से प्रभावशाली रहेंगे। नियोक्ता की मनमानी और वेतन भत्ते मे कमी, मिनिमम वेजेस एक्ट का पालन न करने और स्थांततारण आदि मामलों मे अधिकृत व पंजियत ट्रेड यूनियन/ इंटरनल काउसिल की महती भूमिका होती थी। आगे इन यूनियनो का भविष्य क्या होगा ये तय नही है। यूनियन की मान्यता के लिए संस्थान के 51 सदस्यों का सदस्य होना जरूरी रहेगा। मूल वेतन 18000 से अधिक तनख्वाह प्राप्त करने वाले कर्मचारी नियमानूसार स्वतः ही ट्रेड एक्टिविस्ट के स्लेब से बाहर माने जायेंगे और ट्रेड यूनियन मध्यस्थता नहीं कर सकेगी। ओबिंट्रेशन को खत्म माना जायेगा। तदापि नियोक्ता/प्रबंधन के अधिकार बढ़ेंगे। निःशुल्क वार्षिक स्वास्थ्य जाँच तथा जोखिम संबंधी मामलों मे 100 स्वास्थ्य सुरक्षा जैसे नियमो मे बदलाव श्रमिकों के लिए जरूर श्रेयस्कर रहेंगे। महिला श्रमिकों के लिए समान अवसर और वेतन का तात्पर्य पुरुषो महिलाओ को समान कार्य हेतु समान वेतन की मांग लम्बे समय से रही है यह संशोधन / बदलाव स्वागतयोग्य है।

जीना चाहता हूँ

सबकी जरूरत से ज्यादा परवाह की,
अपनी चाहतों की एक धार बलि दी,
परवाह मुझ पर बहुत ज्यादा हावी हो गई,
जिंदगी की मिठास कहीं एकदम खो गई ।
अपने को यूँ गुमसुम कर भूलता चला गया,
अधूरापन जीवन का बढ़ता ही चला गया,
दुनिया की हाजरी लगाते लगाते अब थक गया,
जीवन का अधिकांश वक्त रेत की तरह फिसल गया ।
ऐ जिंदगी ! अब मुझ पर तू थोड़ा तो रहम कर,
इतना अब और न ज्यादा सुन सितम कर,
चाहे रूठे भले मुझसे अब ये जमाना सारा,
या बेरूखी देख मेरी कर ले मुझसे कोई किनारा ।

मोनिका डागा

सर्दियों में कौन-से विटामिन की कमी से लगती है ज्यादा ठंड

सर्दी का मौसम शुरू होते ही अगर आपको आसपास के लोगों की तुलना में ज्यादा ठंड महसूस होने लगती है, तो इसके पीछे शरीर में किसी महत्वपूर्ण पोषक तत्व की कमी जिम्मेदार हो सकती है। खासतौर पर कुछ विटामिन और मिनरल्स की कमी शरीर के तापमान को संतुलित रखने में बाधा डालती है, जिससे ठंड अधिक लगने लगती है। जानिए, कौन-सा विटामिन कम होने पर ठंड ज्यादा महसूस होती है।

कुछ लोगों को सर्दियो में सबसे ज्यादा ठंड लगती है। अक्सर हाथ-पैर भी ठंडे रहते हैं। ऐसे लोग सर्दियों में हीटर के सामने ही दिन बिताते हैं या फिर रजाई में लेटे रहते हैं। यदि आपको भी इस मौसम में ठिठुरन वाली ठंड लगती हैं, तो यह लेख आपके लिए है। यदि आपके साथ भी ऐसा है तो यह गलती सर्दी की नहीं, बल्कि आपके शरीर में हो रही कमियों का परिणाम भी हो सकता है। शरीर में कुछ विटामिनों की कमी से व्यक्ति को ठंड ज्यादा लगती है। खासतौर पर बॉडी में रेड ब्लड सेल्स की कमी के कारण भी ठंड ज्यादा लगती है। क्योंकि यह शरीर के टिश्यूज को ऑक्सीजन पहुंचाते हैं। पूरे शरीर में कोशिकाओं को हीट देने और शरीर का टेंपरेचर बनाए रखने वाली मेटाबॉलिज्म प्रोसेस के लिए इस ऑक्सीजन की जरुरत होती है। अगर शरीर में विटामिन की कमी होती है तो रेड ब्लड सेल्स कम हो जाते हैं। जिस वजह से बाकी लोगों की तुलना में आपको ठंड ज्यादा लगती है। जानिए किस विटामिन की कमी से लगती है सर्दी।

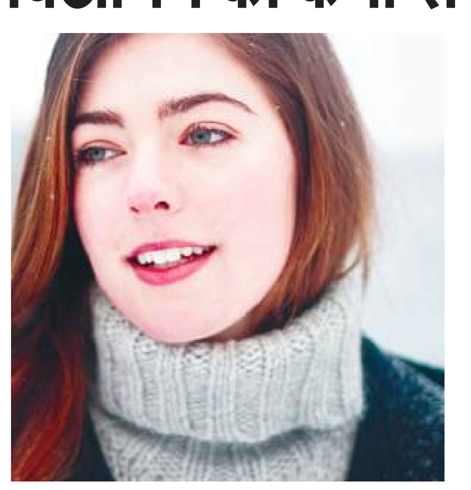

विटामिन बी12 की कमी

जिन लोगों की बॉडी में विटामिन बी 12 कमी होती या फिर मेगा लो ब्लास्टिक एनीमिया की शिकायत होती है। ऐसे लोगों के रेड ब्लड सेल्स की संख्या कम हो जाती है और उनका आकार नॉर्मल से ज्यादा बढ़ जाता है। जिस वजह से ठंड के प्रति शरीर सेंसेटिव हो जाता है। इसलिए विटामिन बी 12 की कमी को दूर करें। अच्छी डाइट का सेवन करें।

फोलेट की कमी

आपको बता दें कि, फोलेट को विटामिन बी 9 के नाम से जाना जाता है। फोलेट की कमी होने से व्यक्ति को ठंड ज्यादा लगती है। हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, फोलेट शरीर में स्ट्रांग रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करता है। जब शरीर में पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी 9 यानी फोलेट की मात्रा नहीं होगी तो विटामिन 12 की कमी स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

आयरन की कमी

ज्यादा ठंड लगने के पीछे का कारण केवल विटामिन की कमी ही नहीं, बल्कि अक्सर आयरन की कमी से भी अधिक ठंड लगती है? महिलाओं में आयरन की कमी सबसे ज्यादा देखने को मिलती है। आयरन की कमी शरीर में होने वाले एनीमिया में बॉडी में रेड ब्लड सेल्स के निर्माण के लिए भरपूर मात्रा आयरन नहीं होता है। खून (हीमोग्लोबिन) के निर्माण के लिए सबसे जरुरी आयरन होता है। आप भी ठंड से बचने के लिए आयरन रिच फूड्स का सेवन जरुर करें।

धर्म-आस्था

कलावा का पवित्र सूत्र: रक्षा, संकल्प और श्रद्धा का संगम

अजयकुमार बियाणी
(दैनिक अवन्तिका)

मौली या कलावा हमारे धर्मझसंस्कारों का वह पवित्र सूत्र है, जो युगों से हिन्दू जीवन का अभिन्न हिस्सा बना हुआ है। कलाई पर बंधने वाला यह साधारण-सा धागा केवल एक वस्तु नहीं, बल्कि संकल्प, श्रद्धा, रक्षा और सकारात्मक ऊर्जा का अदृश्य कवच है। हमारे पूर्वजों ने इसे केवल धार्मिक कारणों से नहीं अपनाया, बल्कि इसके भीतर आध्यात्मिक, मनोवैज्ञानिक और शरीर-विज्ञान से जुड़ा एक गहन सत्य छिपा है। जब भी हम किसी शुभ कार्य की शुरूआत करते हैं—पूजा, हवन, संस्कार, यात्रा, गृह प्रवेश, नई वस्तु का उपयोग—सभी में सबसे पहले इस पवित्र धागे की उपस्थिति सुनिश्चित की जाती है।

मौली का अर्थ ही श्रेष्ठता, ऊँचाई और पवित्रता का द्योतक है। इसे उपमणिबंध भी कहा गया है, क्योंकि यह मनुष्य के मणिबंध—अर्थात कलाई—पर बांधा जाता है, जहाँ जीवनरेखा और भाग्यरेखा का उद्गम है। शंकर भगवान के जटाजूट में चन्द्रमा सुशोभित होने के कारण उन्हें चंद्रमौलि कहा जाता है, जो यह संकेत देता है कि मौली जैसी वस्तु देवत्व के निकटतम है।

वैदिक परंपरा में मौली का उपयोग यज्ञ से आरम्भ हुआ, पर यह रक्षा-सूत्र के रूप में तब प्रतिष्ठित हुई जब दानवीर राजा बलि की कलाई पर भगवान वामन ने धागा बांधकर उनके वचन और अमरता का संकल्प लिया। देवी लक्ष्मी ने भी बलि को रक्षा-सूत्र बांधकर धर्म और मयार्दा की रक्षा के लिए यह बंधन बनाया। तभी से यह धागा रक्षाबंधन का भी प्रतीक बन गया—एक ऐसा धागा, जिसमें स्नेह, कर्तव्य और परस्पर विश्वास की दिव्यता निहित है। मौली आमतौर पर कच्चे धागे से बनाई जाती है, जिसमें तीन रंग—लाल, पीला और हरा—प्रमुख होते हैं। कभी-कभी पाँच रंगों वाली मौली भी उपयोग में लाई जाती है, जिसमें सफेद और नीला रंग भी सम्मिलित होता है। यह तीन रंग त्रिदेव और पाँच रंग पंचदेव का प्रतीक माने गए हैं। इस प्रकार मौली स्वयं में देवबल का सार समेटे होती है।

हमारे समाज में मौली केवल कलाई तक सीमित नहीं है। इसे गले, कमर, नए वाहन, घर में लाई गई वस्तुओं, पूजा के कलश, गाय-भैंस, बैलों, यहाँ तक कि खेतों के बीज तक में बांधा जाता है। मंदिरों में मन्नत मानते समय लोग किसी वृक्ष या मंदिर परिसर के स्थान पर मौली बांधते हैं और मनोकामना पूर्ण होने पर इसे खोल देते हैं। यह धागा इस विश्वास का मूर्त रूप है कि हमारी प्रार्थना किसी देवबल से सीधे जुड़ रही है।

मौली बांधने के नियम भी उतने ही स्पष्ट हैं। पुरुष और अविवाहित कन्याएँ इसे दाएँ हाथ में बांधती हैं, जबकि विवाहित स्त्रियों के लिए बाएँ हाथ का विधान है। मौली बांधते समय मुट्ठी बंद रखनी चाहिए और दूसरा हाथ सिर पर होना चाहिए, जिससे संकल्प स्थिर और दृढ़ बने। इसे तीन बार लपेटना श्रेष्ठ माना गया है, क्योंकि यह त्रिदेव और त्रिशक्ति की स्मृति का प्रतीक है।

किसी भी दिन मौली बांधी जा सकती है, परंतु मंगलवार और शनिवार का दिन विशेष रूप से शुभ माना गया है। इन दिनों पुरानी मौली को उतारकर नई मौली बांधना हितकर है। पुरानी मौली को पीपल वृक्ष के नीचे रखना या बहते जल में प्रवाहित करना उचित माना गया है। पर्व, त्यौहार, विवाह, यज्ञ, नामकरण, गृह प्रवेश और हर शुभ अवसर पर मौली बांधने की परंपरा आज भी उतनी ही जीवंत है जितनी हजारों वर्ष पूर्व थी।

मौली बांधने का आध्यात्मिक पक्ष अत्यंत महत्वपूर्ण है। शास्त्रों में कहा गया है कि इससे ब्रह्मा, विष्णु और महेश की कृपा प्राप्त होती है। ब्रह्मा की कृपा से कीर्ति, विष्णु से रक्षा और शिव से दोषों का नाश होता है। लक्ष्मी से धन, पार्वती से शक्ति और सरस्वती से ज्ञान की प्राप्ति होती है। इस कारण जब मौली बांधी जाती है, तब यह केवल धागा नहीं, बल्कि देवत्व का आह्वान बन जाती है। मौली बांधकर किया गया संकल्प पवित्र माना गया है और उसका पालन करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यह धागा उस संकल्प का मौन साक्षी होता है।

कलाई पर मौली बांधने का वैज्ञानिक आधार भी उतना ही प्रबल है। कलाई में स्थित मणिबंध तीन रेखाओं से मिलकर बना होता है, जो दैहिक, दैविक और भौतिक कष्टों को नियंत्रित करने की क्षमता रखते हैं। इन रेखाओं में ऊर्जा का प्रवाह शरीर के अनेक अंगों को प्रभावित करता है। मौली बांधने से कलाई पर हल्का दवाव बनता है, जिससे शरीर की ऊजाएँ संतुलित रहती हैं। रक्तसंचार सुचारु होता है और मौली मनुष्य की ऊर्जा को अनावश्यक बहने से रोकती है। माना जाता है कि इससे रक्तचाप, मधुमेह, हृदय संबंधी विकारों और लकवे जैसी स्थितियों में भी लाभ होता है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5750 डंकी, चना 4800 से 5000 विशाल, 8100 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से ,5500 से 5550 मसूर 6000, 2675 लोकवन 2850 से 2900, महाराष्ट्र सफेद 6500 से 6600, पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज, , महाराष्ट्र लाल 6600 से 6800, 2750 से 2775 मक्का 1550, कर्नाटक 6700 से 6900 तुअर, से 1600 चना दाल 7300 से निमारी 6200 से 6600 मूंग बेस्ट 7400 मीडियम 7500 से 7600 गर्मी 7800 से 8200 मूंग बेस्ट बेस्ट 7800 से 8000 तुअर दाल 7100 से 7200 मीडियम बोल्ड 8100 से 8300 एवरेज 8300 से 8400 बेस्ट 9100 से 6500 से 6700 मोगर 5500 9200 एक्स्ट्रा बेस्ट 10000 से से 6500 उड़द बोल्ड 7000 से 10100 ब्रांडेड 10700 मूंग दाल 7200 एवरेज 6200 से 6500 9100 से 9200 बेस्ट 9600 हल्का उड़द 3000 से 5000 से 9800 मूंग मोगर 9600 से काबुली डॉलर 8000 से 8500 9700 बेस्ट 1000 से 10200 काबुली रशियन 5500 से 5700 बिटकी 5100 से 5300 सरसों उड़द दाल 8600 से 8800 बेस्ट (मीडियम) 8000 से 8200 9000 से 9200 उड़द मोगर निमाड़ी 8400 से 8500 रायड़ा 9800 से 1000 बेस्ट 10100 6200 से 6400 सोयाबीन 4300 से 10200 मसूर दाल 7450 से से 4500 अलसी 8200 से 8500 7550 बेस्ट 7650 से 7750 रुपए तिल्ली 8000 से 9000 टोली 4000 से 4200 तिल्ली 8000 से पति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1300 से 1500 आलू चिप्स 1500 से 1900 ज्योति पुराना 1000 से 1500 राशन आलू 900 से 1100 गुल्ला 300 से 700, प्याज महाराष्ट्र 1600 से 1900 प्याज लोकल 1000 से 1400 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 600 से 800 गोल्टी 300 से 500 , लहसुन सुपर बोल्ड 7000 से 7500 मीडियम 4000 से 5000 बारीक 3000 से 4500 रुपए प्रति क्विंटल

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2250-2950, चना काबली- 3026-8251, चना बड़ा- 4749-5790, बटला- 2400-4150, राई- 6260, सोयाबीन- 1875-5551, राजमा- 6500, मावा- 280 प्रतिकिलो। सोना-चाँदी- सोना-स्टेण्डर्ड- 1,31,800, रवा- 1,319,600 चांदी-टंच- 1,85,500 पाट- 1,84,800।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास
152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130,तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।
editor.awantika@gmail.com

किसानों के खेतों में पहुंच मोहनपुरा परियोजना सिंचाई का पानी किसान खुश

सारंगपुर। मोहनपुरा सिंचाई परियोजना देश की ऐसी पहली ऐसी परियोजना है जिससे प्रेशर से खेतों में सिंचाई की जाएगी। भ्याना क्षेत्र में मोहनपुरा परियोजना से सिंचाई का पानी छोडने के कारण किसान खुश हैं, क्योंकि यह परियोजना उनके खेतों तक पानी पहुंचाकर उनकी समृद्धि और खुशहाली का आधार बन रही है। इस परियोजना के तहत किसानों को अब अपने खेतों में पानी मिलेगा, जिससे वे खेती-किसानी कर सकेंगे और पलायन की मजबूरी से बचेंगे। मोहनपुरा परियोजना देश की पहली ऐसी परियोजना है जो प्रेशरयुक्त पाइपलाइन से खेतों की सिंचाई करेगी, जो भविष्य में सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को अपनाने का मार्ग प्रशस्त करेगी। यह परियोजना हर खेत तक पानी पहुंचाने का लक्ष्य रखती है, जिससे फसल उत्पादन में सुधार होगा और क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि बढेगी। इन अधिकारियों की मेहनत से पूछा किसानों के खेतों में पानी एसडीओ केसीराम सिसोदिया, इंजीनियर दत्ता पाटिल, सुपरवाइजर अरुण प्रताप सिंह तथा सुपरवाइजर अजय चौहान किसान ने इन अधिकारियों को दिया धन्यवाद।

रामलीला मैदान की महारैली में शामिल होनेकांग्रेस कार्यकर्ता रवाना

सुसनेर। विधायक भैरो सिंह बापू के नेतृत्व में शनिवार को करीब 5 बसों के माध्यम से लगभग 500 कार्यकर्ता दिल्ली के लिए रवाना हुए। यह जत्था नई दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित लोकतंत्र बचाओ महारैली में सहभागिता के लिए प्रस्थान किया। रवाना होने से पूर्व कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला और नारेबाजी के साथ बसों को विदा किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

तनु ने सीनियर महिला कुश्ती में जीता ब्रॉन्ज, अहमदाबाद में म.प्र. का किया प्रतिनिधित्व

खातेगाँव। खातेगांव के ग्राम बोरदा की तनु जाट ने कांस्य पदक जीता है। उन्होंने गुजरात के अहमदाबाद में हुए सीनियर महिला कुश्ती प्रतियोगिता में यह पदक जीता है। उन्होंने 68 किलोग्राम भार वर्ग में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। स्पोर्ट्स कोच योगेश जाणी ने बताया कि तनु ने अपने खेल सफर की शुरूआत मॉडल स्कूल खातेगांव में कक्षा दसवीं से की थी। शुरूआत में उन्होंने वेटलिफ्टिंग का प्रशिक्षण लिया और संभागीय स्तरीय प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। लगभग छह महीने तक वेटलिफ्टिंग की नियमित तैयारी के बाद, उनकी शारीरिक क्षमता और संभावनाओं को देखते हुए दसवीं की परीक्षा के बाद उन्हें कुश्ती में प्रशिक्षण देना शुरू किया गया। कुश्ती में कदम रखते ही तनु ने शानदार प्रदर्शन किया और पहले ही साल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। इसके बाद उन्होंने स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत दिल्ली में आयोजित नेशनल गेम्स में मध्य प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व किया। बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण करते-करते वह दो बार प्रदेश का नेतृत्व कर चुकी थीं।

उज्जैन में हुई प्रतियोगिता में जीता गोल्ड

इससे पहले 6 से 7 दिसंबर को उज्जैन में आयोजित प्रतियोगिता में तनु ने देवास जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीता था। इस जीत ने उन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुनिश्चित कराया था।

हाईकोर्ट के आदेश पर नगरपालिका के पूर्व 5 पदाधिकारियों पर दूसरे प्रकरण में फिर गिरी गाज

गुना। उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में नगर पालिका परिषद गुना द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। बांसखेड़ी मुक्तिधाम के पास गौशाला हेतु टीनशेड निर्माण कार्य में हुई अनियमितताओं को लेकर तत्कालीन अध्यक्ष, मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ), कार्यपालन यंत्री, उपयंत्री एवं शाखा लिपिक को दोषी मानते हुए कुल 24,96,086 रुपये की वसूली के आदेश जारी किए गए हैं। दरअसल नगर पालिका परिषद गुना से जारी आदेश के अनुसार इस मामले में तत्कालीन अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सलूजा, तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी पी.एस. बुदेला, तत्कालीन कार्यपालन यंत्री राकेश बिहारी गुप्ता, तत्कालीन उपयंत्री हरीश श्रीवास्तव एवं तत्कालीन शाखा लिपिक अशोक श्रीवास्तव के नाम शामिल हैं। उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के पालन में सीएमओ द्वारा उक्त सभी को निर्माण कार्य में हुई लागत राशि की वसूली के निर्देश दिए गए हैं। बताया गया है कि पूर्व में कराए गए टीनशेड निर्माण कार्य की माप वर्तमान में पदस्थ तकनीकी अधिकारियों द्वारा की गई, जिसके आधार पर कर बिल तैयार किया गया। तकनीकी जांच एवं मापन के अनुसार उक्त निर्माण कार्य पर कुल 24,96,086 रुपये की राशि व्यय होना पाया गया है। इसी राशि की वसूली संबंधित तत्कालीन पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों से किए जाने के आदेश जारी किए गए हैं। उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश के पालन में वर्तमान प्रभारी सीएमओ गुना डिप्टी कलेक्टर सुश्री मंजूषा खत्री ने उक्त वसूली आदेश में 7 दिवस का अल्टीमेटम दिया है, अन्यथा की स्थिति में वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

एमपीएस ग्रुप द्वारा आयोजित इनो-फेस्ट प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ महिदपुर

महिदपुर नगर के प्रतिष्ठित एजुकेशन ग्रुप एमपीएस द्वारा शनिवार को इनो-फेस्ट प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, गणित, हिंदी, अंग्रेजी सहित विभिन्न विषयों पर विद्यार्थियों द्वारा लगभग 85 प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए गए, जिनमें वर्किंग एवं नॉन-वर्किंग दोनों प्रकार के मॉडल शामिल रहे।

प्रदर्शनी का उद्घाटन क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक दिनेश जैन बॉस ने फीता काटकर किया। उद्घाटन अवसर पर उनके साथ पत्रकार अरुण बुरड़, अभिभाषक संघ के सचिव शंकर तोमर तथा त्रिस्तुतिक जैन श्रीसंघ के पूर्व अध्यक्ष मुकेश बांठिया अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत विधायक बॉस द्वारा ज्ञान की देवी मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात एमपीएस ग्रुप के संरक्षक शांतिलाल छजलानी, डायरेक्टर आशुतोष छजलानी, एमपीएस एकेडमी की प्राचार्य सपना जैन, उप-प्राचार्य नीलांजना चोपड़ा तथा एमपीएचएसएस के प्राचार्य शहीद खान ने अतिथियों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया।

उद्घाटन के बाद अतिथियों, अभिभावकों एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए प्रोजेक्ट्स का अवलोकन किया तथा बच्चों से उनके प्रोजेक्ट्स की कार्यप्रणाली एवं उपयोगिता के बारे में जानकारी प्राप्त की। विधायक दिनेश जैन बॉस ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों की सराहना करते हुए उन्हें अपने नवाचारों का भविष्य में आर्थिक विकास एवं आत्मनिर्भरता के लिए उपयोग करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वे यहां एक विधायक के रूप में नहीं, बल्कि एक विषय से जुड़े व्यक्ति के रूप में आए हैं और यह देखकर प्रसन्नता होती है कि महिदपुर क्षेत्र की युवा पीढ़ी प्राकृतिक ऊर्जा के उपयोग को समझ रही है। प्रदर्शनी में चंद्रयान, एटीएम मशीन, स्मार्ट सिटी, क्रिसमस कार्निवल एवं न्यूक्लियर प्लांट जैसे प्रोजेक्ट विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। यह प्रदर्शनी सायं 5 बजे तक चली, जिसमें नगर के पार्षद सुदीप चोपड़ा, अभिभाषक संघ के कोषाध्यक्ष वैभव चोपड़ा, डॉ. देवड़ा, चमन सोनी, लखन आंजना, आशुतोष दीक्षित, मयंक चोपड़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता की।

विद्यार्थियों की मेहनत और प्रतिभा से प्रभावित होकर एक बालिका के अभिभावक ने बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप शिक्षण सामग्री भेंट कर उनका सम्मान किया। इनो-फेस्ट के सफल आयोजन में समिति सदस्य अभिवर्धन स्तुत्य, कैंपस कोऑर्डिनेटर मोनिका सिसोदिया, पीईटी दीपक कुमावत तथा शिक्षकों में प्रेरणा चावड़ा, कुशल सिसोदिया, सुष्मिता देय, एग्वार सहित समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ओबीसी महासभा ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

गुना। देश में संविधान लागू हुए लगभग 75 वर्ष बीत जाने के पश्चात भी अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) अनुसूचित जाति, जनजाति को समान अधिकार, सामाजिक सुरक्षा, न्याय तथा सम्मान पूर्वक जीवन जीने हेतु अनेक स्तरों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। समय-समय पर समाज में विभाजनकारी शक्तियाँ सामाजिक सौहार्द एवं संविधानिक मर्यादाओं को ठेस पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। इन्हीं मुद्दों को लेकर शनिवार को ओबीसी महासभा के संयुक्त तत्वावधान में महामहिम राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। दरअसल ओबीसी महासभा के बैनर तले जिला प्रशासन को सौंपे गए ज्ञापन में अजाक्स, भीम आर्मी, जयस एवं अन्य सामाजिक संगठनों की संयुक्त भागीदारी रही। जिसमें यह भी उल्लेख किया है कि अनुसूचित जाति, जनजाति आपके माध्यम से निम्न बिंदुओं पर गंभीर विचार एवं त्वरित कार्यवाही की अपेक्षा करती है जिसमें ओबीसी महासभा की प्रमुख मांगे शामिल हैं। जिम्मे अन्य पिछड़ा वर्ग को सामाजिक सुरक्षा एवं संवैधानिक संरक्षण प्रदान करने हेतु ₹पिछड़ा वर्ग अत्याचार निरोधक अधिनियम₹ (बैकवर्ड क्लास एट्रोसिटीज प्रिवेंशन एक्ट) का गठन किया जाए, जिससे इस वर्ग के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। वहीं दूसरी ये है कि आईएएस संतोष वर्मा ने अपने समूचे प्रशासनिक जीवन में सामाजिक न्याय, समान अवसर और पिछड़े वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य किया है। वर्तमान विवाद में उनके वक्तव्य को वास्तविक संदर्भ से हटाकर देखा गया है, जिससे एक समर्पित अधिकारी की छवि प्रभावित हुई है।

दो महीने से बंद पड़ी शुद्ध पेयजल नल योजना से नगर वासी परेशान

निजी पैसा खर्च कर डलवा रहे हैं पानी

नगर परिषद एवं जनप्रतिनिधि नहीं दे रहे ध्यान

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खिलचीपुर

खिलचीपुर नगर में इमली स्टैंड छोटी पुलिया के नीचे पीने योग्य नल जल पाइपलाइन पिछले दो महिनों से बंद पड़ी हुई है जिसको लेकर जिम्मेदार नगर परिषद प्रशासन अधिकारी जल प्रभारी एवं जनप्रतिनिधि कोई भी इस और ध्यान नहीं दे रहे हैं, नतीजा आसपास के वार्डवासी एवं नगर की आम जनता महिलाएं परेशान होकर इधर-उधर दूर दराज भटकते हुए ट्यूबवेल, कुआं बावड़ी से, निजी पैसा खर्च कर जल डलवाने को मजबूर है। नतीजा नगर परिषद की उदासीनता लापरवाही का । इस विषय में वार्ड नंबर 13 के पार्षद प्रतिनिधि ललित वर्मा का कहना कि हमने नगर परिषद में इसको लेकर मौखिक शिकायत कर रखी। फतेहपुर शासकीय कुवे से इस पाइप लाइन में जलप्रदाय होता है। जहां पर विद्युत विभाग के अधिकारी के द्वारा फेस काट रखा है जिस कारण पानी की मोटर बंद है, इस लिए जयप्रदाएं नहीं हो पा रहा है, हमने विधुत केंद्र में भी शिकायत की है परंतु अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। इस नल से हजारों लोग पीने में पानी का उपयोग प्रतिदिन करते हैं।

इनका कहना है

आपके द्वारा जो समस्या बताई जा रही है मैं एक बार कर्मचारियों को भेजकर दिखवा लेती हूं।

ज्योति सुनहरे नपा प्रभारी सीएमओ खिलचीपुर।

नगर परिषद के द्वारा हमारे पास शिकायती कंप्लेंट आई थी हमने वहां की लाईन फेस ठिक करवा दिया था, दोबारा हमारे पास इस मामले में कोई कंप्लेंट नहीं आई है।

आलोक सिंह बघेल जेई कनिष्ठ अभियंता विद्युत विभाग खिलचीपुर।

नई सीएमओ को निर्देशित कर जल्द ही, जल संबंधित समस्या को दुरुस्त करवाया जाएगा।

शीतल विजय शर्मा उपाध्यक्ष प्रतिनिधि खिलचीपुर।

डेढ़ साल से अलग रह रहे पति-पत्नी का विवाद खत्म

नेशनल लोक अदालत में जज ने पौधा भेंट कर कराया समझौता, दोनों खुशी-खुशी गये

दैनिक अवन्तिका ▸▸ खातेगांव

खातेगांव न्यायालय परिसर में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पमाल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

नेशनल लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित और प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का आपसी सहमति और समझौते के माध्यम से त्वरित निराकरण करना था। इसमें आपराधिक, सिविल, विद्युत अधिनियम, श्रम, मोटर दुर्घटना दावा, चेक बाउंस (निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट) और कुटुम्ब न्यायालय से संबंधित विभिन्न प्रकार के प्रकरणों पर सुनवाई की गई।

इस लोक अदालत में एक महत्वपूर्ण मामला डेढ़ साल से अलग रह रहे पति किशोर और पत्नी संगीता का था। न्यायाधीश राधा उईके के प्रयासों से दोनों ने अपने आपसी विवाद को समाप्त कर साथ रहने का निर्णय लिया। इस दौरान दंपति ने एक-दूसरे को माला पहनाई और न्यायाधीश उईके ने उन्हें एक पौधा भेंट कर शुभकामनाएं दीं। एडवोकेट बृजेश धनकर और नवीन जगताप ने उन्हें न्यायालय परिसर से घर के लिए विदा किया।

नेशनल लोक अदालत के दौरान कुल 120 प्रकरणों का निराकरण किया गया। द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के न्यायालय में 12 प्रकरणों का निपटारा कर 4 लाख 61 हजार रुपये की वसूली हुई, जिससे 24 लोगों को लाभ मिला। व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड के न्यायालय में 71 प्रकरणों का निराकरण कर 10 लाख 48 हजार 611 रुपये की वसूली की गई, जिससे 189 लाभार्थियों को राहत मिली।

वहीं, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड के न्यायालय में 37 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 5 लाख 11 हजार रुपये की वसूली की गई, जिससे 50 लोगों को लाभ प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, नगर परिषद खातेगांव द्वारा जलकर और संपत्ति कर मद से 2 लाख 30 हजार 16 रुपये की वसूली की गई।

इस अवसर पर द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश विवेक शिवहरे, प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सीता कन्नौजे, व्यवहार न्यायाधीश राधा उईके और व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड तनिष्का वैष्णव उपस्थित रहे। शासकीय अभिभाषक अमित दुबे, खातेगांव बार एसोसिएशन के पदाधिकारी और बैंक अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

राजस्व न्यायालय के स्थानांतरण को लेकर आपत्ति ज्ञापन सौंपा

खाचरोद। अभिभाषक संघ द्वारा राजस्व न्यायालय को आईटीआई कॉलेज स्थानांतरण के आदेश को लेकर आपत्ति ज्ञापन जिलाकलेक्टर के नाम अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पर सौंपा गया। ज्ञापन का वाचन मनीष शर्मा द्वारा करते हुवे बताया गया कि राजस्व न्यायालय का स्थानांतरण को लेकर बताया गया कि आईटीआई कॉलेन नागदा रोड़ पर मटरमंडी का कार्य और कॉलेज में 170 छात्रो के शिक्षण की व्यवस्था होने व पर्याप्त भवन नही होने से आमजन व कृषकगण को असुविधा होगी। अतः आईटीआई कॉलेज मे स्थानांतरण को रोककर न्यायालय के आसपास ही राजस्व कार्यालयो का संचालन किया गया। राजस्व कार्यालय से प्राप्त जानकारीनुसार सभी पक्षकारो को सोमवार की तारीख दी गई जिसमें स्पष्ट रूप से आईटीआई कॉलेज का स्थान दिया गया। ज्ञापन के अवसर पर अभिभाषक संध अध्यक्ष प्रवीण पण्ड्या, सिराज मिर्जा, रवि मुकाती, सुनील मालवीय, कैलाश खमोरीया, संतोष बरखेड़ावाला मौजूद रहे।

सोयाबीन बेचने के 26 दिन बाद भी 5712 किसानों के खातों में अब तक नहीं पहुंची भावांतर की राशि

सारंगपुर। भावांतर योजना के तहत सोयाबीन बेचने के बाद भी सारंगपुर मंडी के 5712 किसानों को अब तक भावांतर राशि का भुगतान नहीं हुआ है। इन किसानों ने 18 नवंबर से 9 दिसंबर के बीच मंडी में सोयाबीन बेचा था। इसके पहले 17 नवंबर तक भावांतर में फसल बेचने वाले 4131 किसानों को कुल 5 करोड 57 लाख 216 रुपए की राशि किसानों के खातों में पहुंची है। इसके बाद की राशि नहीं मिलने से किसान नाराज और परेशान हैं। दरअसल सरकार ने 24 अक्टूबर से योजना लागू की थी। इसका मकसद था कि किसानों को एमएसपी से कम दाम न मिले। मंडी में दाम कम होने पर एमएसपी और मॉडल रेट के अंतर की राशि डीबीटी के जरिए किसानों को दी जाती है। मंडी समिति के अनुसार 24 अक्टूबर से 9 दिसंबर तक 9 हजार 858 पंजीकृत किसानों ने एक लाख 40 हजार 552 क्विंटल सोयाबीन बेचा।

संत के सानिध्य में सकल दिगम्बर जैन समाज व जैन युवा संगठन को तत्वावधान में होगा आयोजन

पार्श्वनाथ के जन्मोत्सव पर आज नगर में छाएगी खुशिया

सुसनेर। जैनधर्म के 8वें तीर्थंकर भगवान चंद्रप्रभु एवं 23वें तीर्थकर भगवान पार्श्वनाथ का जन्म एवं तप कल्याणक दिवस एवं रथयात्रा व श्री 1008 श्री आदिनाथ,भरत एवं बाहुबली भगवान का महामस्काभिषेक महोत्सव जैन धर्मावलंबियों द्वारा आज सोमवार को भक्तिभाव से मनाया जाएगा। जैन युवा संगठन के योगेश जैन ने बताया कि इस मौके पर नगर के दिगंबर जैन मंदिरों सहित इतवारिया बाजार स्थित अतिशयकारी श्री 1008 चिन्तामणी पार्श्वनाथ दिगंबर जैन बडा मंदिर जी मे विशेष आयोजन होगे। गणधर मुनिश्री 108 विवर्धन सागर जी महाराज, मुनिश्री 108 विश्वनाथक जी महाराज के संघस्थ मुनियों का सान्निध्य समाज को प्राप्त होगा । इस मौके पर पौष कृष्णा एकादशी,सोमवार को प्रातः दिगंबर जैन मंदिरों में मंत्रोच्चार के साथ जयकारों के बीच दोनों तीर्थंकरों की अष्टद्रव्य से विशेष पूजा अर्चना की जाएगी एवं कल्याणक दिवसों के अर्घ्य चढाए जाएगे। मंदिरो में सामूहिक पूजा विधान भी होगे। इससे पूर्व श्रीजी के अभिषेक एवं विश्व में सुख समृद्धि एवं शांति की मंगल भावना के साथ शांतिधारा जाएगी। मंदिरों में प्रातः एवं सायंकाल भगवान चंद्रप्रभु एवं पार्श्वनाथ की महाआरती की जाएगी। आयोजन में सोधर्म इन्द्र के रूप में विकांत जैन एवं इंद्राणी के रूप में श्रीमति याशिका जैन हाथी पर सवार होगें। शोभायात्रा के दौरान जयपुर की मशहूर सिंगर राजनंदनी भजनों की प्रस्तुति देगी।

शासकीय भूमि पर सख्ती

अतिक्रमण पर चला प्रशासन का बुलडोजर, हटाई अवैध गुमटियां

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

नगर परिषद एवं प्रशासन द्वारा शनिवार को शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आगर रोड स्थित तहसील परिसर के समीप रखी गई अवैध गुमटियों को जेसीबी मशीन की मदद से हटाया गया। यह कार्रवाई नगर को व्यवस्थित करने एवं सार्वजनिक स्थलों पर हो रहे अतिक्रमण को नियंत्रित करने के उद्देश्य से की गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस प्रशासन मौके पर मौजूद रहा। जिससे स्थिति पूरी तरह नियंत्रित बनी रही।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, आगर रोड स्थित तहसील परिसर के आसपास लंबे समय से कुछ लोगों द्वारा गुमटियां रखकर शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा था। इससे न केवल शासकीय कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही थी, बल्कि आम नागरिकों के आवागमन में भी परेशानी हो रही थी। तहसील परिसर एवं आसपास के कार्यालयों में आने-जाने वाले लोगों को संकरी जगह और अवरोधों के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। नगर परिषद द्वारा कार्रवाई से पूर्व संबंधित अतिक्रमणकारियों को कई बार समझाइश दी गई थी। इसके साथ ही नियमानुसार नोटिस जारी कर स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए समय भी दिया गया था। बावजूद इसके अतिक्रमण नहीं हटाए जाने पर शनिवार को प्रशासन ने जेसीबी मशीन की सहायता से कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराई गई। उल्लेखनीय है कि पुराने बस स्टैंड क्षेत्र के आसपास, सिविल अस्पताल, मांगलिक भवन एवं आबकारी विभाग कार्यालय के समीप भी बड़ी संख्या में गुमटियां रखकर अतिक्रमण किया जा रहा है। इस क्षेत्र में दिनभर लोगों की आवाजाही बनी रहती है। जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है। नागरिकों का कहना है कि इन अतिक्रमणों के कारण सड़कों पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है और आपात स्थिति में निकलने में भी परेशानी होती है।

हालांकि, यह स्पष्ट किया गया है कि सिविल अस्पताल परिसर में किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं की गई है और वहां मौजूद अतिक्रमण यथावत बना हुआ है। अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों एवं एम्बुलेंस को हो रही समस्याओं को लेकर आमजन में नाराजगी भी देखी जा रही है। लोगों का कहना है कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थान के आसपास अतिक्रमण गंभीर समस्या बना हुआ है। जिस पर प्रशासन को ध्यान देने की आवश्यकता है।

कार्रवाई के दौरान तहसीलदार रामेश्वर दांगी, नगर परिषद सीएमओ ओपी नागर, थाना प्रभारी केशर राजपूत सहित पुलिस बल मौजूद रहा। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि आगामी दिनों में अन्य अतिक्रमण स्थलों की भी जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण एवं आमजनता को यह सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार किशोर पिता रामचंद्र, जाति कुमावत, निवासी जमालपुरा, जिला उज्जैन के द्वारा भूमिस्वामी जगदीश पिता मांगीलाल निवासी पलसोडा, तहसील बडनगर, जिला उज्जैन से ग्राम बपैया, तहसील महिदपुर में स्थित उसके स्वामित्व स्वत्व एवं प्रत्यक्ष आधिपत्य की कृषि भूमि सर्वे क्रमांक 688, 689, 690 कुल रकबा 1.50 आरे की कृषि भूमि को कय किये जाने सौदा किया गया है तथा उक्त सौदा की बयाना राशि अदा करते हुए शीघ्र ही विक्रय पत्र का निष्पादन किया जाना तय किया गया है। ऐसी स्थिति में उक्त भूमियों के सौदे के संबंध में किसी भी व्यक्ति, विशेष, शासकीय-अशासकीय बैंक, संस्था, फोरम, विभाग आदि को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो, तो उक्त जाहिर सूचना प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में आकर प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा उक्त अवधी के अवसान के पश्चात उक्त बिकित भूमियों अथवा सौदे के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नही की जावेगी तथा इस संबंध में ऐसे पक्ष को मेरे पक्षकार के विरूध्द किसी प्रकार की कोई भी कार्यवही आदि करने का अधिकार नहीं रहेगा, इति सूचित हों।

दिनांक 13-12-2025

अपुल धाडीवाल
अभिभाषक महिदपुर
मो. 9424893145

न्यूज-कॉलम

ग्वाला समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन बसंत पंचमी पर

मन्दसौर। श्री कृष्ण ग्वाला गवली समाज द्वारा 23 जनवरी 2026 बसंत पंचमी पर होने वाले सामूहिक विवाह के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बैठक रखी गई। इस बैठक में सभी समाज जनो ने कार्यक्रम को सफल बनाने कार्यक्रम को भव्यता से बनाने के लिए अपने अपने विचार रखे । बैठक में बताया कि जो माता-पिता, पुत्र व पुत्री का विवाह सामूहिक विवाह कार्यक्रम में करना चाहते हैं वह शीघ्र ही पंजीयन करवाये। पंजीयन की अंतिम तिथि 15 दिसंबर रखी गई थी उसको बढ़कर 20 दिसंबर कर दी गई है लग्न देने का काम 4 जनवरी 2026 रविवार को किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ एवं युवा जन काफी संख्या में उपस्थित थे।

झांतला में नि :शुल्क सर्व रोग निदान शिविर मे 120 रोगियों ने लिया लाभ

नीमच। जिले की जावद तहसील के ग्राम पंचायत झांतला में रविवार को शासकीय आयुर्वेद औषधालय थडोद द्वारा निशुल्क सर्व रोग निदान चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉ .आर.पी.वर्मा ने बी पी एवं शुगर की जांच की गई। शिविर में आमवात संधिवात प्रतिश्याय कास श्वास ज्वर शिरशूल रक्ताल्पता प्रदर अर्श अग्नि मांध अध्यमान प्रवाहिका अतिसार मधुमेह दाद दंतरोग चर्म रोग आदि के १२० मरीजों का परीक्षण कर नि:शुल्क औषधियों का वितरण किया। शिविर में डॉआर.पी.वर्मा, डॉ .प्राणिता नामदेव श्रीमती सुधा भदौरिया श्रीमती संजू भदौरिया एवं श्री भंवरलाल खराड़ी ने सेवाएं दी ।

नि :शुल्क कैंसर परीक्षण जांच उपचार शिविर संपन्न

रतलाम। जिला चिकित्सालय रतलाम में निशुल्क कैंसर जांच उपचार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। भारत के प्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर दिनेश पेंढ़ारकर, चिकित्सक डॉक्टर चंद्रमौली त्रिपाठी के मार्गदर्शन में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान जिला चिकित्सालय के सर्जिकल स्पेशलिस्ट एवं कैंसर नोडल अधिकारी डॉ गोपाल यादव ने 22 मरीज का प्रशिक्षण एवं उपचार किया। शिविर के दौरान मध्य प्रदेश कैंसर सोसायटी के आजीवन सदस्य श्री अशोक अग्रवाल, तथा सेवानिवृत्त शिक्षक श्री बगदी राम मंदेल तथा सेवानिवृत प्राचार्य श्री अशोक मेहता ने उपस्थित रहकर आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मंत्री श्री काश्यप ने किया अभिवादन

रतलाम/भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री चेतन्य कुमार काश्यप के श्यामला हिल्स स्थित निवास पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मंत्री श्री काश्यप ने सपत्नीक तिलक कर तथा पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया तथा सरकार के सफल दो वर्ष पूर्ण होने पर बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग की दो वर्ष की प्रगति तथा आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की।

प्रार्थना वाघेला का राष्ट्रीय शालेय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में चयन

मन्दसौर। 49 वी जूनियर राष्ट्रीय बालक बालिका वॉलीबॉल प्रतियोगिता 16 से 22 दिसंबर तक झुंझुनू राजस्थान में आयोजित की जाएगी जिसमें जिला वॉलीबॉल एसोसिएशन मंदसौर की खिलाड़ी प्रार्थना वाघेला मध्य प्रदेश जूनियर बालिका वॉलीबॉल टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। कोच अभिषेक सेठिया ने बताया है इसके पूर्व 10 से 14 दिसंबर 2025 तक प्री नेशनल कैंम्प मंदसौर मे किया गया।

सड़क दुर्घटना में घायल दो लोगों को 112 एंबुलेंस ने पहुंचाया अस्पताल

नीमच। जिले के थाना जावद के सरवानिया महाराज चौकी क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में घायल हुए 2 व्यक्तियों को, डायल-112 जवानों ने पहुँचाया अस्पताल। जिला नीमच के थाना जावद चौकी सरवानिया अंतर्गत सरवानिया और मुकनपुरा के बीच सडक दुर्घटना सूचना राज्य स्तारीय पुलिस कन्ट्रोल रूम डायल 112 भोपाल में दिनांक 14 दिसम्बर को दोपहर 3 बजे प्राप्त हुई। सूचना पर तत?काल जिले की एफआरवी 6 सरवानिया महाराज को रवाना किया गया। एफआरवी स्टाफ प्र.आर. गोविन्?द सिंह तथा पायलट राजेश कुमार ने घटना स्थल पर पहुंचकर बताया की एक आटो अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

ऐतिहासिक गुलाब चक्कर में सजी यादगार महफिल-ए-गजल़

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ रतलाम

स्वर सिद्धि म्यूजिकल ग्रुप के तत्वावधान में ऐतिहासिक गुलाब चक्कर परिसर में खचाखच भरे दर्शकों की उपस्थिति में महफिल-ए-गजल़ का भव्य एवं यादगार आयोजन किया गया। सुर, साज और शायरी से सजी इस संगीतमय संध्या ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। कार्यक्रम को सुनने के लिए शहर से बाहर के दर्शक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, जिससे आयोजन की लोकप्रियता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर कला एवं संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले डॉ. वर्षा करंदीकर, श्रीमती सुनीता पाठक, श्री आनंद त्रिलोकचंदानी एवं श्री सज्जनलाल ब्रह्मभट को स्वर सिद्धि सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप उन्हें श्रीफल, माला, अभिनंदन पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

कार्यक्रम के प्रायोजक एवं संयोजक भुवनेश पंडित, आनंद त्रिलोकचंदानी, सूरज बारवाल एवं सुनील निरंजनी रहे।

महफिल में गजल़ फनकार भुवनेश पंडित, आनंद सेठ, सूरज बारवाल, सुनील निरंजनी, कैलाश यादव, श्रीमती सुनीता नागदे, डॉ. महेश मौर्य, राकेश बोरिया एवं जलज शर्मा ने एक से बढ़कर एक गजल़ों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं से भरपूर वाहवाही बटोरी।

कार्यक्रम का सजीव एवं प्रभावशाली मंच संचालन सुनील निरंजनी ने किया, जबकि राकेश बोरिया ने संपूर्ण तकनीकी पक्ष को कुशलतापूर्वक संचालित किया। इस अवसर पर पत्रकारिता जगत के वरिष्ठ श्री रमेश सोनी का सम्मान किया गया, वहीं संगीत साधक विवेक शर्मा का जन्म दिवस भी मंच से हर्षोल्लास एवं आत्मीयता के साथ मनाया गया। अंत में आभार प्रदर्शन भुवनेश पंडित द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रायोजक एवं संयोजक भुवनेश पंडित ने दर्शकों का अपार स्नेह देखकर आगामी दिनों में और भी बेहतर एवं भव्य आयोजनों की घोषणा की।

पुलिस द्वारा चलाया गया कबाडखाना चेकिंग अभियान, जिले भर में कबाडखाने चेक किए

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ रतलाम

एसपी अमित कुमार द्वारा चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जिले के सभी थाना प्रभारियों को अपने अपने क्षेत्र में चोरी के समान बेचने व खरीदने वालों पर निगरानी रखने व संदिग्धों की तलाशी एवं कबाडखानों आदि की चेकिंग करने व कबाड़ा व्यवसायियों के साथ बैठक कर समझाइश देने के निर्देश प्रदान किए गए है।

इसी तारतम्य में अति पुलिस अधीक्षक शहर राकेश खाखा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतलाम ग्रामीण श्री विवेक कुमार लाल के मार्गदर्शन में 14 दिसंबर को संपूर्ण जिले के कबाड़ा गोदामों की चेकिंग अभियान चलाया गया। जिले भर में पुलिस अधिकारियों द्वारा अपने अपने क्षेत्र के कबाडखाने चेक किए गए। कबाडखाना मालिकों को पुलिस अधिकारियों द्वारा समझाइश दी गई कि किसी भी प्रकार के संदिग्ध या चोरी के समान को नहीं खरीदे।

समान बेचने वाले लोगों की जानकारी एक रजिस्टर में रिकॉर्ड रखे। समान बेचने वाले का नाम पता आदि का विवरण रजिस्टर में उल्लेखित करेंगे। कबाड़ा गोदाम पर सीसीटीवी कैमरे इस प्रकार लगाना सुनिश्चित करेंगे कि कबाड़ा खरीदने बेचने आने वाला व्यक्ति समान सहित कैमरे में दिखाई देगे। किसी भी प्रकार के संदिग्ध द्वारा सामान बेचने आने पर तुरंत इसकी सूचना पुलिस थाने पर देंगे। इसके साथ ही पर्यावरण प्रदूषण मानकों का पालन किया जाना भी सुनिश्चित करेंगे।

पुलिस द्वारा कबाडखाने की आकस्मिक चेकिंग अभियान जारी रहेगा। यदि कोई भी कबाडखाने पर चोरी का सामान खरीदने बेचना पाए जाने पर कबाड़ा व्यवसायी के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

डॉ.एन.के. कौशिक शिक्षा के क्षेत्र में योगदान हेतु उज्जैन में सम्मानित

नीमच। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय उज्जैन की प्राणिकी अध्यक्षशाला के सभागृह में डॉ एन के कौशिक को शिक्षा के क्षेत्र में उनके अमूल्य योगदान के लिए विश्व विद्यालय के कुलगुरु डॉ अर्पण भारद्वाज द्वारा सम्मानित किया गया। अपने उदबोधन में डॉ. कौशिक ने कहा की प्राणिकी अध्यक्षशाला का यह भवन मेरे लिए सिर्फ ईंट सीमेंट की ईमारत ना होकर एक मंदिर है जहां मैंने पांच दशकों पूर्व शिक्षा व परोपकार का पहला पाठ पढ़ा था ।कार्यक्रम के संयोजक डॉ तेज प्रकाश व्यास ने बताया कि केंद्रीय विद्यालय व नवोदय विद्यालय में सेवा देने के बाद वर्तमान में डॉ.कौशिक अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत हैं। नवोदय विद्यालय में प्राचार्य के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रचार प्रसार में बहुमूल्य योगदान के लिए उन्हें आज भी याद किया जाता है। शिक्षा संकाय में अभी तक 20 शोधार्थी उनके मार्गदर्शन में पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। शिक्षा के क्षेत्र में "भीष्म पितामह"के नाम से जाने जानेवाले डॉ कौशिक सेवानिवृत्ति के बाद भी समाज सेवा ओर पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी अपना योगदान जनप्रतिनिधियों के माध्यम से दे रहे है।

लोक अदालत में 1075 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का हुआ निराकरण

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ नीमच

जिला न्यायालय परिसर में स्थित ए.डी.आर. सेंटर में मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार आज दिनांक 13 दिसम्बर को लोक अदालत का उद्घाटन माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष महोदय श्री वीरेन्द्र सिंह राजपुत द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया, जिसमें विशेष न्यायाधीश श्री आलोक कुमार सक्सेना, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय डॉ. कुलदीप जैन, जिला न्यायाधीश श्री राकेश कुमार शर्मा, श्रीमती रश्मि मिश्राा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री रवि कुमार बौरासी, न्यायिक मजिस्टेऊट डॉ. श्रीमती रेखा मरकाम, सुश्री अंकिता गुप्ता, श्री विशाल खाड़े, श्री अंकित जैन, श्री अभय प्रताप सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार, खण्डपीठ सदस्यगण, पैरालीगल वॉलेंटियर्स, न्यायिक कर्मचारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम के उपरांत जिलें में गठित खंडपीठों में लोक अदालत की कार्यवाही, खंडपीठों के पीठासीन अधिकारीगण द्वारा प्रारंभ की गई, जोकि सायं 5.30 बजे तक चलती रही।जानकारी के अनुसार नेशनल लोक अदालत में कुल 18 खण्डपीठों में न्यायालय में लंबित 401 प्रकरणों को रैफर्ड किया गया था, जिनमें से 375 प्रकरण लोक अदालत के माध्यम से निराकृत होकर एक हजार व्यक्ति लाभान्वित हुये। उक्त लंबित प्रकरणों में से मोटरयान दुर्घटना के 12 प्रकरण निराकृत हुये, जिनमें रुपए 77 लाख 77 हजार का अवार्ड पारित हुआ। न्यायालय में लंबित प्रकरणों में चैक अनादरण के 100 प्रकरण निराकृत हुए, जिनमें कुल राशि रुपए 1,88,53,067/- का अवार्ड पारित हुआ।

डेयरी क्रांति की ओर मध्यप्रदेश का बड़ा कदम है डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ नीमच

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश को मिल्क कैपिटल बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि पशुपालकों दुग्ध उत्पादकों को हर संभव तरीके से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश में दुग्ध उत्पादन बढ़ाया जाएगा।

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इसी मंशा के मद्देनजर राज्य सरकार ने प्रदेश में एक कारगर नवाचार प्रारंभ किया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने सहित वर्तमान डेयरी उद्योग को सुनियोजित, सुव्यवस्थित, व्यावसायिक और लाभकारी बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने इसी साल 'डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना' आरंभ की है। यह योजना खासतौर पर उन जरूरतमंद युवाओं, किसानों और पशुपालकों के लिए आशा की किरण बनकर उभरी है, जो आधुनिक डेयरी इकाई स्थापित कर अपनी आय का स्थायी साधन विकसित करना चाहते हैं। योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देना, ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नये-नये अवसर सृजित करना और पशुपालकों की आय में वृद्धि करना है। पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में योजना के लिए एक करोड़ रुपए से अधिक (कुल 100.72 लाख रुपए) का बजट प्रावधान किया है। विभाग ने इस वित्त वर्ष में 828 से अधिक हितग्राहियों को योजना का लाभ देने का लक्ष्य रखा है।

यूक्रेनी महिलाओं ने पशुपतिनाथ मंदिर में मांगी रूस-यूक्रेन युद्ध विराम की मन्नत

मन्दसौर। यूक्रेन निवासी 6 महिलाएं शनिवार को मंदसौर के पशुपतिनाथ मंदिर पहुंची और महामृत्युंजय मंत्र का पाठ कर रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से जारी युद्ध के विराम की भगवान पशुपतिनाथ से मन्नत मांगी ।रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय से युद्ध जारी है। इस बीच शनिवार को यूक्रेन की छह महिलाएं मंदसौर स्थित श्री पशुपतिनाथ महादेव के दर्शन करने पहुंचे। उन्होंने यहां महामृत्युंजय मंत्र का पाठ कर युद्ध विराम और यूक्रेन में शांति बहाली के लिए कामना की है। महिलाओं के साथ जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर संगम गिरी महाराज भी मौजूद रहे। संगम गिरी महाराज ने एक यूक्रेनी महिला को करनेश्वरी नाम दिया है, जिसने इंटरनेट पर सर्च कर मंदसौर के श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर में दर्शन करने की इच्छा व्यक्त की थी। वह शनिवार को महादेव के दर्शन करते हुए भावुक हो गई और आंखों से आंसू पोंछते हुए कहा कि यहां आकर बहुत खुश हूं। हमारा यूक्रेन अभी युद्ध का दंश झेल रहा है। जनता परेशान है, मैंने पशुपतिनाथ महादेव से शांति के लिए कामना की है।

त्रिवेणी मेले में आयोजित आर्केस्ट्रा को नागरिकों ने खुब सराहा

रतलाम। नगर निगम द्वारा आयोजित ग्यारह दिवसीय त्रिवेणी मेले के तीसरे दिन निगम रंगमंच पर आयोजित आर्केस्ट्रा में कलाकारों ने नागरिकों का भरपुर मनोरंजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत कलाकारो ने भगवान श्री गणेश वंदना से की इसके बाद श्री गणेश वंदना से हुई इसके बाद गायक पर्वत सिंह राठौर ने किशोर कुमार के गीत रोते हुए आते हैं सब हंसता हुआ जो जाएगा, मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू, गायिका करुणा व्यास ने आशा भोंसले और लता मंगेशकर के गीत सुनाए, ये मेरा दिल प्यार का दीवाना, गली में आज चांद निकला, गायक संजय चौधरी ने नए गीतों की प्रस्तुति दी मेरे रश्के कमर, साड्डे नाल रहोगे तो ऐश करोगे, क्या खूब लगती हो जैसे कई गीतो की प्रस्तुति देकर नागरिकों का भरपुर मनोरंजन किया।

डॉ.मोहन यादव सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने पर विधायक ने दी शुभकामनाएं

'दैनिक अवन्तिका' ▸▸ नीमच

मध्यप्रदेश में डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर विधायक दिलीपसिंह परिहार ने नीमच विधानसभा सहित प्रदेशवासियों को बधाई दी है। विधायक श्री परिहार ने कहा कि, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार ने अपने दो सफल वर्ष पूरे किए हैं और इस दौरान प्रदेश में विकास व प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित हुए हैं।

अधोसंरचना विकास से लेकर सामाजिक सरोकारों तक हर क्षेत्र में जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी रूप से धरातल पर उतारा गया है। संस्कृति और पर्यटन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है और देश में नंबर वन बनने की दिशा में अग्रसर है। इन दो वर्षों में मध्यप्रदेश ने सुशासन, तेज विकास और जनसेवा के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। गरीब, किसान, युवा, महिला एवं श्रमिक वर्ग के सशक्तिकरण हेतु अनेक लोकहितकारी योजनाएँ प्रभावी रूप से जमीन पर उतरी हैं। श्री परिहार ने कहा कि नीमच विधानसभा में 1700 करोड रूपए की गांधीसागर समूह जलप्रदाय योजना एवं नल जल योजना, भादवामाता कॉरिडोर निर्माण, 133 करोड रूपए की लागत से बनने वाले भाटखेडा-डूंगलावदा फोरलेन सडक निर्माण, 230 करोड की लागत से बनने वाले नीमच-सिंगोली मार्ग, नीमच में पायलेट ट्रेनिंग सेन्टर, डूंगलावदा में नवीन कृषि उपज मण्डी, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज, दो औद्योगिक क्षेत्र सहित नीमच में खेल मैदानों की सौगात मिलने से विधानसभा क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। किसानों के लिए सिंचाई, समर्थन मूल्य एवं कृषि अधोसंरचना का विस्तार, महिलाओं के लिए सशक्तिकरण योजनाएँ और सामाजिक सुरक्षा, युवाओं के लिए रोजगार, स्वरोजगार एवं कौशल विकास के नए अवसर, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में सुविधाओं का व्यापक विस्तार, उद्योग एवं निवेश के माध्यम से आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की ओर सशक्त कदम उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्ग दर्शन एवं डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश आज प्रगति, विश्वास और विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। सेवा, समर्पण और संकल्प के साथ यह सरकार प्रदेश को निरंतर विकास की ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री परिहार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है और उन्हीं के मार्गदर्शन में मोहन सरकार लोकहित और आमजन के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

श्रमदानियों ने शिवना नदी से एक ट्रॉली कचरा निकाला

मंदसौर । शिवना शुद्धिकरण अभियान के 75 वे दिन रविवार को ठंड के बीच भगवान पशुपतिनाथ मंदिर के पास शिवना घाट पर सफाई कार्य किया गया । शिवना शुद्धिकरण अभियान के मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड़ ने बताया कि 1 मई से चल रहे शिवना शुद्धिकरण अभियान के 75 वे दिन भी समाज सेवियों,महिलाओं व युवाओं ने बड़ी संख्या में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया । सुबह श्रमदानियों ने शिवना घाट पहुंचते ही शिवना घाट को साफ कर नदी से गाद व प्लास्टिक कचरा बाहर निकाला । श्रमदानियों ने शिवना घाट के साथ ही साथ कोर्ट रोड की तरफ नदी किनारे साफ सफाई की ।भोपाल में स्वास्थ्य लाभ ले विधायक विपिन जैन ने वीडियो कॉलिंग से सभी श्रमदानियो का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि आप सभी के इसी जोश के बल पर हम एक दिन शिवना नदी को प्रदूषण मुक्त कर के रहेंगे । श्रमदान रमेश सोनी,रामचंद्र मालवीय, हेमराज खाबिया,भंवरलाल प्रजापत,राकेश जैन पिंटू, विजय आनंद, रामनारायण मालवीय, कैलाश कुमावत,रमेश धनगर, प्रमिला पंवार, रत्नप्रभा राणावत,मंजू उपाध्याय,अंशिका उपाध्याय, कल्पना धाकड़,दामिनी सोनी,मोनिका सोनी,स्नेहलता शर्मा, सुनीता शर्मा, विकास दशोरा,अजय सोनी,साबिर इलेक्ट्रिशन, सादिकगोरी,रमेश सिंगार,शैलेन्द्र गोस्वामी, राजेश फरक्या,राजेश खींची,मनोहर गुर्जर आदि ने किया।

लायंस गोल्ड के स्वास्थ्य शिविर का 450 से अधिक लोगों ने लिया लाभ

मन्दसौर। लायंस क्लब मंदसौर गोल्ड द्वारा नयापुरा वार्ड में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 450 से भी अधिक लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेते हुए निःशुल्क जांच कराई एवं दवा प्राप्त की। वार्ड प्रमुख ने लायंस क्लब मंदसौर गोल्ड की सेवाओं के बारे कहा कि आज कल बदलते मौसम में हर व्यक्ति कुछ न कुछ बीमारियों परेशान है। जनप्रतिनिधियों को ऐसे कैम्प लगवाकर आमजन को लाभ दिलवाना चाहिए। लाभमुनि नेत्र चिकित्सालय के डॉ अशोक सोलंकी की टीम, श्री मकवाना एवं मुस्कान,जिला आयुष अधिकारी की टीम, डॉ कमलेश धनोतिया एवं डॉ मनोज यादव एवं कंपाउडर नागेंद्र, दन्त रोग विशेषज्ञ डॉ अनिल धाकड़, होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ अमन मेहता, चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ रण सिंह तंवर,ने शिविर में स्वास्थ्य सेवाए एवं प्रधान डाकघर से झाला जी की टीम,ने सेवाएं प्रदान की एवं एम डी मेडिसिन डॉ दीपक मकवाना,की टीम ने शिविर में सभी का शुगर, बीपी चेक किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष संजय पारिख, राजकुमार पारिख, सीए सिद्धार्थ अग्रवाल, पत्रकार समाजसेवी अनिल संगवानी उपस्थित रहे।

श्री विश्वकर्मा महापंचायत संगठन में दिलराज शर्मा बने प्रदेश महामंत्री

पिपलिया मंडी।श्री विश्वकर्मा महापंचायत संगठन के उज्जैन संभाग से जिले के सक्रिय समाजसेवी एवं वरिष्ठ पत्रकार दिलराज शर्मा (बालागुड़ा) को युवा मोर्चा मध्य प्रदेश के प्रदेश महामंत्री पद पर नियुक्त किए जाने पर समाजजनों एवं इष्टमित्रों में हर्ष का वातावरण है। उनकी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर समाज के गणमान्य नागरिकों इष्टमित्रों ओर मीडिया जगत से जुड़े पत्रकार साथियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उल्लेखनीय है कि दिलराज शर्मा लंबे समय से सामाजिक, शैक्षणिक एवं पत्रकारिता क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए समाजहित के कार्यों में निरंतर योगदान देते आ रहे हैं। उन्होंने अपनी लेखनी एवं सामाजिक सक्रियता के माध्यम से समाज की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया है और जनहित से जुड़े विषयों को मंच प्रदान किया है। उनके इसी समर्पण, संगठन के प्रति निष्ठा और युवाओं को जोड़ने की क्षमता को देखते हुए संगठन ने उन्हें युवा मोर्चा प्रदेश महामंत्री जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति के पश्चात दिलराज शर्मा ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा जो जिम्मेदारी दी गई है,वह उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी के साथ निभाएंगे।

ग्राम डुंगलावदा फंटे पर बालाजी मंदिर परिसर में अन्नकूट महोत्सव संपन्न

पिपलिया मंडी। दिनांक 13 दिसंबर को प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी पार्श्वनाथ बालागुड़ा के बीच गोगरपरा पंचायत अंतर्गत गांव डूंगला के फंटे पर भगवान बालाजी महाराज की असीम कृपा से बालाजी मंदिर परिसर में विशाल अन्नकूट महोत्सव संपन्न हुआ। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर धर्म लाभ लिया। कार्यक्रम के सुत्रधार सरपंच विनोद पटेल ने समस्त सहयोगी एवं सेवा अभिलाषीयो को धन्यवाद देते हुए आभार माना।

मंदसौर के प्रखर पण्ड्या लेफ्टिनेंट की उपाधि से सम्मानित

मंदसौर। स्थानीय मंगलम विहार निवासी प्रखर जितेश पंड्या जो कि कैडेट्स ट्रेनिंग विंग, कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग पुणे मैं अपनी सेवाए दे रहे है, को आज इंडियन मिलिट्री अकादमी देहरादून में लेफ्टिनेंट की उपाधि से सम्मानित किया गया है, उल्लेखनीय है कि प्रखर पंड्या ने २०२१ मैं एनडीए और टेस की परीक्षा उत्तीर्ण की थी और अभी ४वर्षीय प्रशिक्षण काल चल रहा है, श्री पंड्या की शिक्षा मंदसौर में ही निजी स्कूल में हुई है, उनकी इस उपलब्धि पर सकल ब्राम्हण समाज के रविंद्र पाण्डेय, ब्रजेश जोशी, चेतन जोशी, संजय शुक्ला, गजेंद्र तिवारी, हरीश पाठक, श्रीनिवास मोड़, कैलाशचंद्र मिश्रा आदि ने बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

पेट की खातिर पलायन

सात माह सारंगपुर में भेड़ो के साथ जीवन गुजारते है राजस्थान के पाली जिले के चरवाहे

सारंगपुर। पेट की खातिर परिवारों को क्या-क्या करना पड़ता है इसका पता सारंगपुर में इन दिनों अरोरा पेट्रोल पंप के पास भेड़ो को अपने घर से पलायन आया परिवार की कहानी जानकार कर लगेगा। यह परिवार पेट की खातिर पलायन कर करीब साढ़े 500 किमी अपने घरो से दूर आए है और सर्द सुबह और रातों में खुले आसमान के नीचे जीवन गुजार रहे है और राजस्थान के पाली जिले के यह चरवाहे सात माह सारंगपुर में भेड़ो के साथ जीवन गुजारते है। सर्दी के दिनों में खुले में चरवाहे परिवार की राते कटती है। परवाहे परिवार के सदस्य भेराराम देवासी ने बताया कि वह ग्राम तख्तगढ़, तहसील सुमेरपुर और जिला पाली राजस्थान से है और यह अपनी भेड़ को लेकर सितंबर में सारंगपुर में पहुंचे और अप्रैल तक सारंगपुर एरिया में ही रहते है। फिर अप्रैल के बाद में धीरे-धीरे राजस्थान की ओर बढते हैं और कोटा के डूंगर में जाकर चार महीने बारिश के वहीं रहते हैं और वही अपने भेड़ो का पालन पोषण करते हैं। उन्होंने बताया कि सर्दी के मौसम में खेतों में फसल बोने के बाद में भेड़ों को चराने के लिए बहुत कठिन परिस्थितियों के ऊपर होकर गुजरना पड़ता है, फसल कटने तक भेद को यहां वहां रिक्त प्लाटों में कहीं थोडी जगह देखकर वहां टाइम पास करना पडता है। भेड़ो को चराने के लिए कोई विशेष सहारा नहीं है इसलिए हमको गांव-गांव सिटी में कहीं-कहीं टाइम पास करनी पडती है। इस दौरान परिवार के अन्य सदस्य नगाराम देवासी , चेलाराम देवासी, केनाराम तथा विक्रम ने भी अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराया और कहा कि हमें अपने गांव में सब कुछ छोड कर यह रहने पर मजबूर होना पड़ता है।

पोक्सो अधिनियम व साइबर क्राइम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

सुसनेर। समीप ग्राम खैराना शासकीय हाई स्कूल खैराना में शनिवार को लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) 2012 के प्रति जागरूकता हेतु विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी परियोजना अधिकारी सुश्री रेनू पंत ने महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित महिला सशक्तिकरण एवं बाल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं, आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन सहित विभिन्न विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी। इसके पश्चात सामाजिक कार्यकर्ता जमील अहमद काजी ने पोक्सो अधिनियम 2012 के प्रमुख प्रावधानों, पोक्सो प्रकरणों में अपनाई जाने वाली कानूनी प्रक्रिया तथा बच्चों की सुरक्षा के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं जिला समन्वयक ममता एचआईएमसी एनजीओ अनूप कुमार पटेल ने साइबर क्राइम के प्रति जागरूक करते हुए बच्चों को ऑनलाइन ठगी, सोशल मीडिया के दुरुपयोग एवं साइबर अपराधों से बचाव के महत्वपूर्ण उपाय बताए। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को सजग एवं सतर्क रहने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर संस्था के प्राचार्य घनश्याम शर्मा सहित समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

गुरु तेग बहादुरजी के 350वें शहीदी पर्व के आयोजन को लेकर बैठक संपन्न

ब्यावरा। सिख धर्म के नवें गुरु श्रीगुरु तेग बहादुरजी महाराज के 350वें शहीदी पर्व को भव्य रूप से मनाने के उद्देश्य से गुरुद्वारा राजगढ़ रोड पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में सारंगपुर, पचोर, राजगढ़ एवं नरसिंहगढ़ से आए सिख प्रतिनिधि मंडलों ने सहभागिता की। बैठक में गुरु तेग बहादुरजी के महान बलिदान, मानवता एवं सनातन धर्म की रक्षा में उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की गई। राज्य सरकार द्वारा इस कार्यक्रम को सभी विद्यालय, महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थाओं में श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाया जाएगा। बैठक में कार्यक्रमों के स्वरूप, प्रचार-प्रसार, संगत की सहभागिता, कीर्तन, विचारगोष्ठी एवं सेवा कार्यों को लेकर अहम फैसले लिए गए। सभी प्रतिनिधि मंडलों ने एकमत होकर यह पर्व सो दिवसीय मनाने का संकल्प लिया कि गुरुजी के बलिदान का संदेश हर गांव, हर नगर और हर संगत तक पहुँचाया जाएगा, आपको बता दें की ये सभी आयोजन में शासन वा पुरुषार्थ सेवा फाउंडेशन का विशेष सहयोग मिल रहा है। बैठक का समापन गुरु तेग बहादुरजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए और शहीदी पर्व को सफल बनाने के सामूहिक संकल्प के साथ किया गया।

16 वर्ष की नाबालिग से दुष्कर्म मामले में आरोपी को 20 साल की सजा

देवास। जिले के टोंकखुर्द थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के जघन्य मामले में पॉक्सो न्यायालय ने सख्त सजा सुनाई है। ऑपरेशन संकल्प के तहत दर्ज इस सनसनीखेज प्रकरण में आरोपी कुंवरसिंह उर्फ कुणाल को मात्र 11 माह के भीतर दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास और 10,000 के अर्थदंड से दंडित किया गया है। सहायक जिला लोक अभियोजक द्वारा की गई प्रभावी पैरवी और विवेचकों की सटीक जांच के आधार पर न्यायालय ने यह फैसला सुनाया। यह त्वरित न्याय और नाबालिगों के प्रति अपराधों पर सख्त संदेश देने वाला निर्णय माना जा रहा है।

देवास में अनुसूचित जाति के लोगों पर हमला

महिलाओं से अभद्रता, तलवार-चाकू से घायल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसपी को सौंपा ज्ञापन

दैनिक अवन्तिका ▶▶ देवास

देवास जिले के ग्राम तुमडावदा में अनुसूचित जाति के लोगों पर हमले का गंभीर मामला सामने आया है। इस घटना को लेकर पीड़ित परिवार की महिलाएं, रिश्तेदार, समाजजन और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय ज्ञापन देने पहुंचे।

पीड़ित परिजनों ने अपने आवेदन में बताया कि 11 दिसंबर 2025 को ग्राम निवासी संजय परमार पिता तेजकरण परमार और अन्य अनुसूचित जाति के लोगों का आम रास्ते से निकलने को लेकर विवाद हुआ था। यह विवाद जल्द ही हिंसक हमले में बदल गया।

पीड़ितों के अनुसार, शिवनारायण जायसवाल, बंटी जायसवाल सहित अन्य आरोपियों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज की और महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया। आरोप है कि आरोपी शराब माफिया हैं और उन्होंने अपने साथियों को बुलाकर अनुसूचित जाति के परिवारों पर हमला किया।

इस हमले में कई लोगों को गंभीर चोटें आईं। एक व्यक्ति की तलवार से उंगली पूरी तरह काट दी गई, जबकि दो अन्य लोगों पर चाकू से हमला किया गया। पीड़ित पक्ष ने घटना की सूचना संबंधित थाने में दी थी।

इसके बावजूद, आरोप है कि आरोपी अभी तक खुलेआम घूम रहे हैं और पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। घटना के अगले दिन, 12 दिसंबर को भी आरोपियों ने पीड़ित परिवार के भाई और भाभी को रोककर गाली-गलौज की और जातिसूचक शब्द कहे। उन्हें बार-बार रास्ते से निकलने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

इस दौरान दरियाव सिंह मालवीय, हीरो सोलंकी, जय कुमार चौहान, विक्की मालवीय, रूपेश बामनिया, पीड़ित परिवार के भावना परमार, सविता परमार, रीना परमार, ममता परमार, सिद्धू परमार, सत्यम परमार, कन्हैयालाल परमार, बनेसिंह परमार, चेतन परमार, राधेश्याम परमार, सतीश परमार, योगेश परमार, हीरजी सहित समस्त संगठन पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपा। उन्होंने आरोपियों पर तत्काल कठोर एक्शन की मांग की।

संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि पीड़ित परिवार के साथ कोई भी अप्रिय घटना होती है, तो इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी आरोपियों सहित शासन-प्रशासन की होगी।

नेशनल लोक अदालत का शिविर न्यायालय परिसर में आयोजित

165 प्रकरणों का सहमति से निराकरण, पति-पत्नी ने साथ रहने का लिया संकल्प

दैनिक अवन्तिका ▶▶ खाचरोद

नेशनल लोक अदालत में कुल 165 प्रकरणों का किया गया निराकरण-राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उज्जैन के निदेर्शानुशार तहसील विधिक सेवा समिति खाचरोद द्वारा न्यायालय परिसर खाचरोद में दिनांक 13.12.25 को नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रातः 10.50 बजे प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश नीतूकांता वर्मा, द्वतीय जिला न्यायाधीश नीरज शर्मा, शैफाली सिंह व्यवहार न्यायाधीश वर्ग वरिष्ठ खण्ड, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड पंकज बुटानी द्वारा दीप प्रज्वलित, माल्यार्पण कर एवं अभिभाषक संघ खाचरोद के अध्यक्ष प्रवीण पंड्या, अभिभाषक विद्युत मंडल कनिष्ठ यंत्री शशि रंजन, समस्त बैंकों के बैंक मैनेजर, तथा नगरपालिका खाचरोद के समस्त पदाधिकारीगण एवं न्यायालय खाचरोद के कर्मचारीगण द्वारा सरस्वती पूजन एवं माल्यार्पण कर लोक अदालत का शुभारंभ किया गया। नगर पालिका खाचरोद के शुभारंभ कार्यक्रम में न्यायालय के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित रहे। आयोजित नेशनल लोक अदालत में प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायालय मे, हिन्दू विवाह अधिनियम के 1 , क्लेम प्रकरण 03 एवं विधुत अधिनियम के 25 इस प्रकार कुल 17 प्रकरणों का निराकरण किया गया। द्वतीय जिला न्यायाधीश नीरज शर्मा के न्यायालय से 01 हिन्दू विवाह अधिनियम के प्रकरण का निराकरण किया गया, न्यायाधीश शैफाली सिंह के न्यायलय के कुल 33 प्रकरण का निराकरण किया गया। पंकज बुटानी व्यवहार न्यायाधीश वर्ग 2 के न्यायालय के कुल 21 प्रकरणों का निराकरण किया गया। नगर पालिका जलकर व दुकान किराया, जलकर, दूर संचार विभाग व बैंक रिकवरी के प्रिलिटिगेशन प्रकरण में से 78 प्रकरणों का निराकारण हुआ, जिसमें 1827000 रुपये प्राप्त हुए। इस प्रकार न्यायालय में लम्बित प्रकरणों में से 87 प्रकरणों का निराकरण किया गया।

पति पत्नी के विवाद से संबंधित प्रकरण का निराकरण किया गया। जिन्होंने आपसी सहमति से पति पत्नि साथ रहने तैयार हुए, न्यायाधीशगण के समक्ष बिना किसी विवाद के जीवन यापन करने का संकल्प लेकर साथ साथ घर गए।

सारंगपुर ब्लाक के 15 गांवों में होगा धरती माता बचाओ निगरानी समिति का गठन

दैनिक अवन्तिका ▶▶ सारंगपुर

उर्वरक खपत की चुनौतियों का समाधान करने के लिए ग्राम, अनुविभाग स्तरीय धरती माता बचाओ निगरानी समिति का गठन किया जा रहा है। सारंगपुर ब्लाक के लगभग 15 गांवो में होगा। समिति के गठन को लेकर जानकारी देते हुए सारंगपुर कृषि विभाग के एसएडीओ राजेश राजपूत ने बताया कि समिति का मुख्य उद्देश्य समिति का कार्य किसी भी विशेष व्यक्ति या व्यक्ति समूह को उर्वरकों की अत्यधिक बिक्री, उर्वरकों के किसी भी अवैध उपयोग के साथ-साथ नकली उर्वरकों के उत्पादन, वितरण पर नजर रखना, उसके कारणों का पता लगाना और गैर कृषि उपयोग, सीमा पार तस्करी के लिए उर्वरकों के उपयोग की स्थिति में जिला एवं अनुविभाग अधिकारियों को सूचित करना है। समिति संतुलित उर्वरक के उपयोग के लिए प्रेरित करने हेतु रबी व खरीफ सीजन के पूर्व ग्राम पंचायत स्तर पर मासिक रूप से ओपन बैठक का आयोजन करेगी। एसएडीओ राजपूत ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों का उपयोग लगातार बढ रहा है। इसका एक कारण किसानों में उर्वरकों के संतुलित उर्वरक के उपयोग की जागरूकता की कमी है। इस हेतु प्रभावी जन-जागरूकता की आवश्यकता है। यह समिति यह कार्य करेगी। साथ ही, रासायनिक उर्वरकों की अवैध रूप से उद्योगों में उपयोग की समस्या को भी जमीनी स्तर पर निगरानी करना एवं उस पर कार्रवाई होगी इन चुनौतियों के निराकरण हेतु एक व्यापक बहु-स्तरीय तंत्र विकसित किया जाएगा।

कलेक्टर कार्यलय में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

मक्सी। जिला विकास समिति के सदस्य एवं आयुष चिकित्सक जिलाध्यक्ष डॉ सी पी नाहर ने जिला विकास समिति की बैठक में प्रभारी मंत्री के समक्ष जिले में आयुष हॉस्पिटल खोलने की मांग रखी। 13 दिसम्बर को कलेक्टर कार्यलय में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक प्रभारी मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में रखी। बैठक में समिति के सदस्य डॉ सी पी नाहर ने जिला मुख्यालय पर आयुर्वेद और होम्योपैथिक हॉस्पिटल खोलने की मांग रखी जिस पर प्रभारी मंत्री ने जिला प्रशासन को इस दिशा में कार्य करने के दिशा निर्देश दिए इस मोके पर शाजापुर विधायक श्री अरुण जी भीमावत और समिति के सदस्य और प्रशानिक अधिकारी मौजूद थे।

ब्यावरा से भगवतीपुर मार्ग पर अतिक्रमण हटाया

ब्यावरा। राजगढ़ कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में रविवार को पैकेज क्रमांक एमपी 30 एफटीएन 22 अंतर्गत ब्यावरा से भगवतीपुर मार्ग व्हाया अतरालिया पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। इस दौरान मार्ग पर ग्रामीणों द्वारा किए गए कच्चे एवं पक्के अतिक्रमणों को हटाया गया। साथ ही उक्त कार्यवाही ब्यावरा विकासखंड के प्रभारी संजय माथुर, सहायक प्रबंधक एवं संबंधित संविदाकार के इंजीनियर द्वारा संयुक्त रूप से सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। कार्यवाही के समय ग्रामीणों को समझाइश दी गई कि यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो ब्यावरा को मलावर से जोड़ता है तथा आमजन की आवाजाही के लिए आवश्यक है। साथ ही विभागीय अधिकारियों द्वारा किसानों को अतिक्रमण नहीं करने की समझाइश दी गई।

जवाहर नवोदय 2025 प्रवेश परीक्षा संपन्न

तीन केंद्रों पर 665 परीक्षार्थी हुए शामिल, 95 रहे अनुपस्थित

सारंगपुर। सारंगपुर विकासखंड स्थित तीन केंद्रो में जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2025 सफलतापूर्वक संपन्ना हो गई। इस परीक्षा में कुल दर्ज 760 में से 665 छात्रों ने हिस्सा लिया तथा कुल 95 अनुपस्थित रहे। बीआरसी बीएल वर्मा ने बताया कि परीक्षा सुबह 11:30 बजे शुरू हुई और दोपहर 1:30 बजे समाप्त हुई। सारंगपुर विकासखंड में तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए थे बीआरसी बीएल वर्मा ने बताया कि बच्चों की सुविधा और भीड को नियंत्रित करने के उद्देश्य से विकासखंड में 3 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में परीक्षा कराई गई, ताकि नकल रहित और निष्पक्ष परीक्षा सुनिश्चित हो। सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत की गई है। जिन विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है, उनमें उत्कृष्ट विद्यालय सारंगपुर, कन्या शाला स्कूल सारंगपुर तथा कान्वेंट स्कूल सारंगपुर शामिल हैं। इन केंद्रो पर सारंगपुर विकास खंड के सभी संकुल केंद्रो से परीक्षार्थी इस परीक्षा में शामिल हुए। प्रशासन ने अभ्यर्थियों और अभिभावकों से अपील की थी कि वे परीक्षा केंद्र पर समय से पहुंचें और प्रवेश पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज अवश्य लाएं। बीआरसी नेब ताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित माहौल में आयोजित हुई और सभी व्यवस्थाएं बेहतर रही।

खेड़ापति सरकार की एक झलक पाने उमड़ा जनसैलाब

दैनिक अवन्तिका ▶▶ सारंगपुर।

हनुमान अष्टमी का पावन पर्व सारंगपुर नगर में अपूर्व श्रद्धा, आस्था और भक्ति-भाव से परिपूर्ण वातावरण में हर्षोल्लासपूर्वक मनाया गया। नगर के प्राचीन सिद्धक्षेत्र पाडल्या रोड स्थित सिद्धस्थल श्री खेडापति हनुमान मंदिर पर इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं का ऐसा जनसैलाब उमडा कि मानो पूरी नगरी भक्तिरस में सराबोर हो उठी हो। प्रातः काल से ही मंदिर परिसर में युवा, वृद्ध, महिलाएँ एवं बच्चे सभी वर्गों में एक समान उत्साह और भक्तिभाव दृष्टिगोचर हो रहा था। कोई श्रद्धालु हाथों में पुष्पमालाएँ लिए, कोई ध्वज के साथ, तो कोई प्रभु को भोग अर्पित करने की सामग्री लेकर बाबा खेडापति सरकार के दर्शन हेतु आतुर दिखाई दिया। श्रृंगारित स्वरूप के दर्शन की लालसा में उमडा यह जनसैलाब देखते ही बनता था।

खेडापति सरकार के सान्निध्य में भक्तों ने आत्मिक शांति और दिव्य अनुभूति का अनुभव किया। रंग-बिरंगी विद्युत सज्जा और मनोहारी पुष्प अलंकरण के मध्य बाबा का दिव्य एवं भव्य श्रृंगार श्रद्धालुओं के हृदय को अनुपम आनंद से भर रहा था। इस पावन वातावरण में महिलाओं द्वारा मधुर कंठ से संगीत की ताल पर गाए गए भजनों ने संपूर्ण परिसर को भक्तिरस से आप्लावित कर दिया। मंदिर के पुजारी पं. विप्र पवन ब्रज जगदीश पारीक ने जानकारी देते हुए बताया कि हनुमान अष्टमी के अवसर पर प्रातःकाल मंदिर में स्थापित देवी-देवताओं का विधिवत विशेष अर्चन-पूजन किया गया। तत्पश्चात दोपहर में शुभ अभिजीत मुहूर्त में नगर के प्रथम नागरिक पं. पंकज पालीवाल, वरिष्ठ समाजसेवी एलएन त्रिकार, गौरव पचलानिया, बिट्टू शर्मा, नितिन कलजोरिया, लखन चौरसिया, नरेंद्र मकोडिया, ललित वर्मा सहित अनेक गणमान्य श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से ध्वज पूजन कर हनुमान अष्टमी महोत्सव पर ध्वजारोहण संपन्ना किया। इसके पश्चात भक्तों द्वारा स्थापित देवी-देवताओं सहित बाबा खेडापति हनुमानजी का पंचामृत पूजन, अभिषेक एवं अंग-पूजन कर विश्व मंगल की कामना से विशेष अर्चन किया गया। इसी क्रम में बाबा का पंचामृत एवं गोदुग्ध से सहस्त्रधारा महामस्तकाभिषेक किया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं पवित्र हो उठा। रक्षासूत्र को विधिवत अभिमंत्रित किया गया एवं पश्चात बाबा का नयनाभिराम श्रृंगार संपन्ना हुआ। मंदिर परिसर को फूलों, रंगीन वस्त्रों एवं आकर्षक विद्युत सज्जा से अत्यंत सुंदर रूप से सजाया गया। सायंकाल में विभिन्न प्रकार के फलों का भोग अर्पित किया गया, जिसके पश्चात संगीत की ताल पर भक्तों द्वारा भव्य महाआरती संपन्ना हुई तथा सामूहिक रूप से श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। महाआरती उपरांत प्रसाद स्वरूप फलों का वितरण किया गया एवं श्रद्धालुओं को रक्षासूत्र बाँधा गया। आस्था, श्रद्धा, उल्लास और उमंग से परिपूर्ण इस पावन हनुमान अष्टमी महोत्सव में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वाले समस्त भक्तजनों के प्रति मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष, वरिष्ठ अभिभाषक रमेशचंद्र वर्मा ने हार्दिक आभार व्यक्त किया।

झारड़ा

हनुमान अष्टमी का पर्व झारड़ा नगर में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ बड़े धूमधाम से मनाया गया। नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के सभी हनुमान मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन, पूजन-अर्चन एवं भंडारों का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में नगर के बाहर स्थित प्रसिद्ध खेड़ापति हनुमान मंदिर (कांटे वाले) पर हनुमान अष्टमी के पावन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों ने सहभागिता कर महाप्रसादी का लाभ लिया। भंडारा दोपहर 3 बजे से देर रात्रि तक निरंतर चलता रहा। संध्या पश्चात मंदिर परिसर में भव्य सुंदरकांड का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर भक्ति रस का आनंद लिया और भजनों पर श्रद्धा भाव से झूमते नजर आए। प्रातःकाल मंदिर के पुजारी पं. प्रदीप बैरागी द्वारा विधिवत भगवान खेड़ापति हनुमान जी का अभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया गया। इस अवसर पर हनुमान जी महाराज को भव्य शाही चोला अर्पित किया गया। मंदिर परिसर को आकर्षक लाइटिंग एवं भव्य डेकोरेशन से सजाया गया, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। हनुमान जी के दर्शन हेतु प्रातः से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। महाआरती के समय मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। आयोजन में खेड़ापति हनुमान मंदिर समिति के सदस्य एवं नगर की धर्मप्रेमी जनता विशेष रूप से उपस्थित रही।

अंत में खेड़ापति हनुमान मंदिर समिति द्वारा भंडारे एवं धार्मिक आयोजनों में पधारे समस्त श्रद्धालुओं, भक्तजनों एवं सहयोगकताओं का आभार व्यक्त किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में संदीप कुमार सोनी, नाना जायसवाल, राजकुमार शर्मा सहित अनेक भक्तों का विशेष सहयोग रहा।

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म योनो (YONO) को लेकर बड़ा लक्ष्य तय किया है। एसबीआई के चेयरमैन सी. एस. शेट्टी ने कहा है कि बैंक अगले दो साल में डठड एप के यूजर बेस को दोगुना कर 20 करोड़ तक पहुंचाने की योजना बना रहा है।

चेयरमैन ने बताई योजना

अगले दो साल में डठड यूजर्स की संख्या 20 करोड़ करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अगले दो साल में योनो एप (YONO App) उपयोगकर्ता की संख्या को दोगुना करके 20 करोड़ करना है। इसके लिए बैंक डठड 2.0 में बड़ा निवेश करेगा, जिसे सोमवार को लॉन्च किया जा रहा है। एसबीआई चेयरमैन सी.एस.शेट्टी ने एक इंटरव्यू में बताया कि YONO 2.0 एक बड़ा अपग्रेड है, जिससे ग्राहकों को बेहतर डिजिटल अनुभव मिलेगा। इसके सभी फीचर्स को 6 से 8 महीने में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बैंक के लिए डठड 2.0 डिजिटलाइजेशन का मुख्य आधार है। इसमें इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग के लिए एक ही कॉमन कोड इस्तेमाल किया गया है, जिससे सभी डिजिटल चैनलों पर एक समान और आसान अनुभव मिलेगा। इससे एसबीआई को नए प्रोडक्ट और सर्विस जल्दी लॉन्च करने में मदद मिलेगी। शेट्टी ने बताया कि डठड 2.0 में ग्राहक जर्नी के लिए कॉमन कोर सिस्टम तैयार किया गया है, जिससे खाता खोलने से लेकर अन्य सभी लेन-देन इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल ऐप और ब्रांच झ तीनों माध्यमों पर सहज रूप से किए जा सकेंगे।

उन्होंने कहा, 'फिलहाल YONO पर हमारे करीब 10 करोड़ ग्राहक हैं। हमारा लक्ष्य मोबाइल और इंटरनेट बैंकिंग के जरिए 20 करोड़ ग्राहकों को जोड़ने का है। इसके लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े स्तर पर निवेश किया जा रहा है।' इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया, "आज, हमारे पास लगभग 10 करोड़ कस्टमर बेस है और हमारा मकसद YONO मोबाइल बैंकिंग या इंटरनेट बैंकिंग में 20 करोड़ कस्टमर्स को लाना है। कुल मिलाकर, लगभग 20 करोड़ कस्टमर बेस कुछ ऐसा है जिसे हम बना रहे हैं, जिसका मतलब है कि आपको अपने इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े पैमाने पर निवेश करना होगा। इसलिए हमारा विचार है कि अगले दो साल में हमारे पास कम से कम 20 करोड़ कस्टमर बेस होना चाहिए।"

ब्याज दरों और मार्जिन पर एसबीआई को भरोसा

एसबीआई चेयरमैन ने यह भी कहा कि आरबीआई की ओर से 25 बेसिस प्वाइंट की रेपो रेट कटौती के बावजूद बैंक अपने 3 फीसदी नेट इंटरेस्ट मार्जिन (NIM) के लक्ष्य को हासिल कर लेगा।

इंडिगो के खिलाफ 'क्लास एक्शन' की तैयारी? सैकड़ों लोग करेंगे मुकदमा

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइंस इन दिनों देश में प्रमुख तौर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। अधिकरत लोग इंडिगो को लेकर खूब सारी बातचीत भी कर रहे हैं। इंडिगो एयरलाइंस से जुड़े हालिया संकट के बाद भले ही कंपनी की स्थिति अब सामान्य हो गई हो, लेकिन इससे प्रभावित यात्रियों की परेशानियां अभी खत्म नहीं हुई हैं। ऐसे में अब सैकड़ों लोग एक साथ एयरलाइंस के खिलाफ 'क्लाश एक्शन' यानी मुकदमा करने की तैयारी कर रहे हैं। इस बात का दावा विमानन विशेषज्ञ संजय लाजर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से किया है।

लाजर ने पोस्ट में बताया कि बड़ी संख्या में यात्री अब भी मदद के लिए उनसे संपर्क कर रहे हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा कि यह जानकारी वह जनहित में साझा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इंडिगो संकट से प्रभावित 829 यात्रियों का एक समूह बन चुका है, जो अब मुआवजे की मांग को लेकर अदालत का दरवाजा खटखटाने की तैयारी कर रहा है।

संजय लाजर ने लोगों से की एक ग्रुप में शामिल होने की अपील

अपनी पोस्ट में विमान विशेषज्ञ संजय लाजर ने इंडिगो संकट के दौरान प्रभावित लोगों से एक ग्रुप में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि, जिन यात्रियों की उड़ानें रद्द हुईं, जो हवाई अड्डों पर फंसे रहे या किसी भी तरह से इस अव्यवस्था से प्रभावित हुए, वे इस समूह से जुड़ सकते हैं।

लाजर ने इस बात पर जोर दिया कि ग्रुप में जुड़ने के लिए यात्रियों को एक ईमेल भेजना होगा या दिए गए गूगल फॉर्म को भरना होगा, ताकि वे सामूहिक रूप से कानूनी कार्रवाई कर सकें। संजय लाजर ने यह भी कहा कि यदि किसी को इस प्रक्रिया से जुड़ा कोई सवाल है, तो वे सोशल मीडिया पोस्ट के नीचे जवाब देकर अपनी शंका पूछ सकते हैं।

समझिए क्या होता है क्लास एक्शन?

गौरतलब है कि क्लास एक्शन एक तरह की कानूनी प्रक्रिया है, जिसमें एक या ज्यादा व्यक्ति अपने समान दावे के साथ एक समूह के रूप में एक ही मुकदमा दर्ज कर सकते हैं। इस प्रक्रिया के तहत आरोपित कंपनी पर कुप्रबंधन और धोखाधड़ी जैसे कृत्यों के के लिए सामूहिक मुकदमा दर्ज कराया जा सकता है। सर्वे के मुताबिक अमेरिका की डेल्टा एयरलाइंस, साउथवेस्ट एयरलाइंस और अमेरिकन एयरलाइंस पर इस तरह के मुकदमे किए गए थे। क्लास एक्शन का मकसद न्याय की प्रक्रिया को सरल और अधिक प्रभावी बनाना है, जिससे समान मामलों में एक ही निर्णय लिया जा सके और न्यायालयों पर बोझ कम हो।

विदेशी टैक्स चोरी पर 29 हजार करोड़ का हुआ खुलासा

नई दिल्ली। भारत ने विदेशी टैक्स चोरी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में बड़ी कामयाबी हासिल की है। इस बात का दावा वैश्विक आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) के एक शीर्ष अधिकारी ने की। उन्होंने कहा कि भारत विदेशी टैक्स चोरी (ऑफशोर टैक्स एवेजन) के खिलाफ पारदर्शिता लागू करने में दुनिया के मजबूत देशों में शामिल है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत की पारदर्शी टैक्स नीतियों और आयकर विभाग के हालिया अभियान से 29 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की अघोषित विदेशी संपत्तियों का खुलासा हुआ है। यह भारत की मजबूत वैश्विक भूमिका और सख्त टैक्स व्यवस्था को दशार्ता है।

समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए एक सक्षात्कार में ओईसीडी की टैक्स पारदर्शिता और सूचना आदान-प्रदान से जुड़े ग्लोबल फोरम की सचिवालय प्रमुख जायदा मैनाटा ने यह बात कही।

वह हाल ही में 2 से 4 दिसंबर के बीच नई दिल्ली में आयोजित ग्लोबल फोरम की वार्षिक बैठक में शामिल होने भारत आई थीं। बता दें कि इस फोरम के 172 देश सदस्य हैं।

विदेशी टैक्स चोरी के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में बड़ी कामयाबी हासिल करने के लिए भारत की तारिफ क्यों हुई? इस बात ऐसे समझा जा सकता है, क्योंकि मैनाटा ने कहा कि भारत 2009 से ही टैक्स पारदर्शिता के लिए ग्लोबल फोरम के काम में सक्रिय सहयोग दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत टैक्स पारदर्शिता का मजबूत समर्थक है और ऑफशोर टैक्स चोरी के खिलाफ लगातार काम कर रहा है।

चार राज्यों के सीएम और 100 से अधिक सीईओ.., दावोस में ये दिग्गज करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली। अगले महीने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में भारत के चार राज्यों के मुख्यमंत्री और सौ से अधिक कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शामिल होंगे। 19 से 23 जनवरी तक इस पांच दिवसीय वार्षिक बैठक में कई केंद्रीय मंत्रियों के भी शामिल होने की संभावना है। बैठकर में करीब 130 देशों के वैश्विक नेता भाग लेंगे, जिनमें लगभग 60 देशों के राष्ट्रध्यक्ष भी शामिल होंगे।

इस वार्षिक बैठक में जिन चार राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे, उनमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव शामिल हैं। इन चार राज्यों के अलावा, उत्तर प्रदेश समेत कुछ और राज्यों की भी डब्ल्यूईएफ की बैठक में खास मौजूदगी होने की संभावना है। इस बैठक का विषय 'संवाद की भावना' रखा गया है। केंद्रीय मंत्रियों के नाम जल्द ही घोषित किए जा सकते हैं।

दावोस में शामिल होने वाले प्रमुख उद्योगपतियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज के प्रमुख मुकेश अंबानी, टाटा समूह के एन चंद्रशेखरन, बजाज समूह के संजीव बजाज और जुबिलेंट भरतिया समूह के हरी एस भरतिया शामिल हैं। इस बैठक में भारत के कॉर्पोरेट जगत से जिन लोगों के शामिल होने की संभावना है, उनमें एक्सिस बैंक के अमिताभ चौधरी, गोदरेज इंडस्ट्रीज के नादिर गोदरेज, जेएसडब्ल्यू समूह के सज्जन जिंदल, जेरोधा के निखिल कामत, भारती समूह के सुनील भारती मित्तल, इंफोसिस

के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी, इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख, विप्रो के रिशद प्रेमजी, एसर के सीईओ प्रशांत रुइया, पेटीएम के विजय शेखर शर्मा और रिन्यू के सीईओ सुमंत सिन्हा शामिल हैं।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया के अलावा सार्वजनिक क्षेत्र के कई उपक्रमों के प्रमुख भी वहां मौजूद रहेंगे, जिनमें गैस ग्रिड इंडिया के संदीप कुमार गुप्ता, एसबीआई के चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी, एनटीपीसी के गुरदीप सिंह और आरईसी के जितेन्द्र श्रीवास्तव शामिल हैं।

वैश्विक नेताओं में विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय एस बंगा, आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलीना जॉर्जिवा, यूरोपीय केंद्रीय बैंक की अध्यक्ष क्रिस्टिन लैगार्ड, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन, डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधनोम घेब्रेयसस, यूनेस्को के महानिदेशक खालेद एल-एनानी, डब्ल्यूटीओ के महानिदेशक नगोजी ओकोंजो-इवेआला और लंदन के मेयर सादिक खान शामिल होंगे।

गिल को सीरीज के बाकी बचे तीनों मैचों में एकादश में जगह मिलना लगभग तय है, लेकिन उनके लिए चीजें आसान नहीं है। टी20 विश्व कप अब सिर्फ छह सप्ताह दूर है और यह सलामी बल्लेबाज इन मैचों में अगर लय हासिल करने में विफल रहा तो टीम दूसरी योजना पर काम करने का मन बना सकती है।

गिल और सूर्यकुमार को फॉर्म में करनी होगी वापसी, कुलदीप के लिए एकादश में बन पाएगी जगह?

धर्मशाला। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच ये सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है और भारत अब सीरीज में बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगा। भारत पहले दो मुकाबलों में एक ही एकादश के साथ खेलने उतरा है, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम प्रबंधन इस मैच के लिए कोई बदलाव करता है या नहीं।

फॉर्म में नहीं आए तो मुश्किल हो सकती है गिल की राहें

गिल को सीरीज के बाकी बचे तीनों मैचों में एकादश में जगह मिलना लगभग तय है, लेकिन उनके लिए चीजें आसान नहीं है। टी20 विश्व कप अब सिर्फ छह सप्ताह दूर है और यह सलामी बल्लेबाज इन मैचों में अगर लय हासिल करने में विफल रहा तो टीम दूसरी योजना पर काम करने का मन बना सकती है। कप्तान सूर्यकुमार यादव की लंबे समय से चली आ रही खराब लय पर

सवाल उठ रहे हैं, जबकि उपकप्तान गिल अब तक भरोसा जगाने में नाकाम रहे हैं। संजू सैमसन जैसे स्थापित सलामी बल्लेबाज की कीमत पर टीम में शामिल किए गए गिल प्रभाव छोड़ने में संघर्ष करते नजर आए हैं।

नंबर तीन पर दोबारा खेल सकते हैं कप्तान सूर्यकुमार: मुख्य कोच गौतम गंभीर ने दूसरे टी20 में बल्लेबाजी क्रम में प्रयोग करते हुए अक्षर पटेल को तीसरे स्थान पर उतारा था। इस फैसले की काफी आलोचना हुआ थी, लेकिन अब सूर्यकुमार फिर तीसरे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतर सकते हैं। सूर्यकुमार तीसरे स्थान पर खेलते हुए काफी सफल रहे हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से फॉर्म में नहीं चल रहे हैं। सूर्यकुमार का लय में आना टीम के लिए जरूरी है। इसी तरह बल्लेबाजी क्रम में अत्यधिक फेरबदल के चलते शिवम दुबे को नंबर आठ पर भेजना भी एक कमजोर फैसला रहा, जिसे अगले मैच में सुधारने की जरूरत होगी।

तेज गेंदबाजों के अनुकूल होंगी परिस्थितियां: धर्मशाला की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल होंगी। अभी तक तीन मैचों में जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या तेज गेंदबाजी आक्रामक संभाल रहे हैं, जबकि चौथे तेज गेंदबाज के तौर पर शिवम दुबे को मौका मिल रहा है। कुलदीप यादव दोनों ही मैचों में बाहर रहे हैं, इसका बड़ा कारण यह है कि टीम प्रबंधन आठवें स्थान तक बल्लेबाज रख रहा है। कुलदीप यादव ऐसे गेंदबाज रहे हैं जिन्होंने दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया है। धर्मशाला में भी कुलदीप को बाहर बैठना पड़ सकता है, क्योंकि वरुण चक्रवर्ती के साथ उन्हें खिलाने से बल्लेबाजी संतुलन बिगड़ सकता है। अर्शदीप सिंह का प्रदर्शन इस सीरीज में खास नहीं रहा है, लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या टीम प्रबंधन जसप्रीत बुमराह के साथ नई गेंद हार्दिक पांड्या को सौंपते हुए, कुलदीप यादव के लिए एकादश में जगह बना पाता है या नहीं?

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मैच खेला जाएगा। इस दौरान अभिषेक शर्मा के पास एक विशेष उपलब्धि अपने नाम दर्ज करने का मौका रहेगा।

खतरे में कोहली का नौ साल पुराना ये रिकॉर्ड, 87 रन बनाते ही अभिषेक हासिल कर लेंगे उपलब्धि

धर्मशाला। भारतीय टीम के विस्टफोटक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 में एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बनने का रिकॉर्ड हासिल करने के करीब पहुंच गए हैं। फिलहाल ये रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है जिन्होंने 2016 में 31 मैचों में 89.66 के औसत से 1614 रन बनाए थे जिसमें चार शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। अभिषेक अब ये उपलब्धि हासिल करने से 87 रन दूर हैं।

अभिषेक का इस साल टी20 में प्रदर्शन

अभिषेक का बल्ला इस साल जमकर बोला है और वह फॉर्म में चल रहे हैं। अभिषेक 2025 में अब तक टी20 में 39 मैचों में 1533 रन बना चुके हैं। इस दौरान उनका औसत 41.43 का रहा है और वह इस प्रारूप में तीन शतक और नौ अर्धशतक लगा चुके हैं। अभिषेक अब रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में उतरेंगे। दोनों टीमों के बीच ये मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा।

मौजूदा सीरीज में अब तक खामोश रहा अभिषेक का बल्ला

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज में अभिषेक का बल्ला खामोश रहा है। कटक में खेले गए पहले मुकाबले में अभिषेक सस्ते में आउट हुए थे, लेकिन टीम इंडिया ने गेंदबाजों के दम पर वो मुकाबला जीता था। न्यू चंडीगढ़ में खेले गए दूसरे टी20 में अभिषेक आठ गेंदों पर 17 रन ही बना सके। अब अभिषेक तीसरे टी20 में दमदार प्रदर्शन करना चाहेंगी। अगर अभिषेक का बल्ला दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शेष तीन टी20 में चल पड़ा तो वह कोहली को पीछे छोड़कर एक कैलेंडर वर्ष में सर्वाधिक टी20 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे।

बढ़त लेने उतरेगा भारत

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार को पांच मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच ये सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है और भारत अब सीरीज में बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगा। भारत पहले दो मुकाबलों में एक ही एकादश के साथ खेलने उतरा है, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि टीम प्रबंधन इस मैच के लिए कोई बदलाव करता है या नहीं।

डगआउट में गंभीर..हाथ में गेंद, एक आदत जिसने सबका ध्यान खींचा; ऐसा क्यों करते हैं भारतीय कोच?

नई दिल्ली। खेल की दुनिया में कोच सिर्फ रणनीति नहीं बनाते, वे अपनी आदतों से भी पहचाने जाते हैं। कभी ये आदतें मामूली होती हैं, तो कभी कैमरों और सोशल मीडिया की वजह से प्रतीक बन जाती हैं। फुटबॉल में सर एलेक्स फर्ग्यूसन की च्युइंग गम और पेप गार्डियोला की स्लीव खींचने की आदत अब दंतकथा बन चुकी है। क्रिकेट में ये चीजें अक्सर कम होती हैं। राहुल द्रविड़ का नोटबुक, आशीष नेहरा का सीमा रेखा तक जाकर चिल्लाना, ये सब बस छोटी-छोटी चीजें हैं। लेकिन फिर आते हैं गौतम गंभीरङ्कऔर उनके साथ हमेशा रहती है 'एक क्रिकेट बॉल'।

अगर आप गंभीर को डगआउट में ध्यान से देखें, तो एक चीज जो दिखती है, वह है क्रिकेट गेंद। गेंद कभी हाथ में या कभी टेबल पर रखी हुई या फिर

कभी चेहरे के पास या कभी जेब में। हर फॉर्मेट, हर मैच, हर मैदान में गेंद गंभीर के करीब होती है। यहीं से सवाल शुरू होता है।

हो सकता है। आखिर एक कोच का गेंद पकड़ना कौन-सी बड़ी बात है? वही गेंद, जिससे खिलाड़ी घंटों जूझते हैं, लेकिन सवाल ये भी है कि गौतम गंभीर को कब किसी ने बिना विश्लेषण के छोड़ा है? उनकी खामोशी भी बयान बन जाती है। उनकी नजर भी फैसला मानी जाती है और उनकी चुप्पी भी सवालिया निशान।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की वनडे सीरीज जीत के बाद, जब गंभीर ने सार्वजनिक रूप से रोहित शर्मा और विराट कोहली का नाम नहीं लिया, तो वही चुप्पी चर्चा का विषय बन गई। पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा ने इसे अजीब बताया। बस, फिर क्या था...अटकलों की बाढ़ आ गई। गंभीर-कोहली समीकरण को फिर से कुरेदा गया। हालांकि गंभीर कई बार कह चुके हैं कि अब हम एक ही टीम के लिए खेल रहे हैं, लेकिन सोशल मीडिया को संदर्भ नहीं चाहिए, उन्हें सिर्फ क्लिप चाहिए।

सॉल्ट लेक स्टेडियम में बवाल पर रिपोर्ट सौंपेगी जांच समिति

कोलकाता। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी के भारत दौरे के दौरान कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में हुए बवाल पर जांच समिति जल्द रिपोर्ट सौंपेगी। कलकत्ता हाई कोर्ट के सेवानिवृत जज असीम कुमार रे की अगुआई में जांच समिति इस घटना की जांच कर रही है। मेसी शनिवार को कोलकाता पहुंचे थे, लेकिन अव्यवस्था के कारण वह स्टेडियम से जल्दी चले गए जिसके बाद नाराज प्रशंसकों ने जमकर उत्पात मचाया था।

मेसी G.O.A.T दौरे पर भारत पहुंच चुके हैं। पहले दिन वह कोलकाता पहुंचे और सॉल्ट लेक स्टेडियम का दौरा किया। लैप ऑफ ऑनर के बाद वह स्टेडियम से जल्दी निकल गए। इसके बाद सॉल्ट लेक स्टेडियम में मौजूद फैंस ने जमकर हंगामा किया। मेसी को देखने के लिए हजारों की संख्या में फैंस पहुंचे थे। सबसे बड़ी बात कि उन्होंने टिकट के लिए भारी कीमत भी चुकाई थी। ऐसे में उनके जल्दी स्टेडियम से जाने से फैंस भड़क गए। सुरक्षा कारणों से उनके चारों ओर घेरा इतना सख्त कर दिया गया कि गैलरी में बैठे आम दर्शक उन्हें ठीक से देख ही नहीं सके।

फैंस का आरोप है कि न सिर्फ मैदान में, बल्कि स्टेडियम की बड़ी स्क्रीन पर भी मेसी की साफ तस्वीर नहीं दिखाई गई। सुबह से इंतजार कर रहे दर्शक खुद को ठगा हुआ महसूस करने लगे। धीरे-धीरे 'वी वांट मेसी' के नारे पूरे स्टेडियम में गूंजने लगे और माहौल तनावपूर्ण हो गया। घटना के तुरंत बाद स्टेडियम के अंदर के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। टूटे बैनर, गुस्साए फैंस और अव्यवस्था की तस्वीरें उस उत्सव के बिल्कुल उलट थीं, जिसकी उम्मीद मेसी के आगमन से की जा रही थी।

न्यूज कॉलम

पतंग लूटने गया नाबालिग हाईटेंशन लाइन से झुलसा

इंदौर। इंदौर के छत्रीपुरा इलाके में रविवार सुबह एक नाबालिग हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से झुलस गया। आसपास के लोगों ने बच्चे को देखा और जिला अस्पताल ले गए। जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने काफी देर तक उसका उपचार नहीं किया और उसे एमवाय अस्पताल ले जाने की सलाह दी। अस्पताल में मौके पर कर्मचारी न होने के कारण निवासी बच्चे को उठाकर एम्बुलेंस तक ले गए। वर्तमान में बच्चे का एमवाय अस्पताल में उपचार चल रहा है। नाबालिग 50% झुलस चुका है। पुलिस के अनुसार, घटना रविवार सुबह लकड़ी मंडी इलाके की है। आठ वर्षीय नाबालिग गुड़िया को हाईटेंशन लाइन से झुलसने के बाद पहले जिला अस्पताल ले जाया गया। मौके पर मौजूद ड्यूटी डॉक्टरों ने बच्चे का उपचार शुरू किया, लेकिन कुछ देर बाद प्राथमिक उपचार कर उसे एमवाय अस्पताल भेजने की बात कही। इसके बाद स्थानीय निवासी संदीप पाल और लालू ने बच्चे को स्ट्रेचर पर उठाकर एम्बुलेंस तक पहुंचाया।

सौतले पिता ने की बेटी से छेड़छाड़

इंदौर। बाणगंगा पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर उसके सौतेले पिता विश्वपाल के खिलाफ छेड़छाड़ और मारपीट के आरोप में शनिवार देर रात एफआईआर दर्ज की है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार, निजी कंपनी में काम करने वाली युवती शनिवार रात अपनी मां के साथ थाने पहुंची। उसने बताया कि शाम को वह अपनी सहेली के घर से लौटकर घर आई थी। नहाने के बाद वह कमरे में कपड़े बदल रही थी, तभी उसके सौतेले पिता पलंग के पीछे छिपकर उसे देख रहे थे। युवती ने ध्यान दिलाया और चिल्लाई, तो विश्वपाल ने उसे धक्का देकर अपनी तरफ खींचने की कोशिश की। इस दौरान युवती की मां भी किचन की तरफ से दौड़ती हुई कमरे में पहुंचीं, लेकिन विश्वपाल ने उन पर भी मारपीट की और बेटी को भी पीटा। पीड़िता ने तुरंत 112 कॉल कर पुलिस को बुलाया। युवती ने पुलिस को बताया कि उसकी मां का 15 साल पहले तलाक हुआ था और उसके बाद उन्होंने विश्वपाल से दूसरी शादी की। पिछले 2-3 साल से विश्वपाल अक्सर पीड़िता के साथ मारपीट कर रहे थे और उसके पीछे चलते थे। पीड़िता ने कहा कि मां के कारण अब तक सब कुछ सहन किया, लेकिन शनिवार की सुबह वह परेशान होकर अपनी सहेली के घर चली गई थी और शाम को लौटने पर घटना हुई। पुलिस के अनुसार, विश्वपाल खंडवा का रहने वाला है और उसकी तलाश जारी है।

आयुष्मान इंसेंटिव की अपात्रों तक पहुंची फार्मासिस्ट निलंबित

इंदौर। एमवाय अस्पताल में आयुष्मान इंसेंटिव राशि वितरण घोटाले में तत्कालीन डीन डॉ. संजय दीक्षित और नोडल अधिकारी डॉ. यामिनी गुप्ता सवालों के घेरे में हैं। दोनों ने नियमों का पालन नहीं किया, जिससे योजना की राशि अपात्र लोगों तक पहुंच गई। जांच रिपोर्ट के मुताबिक आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत इंसेंटिव राशि केवल उन्हीं चिकित्सकों को दी जानी थी, जो निजी प्रैक्टिस नहीं करते थे। बावजूद एमवाय अस्पताल में नियमों को नजरअंदाज कर निजी अस्पतालों में प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों को भी इंसेंटिव दे दिया गया। इंसेंटिव वितरण आपसी सांठगांठ से हुआ, जिससे सरकारी राशि का गलत उपयोग सामने आया। बड़ी लापरवाही यह भी उजागर हुई कि एमवाय अस्पताल के अधीक्षक स्तर पर इंसेंटिव वितरण पत्रक का नियमानुसार सत्यापन नहीं कराया गया। इससे पूरे वितरण तंत्र की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हुए हैं। मामले में तत्कालीन संभागायुक्त द्वारा कराई गई जांच के आधार पर फार्मासिस्ट रामेश्वर चंदेल को सस्पेंड किया गया है।

ब्रेन ट्रांसप्लांट फिलहाल संभव नहीं लेकिन तकनीकें बनी आशा

इंदौर। न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के एनएसआईकॉन-2025 के चौथे दिन ब्रेन और स्पाइन देखभाल में चुनौतियों पर विजय थीम पर वैज्ञानिक विमर्श हुआ। शनिवार को 200 से अधिक शोध पत्रों पर चर्चा हुई। स्कल बेस सर्जरी, ब्रेन इंजरी, ट्रॉमा मैनेजमेंट, पोस्ट सर्जरी केयर और न्यूरोसर्जरी वेलनेस जैसे विषयों पर सत्र हुए। विशेषज्ञों ने स्पष्ट किया कि ब्रेन ट्रांसप्लांट फिलहाल संभव नहीं है, लेकिन एआई, ब्रेन मशीन इंटरफेस और ब्रेन स्पाइनल इंटरफेस तकनीकें लकवाग्रस्त मरीजों के लिए नई उम्मीद जगा रही हैं। दोपहर सत्र में कारगिल युद्ध के नायक जनरल वी.पी. मलिक ने कहा कि जज्बा और जीत का जुनून ही विजय की बुनियाद है। डॉ. आई.एन. वाजपेयी ने शोध को भविष्य की न्यूरोसर्जरी की दिशा बदलने वाला बताया। अमेरिका से आए डॉ. केनन आटानीविक ने भारतीय न्यूरोसर्जनों के काम की सराहना की।

थाईलैंड की नैन का ससुराल बना इंदौर

दैनिक अवन्तिका ▶▶ इंदौर

इंदौर जिले में महू के जयंत सोनी और थाईलैंड की नैन 5 दिसंबर को हिंदू रीति-रिवाज से शादी के बंधन में बंध गए। हजारों किलोमीटर दूर से थाईलैंड की नारूएपक (नैन) भारत पहुंचीं। शादी के एक हफ्ते बाद अब वापस अपने मायके थाईलैंड गई हैं। वे कुछ दिन बाद भारत लौटेंगी।

हालांकि इस एक हफ्ते में वे भारतीय संस्कृति में रच-बस गई है। भाषा के कारण कम्युनिकेशन की समस्या से दो-चार जरूर होना पड़ रहा है, क्योंकि नैन को हिंदी नहीं आती और ससुराल के लोगों को अंग्रेजी। कई बार तो इशारों-इशारों में बातें होती हैं। टूटी-फूटी हिंदी बोलना भी खूब लुभा रहा है। दरअसल, थाईलैंड की प्राइवेट कंपनी में शुरू हुई साधारण सी मुलाकात ने दो अलग संस्कृतियों को जोड़ने की नींव रखी। साल 2015 में पहली बार मिले जयंत और नैन पहले सहकर्मी बने। समय के साथ धीरे-धीरे दोनों के बीच दोस्ती हुई। यह दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। दूरी, देशों, भाषा और परंपराओं में फर्क के बावजूद दोनों ने एक-दूसरे को समझा, अपनाया और आखिरी में शादी करके अपने 10 साल लंबे रिश्ते को नई पहचान दी।

कृषि भूमि बेचना है
• उज्जैन से मात्र 16 किमी पर 5 बीघा ग्राम आँवलिया में मात्र 22 लाख रुपये बीघा
• 25X60 का प्लॉट बेचना है एमपी नगर में
• 13X50 का मकान बेचना है मक्सी रोड एम आर 5 रोड पर
• 17X30 तीन मंजिला मकान बेचना है मेन रोड पर सांदीपनी नगर एम आर 5 रोड पर
मो. 9301388290, 9340903559

कर्मचारी की आवश्यकता
क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी वेटर हेल्पर किचन हैल्पर तंदूर वाला और सिक्युरिटी गार्ड की तुरंत आवश्यकता है
पता- हरिफाटक फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड उज्जैन, 761-0571808

प्लाट बेचना है
खुली भूमि उत्तर से दक्षिण, पूर्व की ओर 95.8 फीट, पश्चिम की ओर 106 फीट और पूर्व पश्चिम उत्तर की ओर 102.7 फीट, दक्षिण की ओर 99 फीट कुल एरिया 10275 वर्गफीट, जिसके उत्तर में रोड के बाद माहेश्वरी का मकान, दक्षिण में सुन्दरबाई का मकान और नागूलाल का मकान, पूर्व में रामाजी जाट की गली उर्दूपुरा रोड, पश्चिम में रस्सी गली मुन्सीपल नम्बर पुराना 5/1317, नया नम्बर 12 लाल बाई फूलबाई मार्ग उर्दूपुरा उज्जैन जो कि जाधव गुवाड़ी के नाम से जाना जाता है, को विक्रय करना है।
सम्पर्क सूत्र - 9425002108 ब्रजलाल रांका

अवश्यकता है
पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क फ्रीगंज (उज्जैन) मो. 9425094114

अवन्तिका वर्गीकृत
■ 10 दिन 1000/-
■ 20 दिन 1500/-
■ 1 माह 2000/-
- सम्पर्क करें-
0734-4041777
0731-4085777
77710-90777
विशेष सूचना- दैनिक अवन्तिका में प्रकाशित विज्ञापनों में किये दावों की पुष्टि पाठक अपने विवेक से करें।

वॉटर प्रुफिंग
करवाएं काफी कम रेट में
विजीट चार्ज 499/-
ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

रेंट पर देना/आवश्यकता
1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज मंडी के सामने 2400 स्क्वे. फीट का शोरूम रेंट पर देना है। ऑफिस, बैंक के लिए
2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 20000 रुपए
संपर्क 9826398272

प्लाट बेचना है
गणेशपुरा, मक्सी रोड, संजोग गेस एजंसी के सामने 19'x55' और 15'x55' साइज के प्लाट बेचना है । प्रस्तावित फोरलेन से मात्र 100 फिट की दूरी पर। ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करे।
मो. 9131720147, 9424045696

कर्मचारियों की आवश्यकता है
इंदौर में रियल स्टेट कंपनी के ऑफिस में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क करें, सेल्स एग्जीक्यूटिव एंड टेलीकॉलिंग
सुपर कॉरिडोर और विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

वॉटर प्रुफिंग
करवाएं काफी कम रेट में
विजीट चार्ज 499/-
ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

अमरूद बेचना है
अमरूद का बगीचा जवासिया कुमार, लालपुर, उज्जैन में चार बीघा में करीब 400 अमरूद के पेड़ अच्छी बहार आई फल बेचना है।
: संपर्क :
7746856444

आवश्यकता है
कारखाने में (उज्जैन) पैकेजिंग कार्य हेतु महिलाओं एवं आदमियों की
संपर्क करें 9300405252

अब आपके इंदौर शहर में... सप्ताह में दिन... सोमवार बुधवार शुक्रवार
श्री गोपाल हाड़ वैद्य
हड्डी रोग दवाखाना उज्जैन वाले
समय दोप. 12:30 से शाम 7 बजे तक
मो. 7000813235
चौंट | मोच | फैक्चर विशेषज्ञ
पता- जवाहर मार्ग 11/5 निहालपुरा गुरुद्वारा के सामने वाली पट्टी लक्ष्मी मेडिकल हाल के पीछे निहालपुरा, इन्दौर

आवश्यकता
होटल हिमालया ग्रीन
खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
1- तवा रोटी बनाने वाले
2- वेटर
3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ
10, ए विनय नगर देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 9575279117

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क 7773077762

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटर्न मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशाति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य , भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

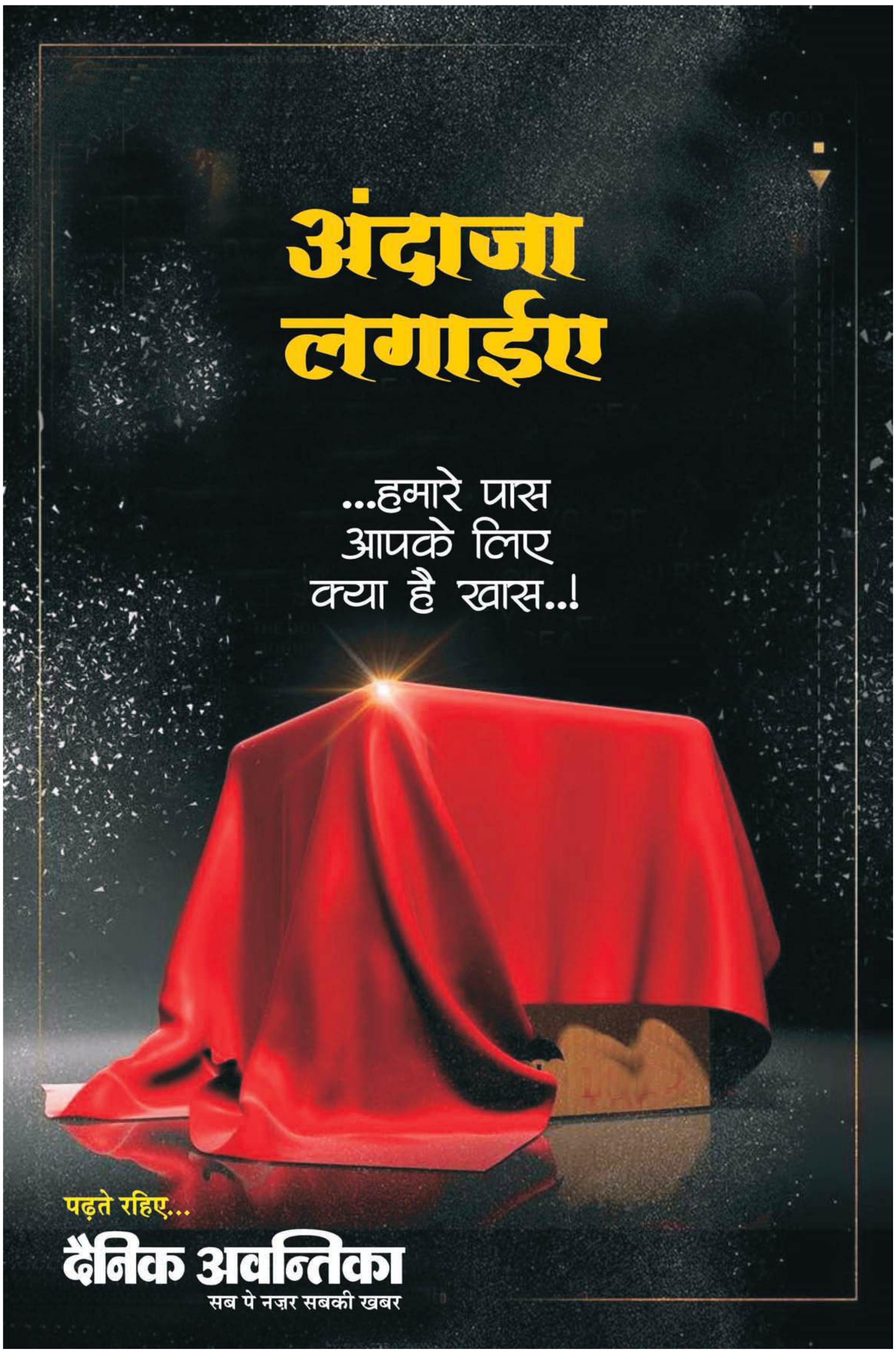

मुद्रक/प्रकाशक सुरेन्द्र मेहता द्वारा अवन्तिका प्रकाशन के लिए अवन्तिका ऑफसेट, 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग, उज्जैन से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : सुरेन्द्र मेहता। फोन - उज्जैन : 0734-4041777, 9827771777, इन्दौर : 0731-4085777, 9827772777 e-mail : awantikapress@yahoo.com